@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 8 दिसंबर 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 28 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

बाबरी मस्जिद विध्वंस पर शिवसेना-यूबीटी के रुख से सपा नाराज

कौमी संवाददाता

मुंबई, 7 दिसंबर। महाराष्ट्र में चुनावी नतीजों में महायुति को जबरदस्त जीत मिलने के बाद विपक्षी गठबंधन में दरारें पड़नी शुरू हो गई हैं। महा विकास अघाड़ी में शामिल समाजवादी पार्टी ने अब गठबंधन छोड़ने का फैसला कर लिया है। महाराष्ट्र सपा प्रमुख अबु आजमी ने शनिवार को कहा कि शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे के बाबरी मस्जिद विध्वंस को लेकर रुख के चलते उनकी पार्टी ने एमवीए को छोड़ने का निर्णय किया है। सपा की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख अबु आजमी ने एमवीए छोड़ने के फैसले पर कहा, शिवसेना-यूबीटी की तरफ से अखबार में एक विज्ञापन दिया गया था जिसमें बाबरी मस्जिद के विध्वंस में शामिल लोगों को बधाई दी गई थी। उनके (उद्धव ठाकरे के) करीबियों ने इसे एक्स पर भी पोस्ट किया और मस्जिद के गिराए जाने का स्वागत किया। उन्होंने कहा, इसलिए हम महा विकास अघाड़ी छोड़ रहे हैं। मैं सपा प्रमुख अखिलेश यादव से बात कर रहा हूं। बता

दें कि शिवसेना-यूबीटी के नेता मिलिंद नार्वेकर ने हाल ही में अपने एक्स अकाउंट पर बाबरी मस्जिद विध्वंस से जुड़ी एक तस्वीर पोस्ट की थी। इसमें बाल ठाकरे का वक्तव्य- जिन्होंने ये किया मुझे उन पर गर्व है भी शामिल था। शिवसेना सचिव ने इसके साथ ही उद्धव ठाकरे, आदित्य ठाकरे और अपनी तस्वीर भी इस पोस्ट में इस्तेमाल की थी। इस पर अबु आजमी ने कहा कि अगर महा विकास अघाड़ी में कोई इस तरह की भाषा का इस्तेमाल करता है तो उनमें और भाजपा में क्या फर्क रह जाता है? आखिर हम उनके साथ क्यों रहें? गौरतलब है कि सपा की महा विकास अघाड़ी गठबंधन से इस दूरी की नींव विधानसभा चुनाव से पहले ही पड़ गई थी। दरअसल, तब एमवीए की तरफ से उम्मीदवारों के चयन से समाजवादी पार्टी के नेता अबु आजमी ने नाराजगी जाहिर की थी और अकेले चुनाव लड़ने की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि ऐसा लगता है कि वे समाजवादी पार्टी को सीटें नहीं देना चाहते हैं। मैं नहीं चाहता कि एमवीए टूटे और वोट बंटें, लेकिन अगर वे हमारी बात नहीं सुनते हैं तो हमारे पास अकेले चुनाव लड़ने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ने एमवीए के स्थापित दलों की मौजूदगी के बावजूद चुनाव लड़ा और दो सीटों- भिवंडी ईस्ट और मानखुर्द शिवाजी नगर सीट पर जीत हासिल की। भिवंडी ईस्ट से सपा के रईस कसम शेख जीते। वहीं, मानखुर्द शिवाजी नगर से महाराष्ट्र सपा के प्रमुख अबु आजमी ने जीत का परचम लहराया। बता दें कि महाराष्ट्र में चुनावी नतीजों में महायुति को जबरदस्त जीत हासिल हुई। राज्य की 288 सीटों वाली विधानसभा में महायुति को 230 सीटें मिलीं, जबकि विपक्षी महा विकास अघाड़ी सिर्फ 46 सीटें ही हासिल कर पाई। एमवीए में शिवसेना-यूबीटी 20 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनी, जबकि कांग्रेस को सिर्फ 16 सीटों पर जीत मिली।

गरीब और मध्यम वर्ग की मेहनत की कमाई को लूटा जा रहा: राहुल गांधी

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 7 दिसंबर। केंद्र सरकार जीएसटी स्लैब बढ़ाने की तैयारी कर रही है? कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कुछ ऐसे ही संकेत देकर सरकार पर हमला बोला। एक्स पर पोस्ट में राहुल गांधी ने लिखा कि पूंजीपतियों को छूट और आम लोगों से लूट का एक और उदाहरण देखिए। एक तरफ कॉरपोरेट टैक्स के मुकाबले इनकम टैक्स लगातार बढ़ रहा है। दूसरी तरफ़ मोदी सरकार गब्बर सिंह टैक्स से और ज्यादा वसूली की तैयारी कर रही है। एक तरफ़ कॉरपोरेट टैक्स के मुक़ाबले इनकम टैक्स लगातार बढ़ रहा है। दूसरी तरफ़ मोदी सरकार गब्बर सिंह टैक्स से और ज़्यादा वसूली की तैयारी कर रही है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि सुनने में आ रहा है कि जीएसटी से लगातार बढ़ती वसूली के बीच सरकार एक नया टैक्स स्लैब पेश करने जा रही है। इसके जरिये आपकी ज़रूरत की चीजों पर जीएसटी बढ़ाने की योजना है। शादियों का सीजन चल रहा है। लोग कब से पाई-पाई जोड़कर पैसे इकट्ठा कर रहे होंगे और सरकार इसी बीच 1500 रुपये से ऊपर के कपड़ों पर जीएसटी 12त्न से बढ़ाकर 18त्न करने जा रही है। यह घोर अन्याय है। अरबपतियों को टैक्स में छूट देने और उनके बड़े से बड़े कर्ज माफ करने के लिए गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों की मेहनत की कमाई को टैक्स से लूटा जा रहा है। राहुल गांधी ने

लिखा कि हमारी लड़ाई इसी अन्याय के खिलाफ है। आम लोगों पर पड़ रही टैक्स की मार के खिलाफ हम मजबूती से आवाज उठाएंगे और इस लूट को रोकने के लिए सरकार पर दबाव बनाएंगे। राहुल गांधी के इस पोस्ट के बाद एक बार फिर जीएसटी को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। हाल ही में जीएसटी की दरों में बदलाव को लेकर लगातार तेज हो रही अटकलों को केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड ने खारिज किया था। बोर्ड ने कहा था कि जीएसटी परिषद ने अभी तक जीएसटी दर में बदलाव पर कोई चर्चा नहीं की है। परिषद को जीओएम (ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स) की सिफारिशें भी नहीं मिली हैं। वहीं वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) व्यवस्था में अलग-अलग चीजों पर टैक्स तय करने वाले मंत्री समूह (जीओएम) ने तीन दिसंबर को बैठक की थी। इसमें फैसला हुआ था कि समाज के लिए नुकसानदेह वस्तुओं पर टैक्स को बढ़ाया जाएगा। इसके मद्देनजर सिगरेट, तंबाकू, कोल्ड ड्रिंक्स समेत अन्य कार्बोनेटेड ड्रिंक्स और इनसे जुड़े उत्पादों पर 35 फीसदी टैक्स लगाने का फैसला किया गया था। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में मंत्रियों के समूह ने कपड़ों पर टैक्स दरों के युक्तीकरण पर फैसला किया था।

पूजा स्थल विशेष प्रावधान अधिनियम के कुछ प्रावधानों को दी गई सुप्रीम चुनौती

नई दिल्ली, 7 दिसंबर। सुप्रीम कोर्ट 12 दिसंबर को पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991 के कुछ प्रावधानों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करेगा। याचिकाओं में किसी पूजा स्थल को फिर से पाने या 15 अगस्त 1947 को प्रचलित स्वरूप में परिवर्तन की मांग करने के लिए मुकदमा दायर करने पर रोक लगाने वाले प्रावधानों को चुनौती दी गई है। भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति पीवी संजय कुमार और केवी विश्वनाथन की विशेष पीठ दोपहर 3.30 बजे मामले की सुनवाई करेगी। इससे पहले ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने इस दावे कि मस्जिदों के नीचे मंदिर हैं को लेकर आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ पार्टी का हर वाहिनी, परिषद और सेना के पीछे एक अदृश्य हाथ है। उन्होंने कहा कि भारत के लोगों को ऐसे इतिहास को लेकर लड़ाई में धकेला जा रहा है, जिसका कोई अस्तित्व ही नहीं था। कोई भी देश महाशक्ति नहीं बन सकता, अगर उसकी 14 प्रतिशत आबादी इस तरह के लगातार दबाव का सामना करे। हर वाहिनी, परिषद, सेना आदि के पीछे सत्तारूढ़ पार्टी का अदृश्य हाथ है।

बदमाशों ने फर्श बाजार इलाके में कारोबारी की हत्या की

दिल्ली, 7 दिसंबर। दिल्ली के थाना फर्श बाजार इलाके में शनिवार सुबह बदमाशों ने कारोबारी की गोली मारकर हत्या कर दी। मामले की सूचना पर तत्काल पुलिस मौके पर पहुंची। मृतक की पहचान सुनील जैन (52) के रूप में हुई है। बताया गया है कि मोटरसाइकिल पर आए दो बदमाशों ने उन्हें गोली मारी है। डीसीपी शाहदरा, प्रशांत गौतम के मुताबिक, क्राइम टीम को मौके पर बुलाया गया है। आगे की जांच जारी है। वारदात के बाद दिल्ली सरकार ने कानून व्यवस्था के मुद्दे पर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। बदमाशों ने सुनील जैन पर उस वक्त फायरिंग की जब वह फर्श बाजार के यमुना स्पोर्ट कॉम्प्लेक्स में शनिवार सुबह सैर के बाद घर लौट रहे थे। मृत कारोबारी कृष्णा नगर में रहते थे। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शनिवार सुबह पुलिस को यमुना स्पोर्ट कॉम्प्लेक्स के पास एक शख्स को गोली मारने की जानकारी मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल सुनील जैन को पास के अस्पताल में लेकर गई, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। दिल्ली सरकार में मंत्री और आप नेता सौरभ भारद्वाज ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा है कि क्राइम कैपिटल- शाहदरा जिले में सुबह ही गोलियों की आवाज गूंज उठी जब बर्तन व्यापारी संजय जैन मॉर्निंग वॉक करके अपनी स्कूटी से घर की तरफ लौट रहे थे तभी बदमाशों ने रोक कर उन पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दी। बताया जा रहा है कि 6 से 7 राउंड फायर चले और सभी गोलियां संजय जैन को लगी है। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सौरभ भारद्वाज के एक्स पोस्ट को रिपोस्ट करते हुए लिखा है अमित शाह जी ने दिल्ली को बर्बाद कर दिया।

सुखबीर बादल पर हमले में पुलिस का हाथ: बिक्रम सिंह मजीठिया

सौरभ शर्मा

चंडीगढ़, 7 दिसंबर। अमृतसर में श्री हरिमंदिर साहिब में शिरोमणि अकाली दल के प्रमुख सुखबीर बादल पर हुए जानलेवा हमले मामले में चंडीगढ़ में अकाली दल की कोर कमेटी की बैठक हुई। कोर कमेटी की बैठक में शिअद ने नगर निगम चुनाव लड़ने का एलान किया है। इस पर अकाली दल जल्द ही अपने प्रत्याशियों की घोषणा के अलावा जमीनी स्तर पर प्रचार को लेकर रणनीति तैयार करेगा। शिअद के कार्यकारी अध्यक्ष बलविंदर सिंह भूंदड़ ने कहा कि कोर कमेटी ने सर्वसम्मति से नगर निगम चुनाव लड़ने का फैसला लिया है। वहीं, सुखबीर बादल पर हुए जानलेवा हमले पर भूंदड़, बिक्रम मजीठिया, डॉ. दलजीत सिंह चीमा ने मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व में आप सरकार को घेरा है। डॉ. चीमा ने कहा कि श्री हरिमंदिर साहिब में इतनी बड़ी वारदात को अंजाम दिए जाने के दो दिन बीत जाने के बाद भी सरकार के हाथ खाली हैं। मजीठिया ने हमले के दौरान ड्यूटी पर तैनात एसपी पर सवाल उठाते हुए पंजाब सरकार और पुलिस को घेरा है। मजीठिया ने कहा कि श्री हरिमंदिर साहिब के सीसीटीवी फुटेज में एसपी हरपाल सिंह तीन और चार दिसंबर को आतंकी नारायण चौड़ा के लगातार संपर्क में था, लेकिन अमृतसर पुलिस कमिश्नर ने अब तक एसपी

हरपाल सिंह से पूछताछ नहीं की है। यहां तक कि मामले में डीजीपी पंजाब गौरव यादव तक चुप्पी साधे हुए हैं। डॉ. चीमा ने कहा कि वह सुखबीर पर हुए हमले के मामले में पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से मुलाकात कर इस केस की निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग करेंगे और सीएम भगवंत मान के इस्तीफे की मांग करेंगे। शिअद के कार्यकारी अध्यक्ष बलविंदर सिंह भूंदड़ ने कहा कि श्री गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की बैठक 9 दिसंबर को अमृतसर में होगी। अमृतसर में एसजीपीसी प्रधान हरजिंदर सिंह धामी ने इस मामले में जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह से मुलाकात की है। दोनों के बीच करीब एक घंटे तक बातचीत हुई। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की 9 दिसंबर को अमृतसर की बैठक में श्री अकाल तख्त साहिब द्वारा 6 महीने के अंदर शिरोमणि अकाली दल की नई कमेटी गठित किए जाने और सुखबीर के इस्तीफे पर फैसले को लेकर चर्चा होगी। मीडिया से बातचीत में पार्टी के वरिष्ठ नेता बिक्रम सिंह मजीठिया ने कहा कि पंजाब पुलिस जांच के नाम पर केवल दिखावा कर रही है। मजीठिया और डॉ. दलजीत सिंह चीमा ने कहा कि पुलिस अधीक्षक हरपाल रंधावा की भूमिका संदिग्ध है। ऐसा लगता है कि आम आदमी पाटी सरकार ने अपराधी को सुखबीर बादल तक पहुंचने में सहायता की और एसपी हरपाल रंधावा ने इस संबंध में ब?ी भूमिका निभाई है।

अपने बयान से पलटे कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार

बंगलूरू, 7 दिसंबर। कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने शनिवार को अपने बयान पर यूटर्न लिया। उन्होंने कहा कि पार्टी में किसी को भी उनके और मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के बीच सत्ता साझेदारी को लेकर किसी भी तरह के समझौते के बारे में बात नहीं करनी चाहिए। सत्ता साझाकरण को लेकर कोई समझौता नहीं हुआ है। हम बस आपसी राजनीतिक समझ के साथ काम कर रहे हैं। राज्य के डिप्टी सीएम और राज्य कांग्रेस प्रमुख डीके शिवकुमार ने पिछले दिनों एक कार्यक्रम में कहा था कि सत्ता में आने से पहले उनके और सीएम सिद्धारमैया के बीच एक समझौता हुआ था। इसके जवाब में सीएम सिद्धारमैया ने कहा था कि ऐसा कोई समझौता नहीं था और वह आलाकमान के फैसले का पालन करेंगे। इस मामले में डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने कहा कि किसी को भी किसी समझौते के बारे में बात नहीं करनी चाहिए। कोई सत्ता-साझाकरण जैसा ऐसा कुछ नहीं है। हम दोनों राजनीतिक समझ के साथ काम कर रहे हैं। मैंने कभी किसी फॉर्मूले के बारे में बात नहीं की, ऐसा कुछ भी नहीं है। मुख्यमंत्री को कुछ जिम्मेदारी सौंपी गई है और मुझे भी कुछ जिम्मेदारी सौंपी गई है। मैं उसी के अनुसार काम कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि मैं पहले ही कह चुका हूं कि सीएम ने जो भी कहा है, वह अंतिम है और यह मामला अब बंद हो चुका है या खत्म हो चुका है। मुख्यमंत्री जो भी कहेंगे वह अंतिम होगा, इस पर कोई आपत्ति नहीं है। मामले में कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि हाईकमान ही निर्णय लेगा और सभी उसका पालन करेंगे। सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच मुख्यमंत्री पद को लेकर विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद काफी प्रतिस्पर्धा थी। कांग्रेस ने शिवकुमार समझा-बुझाकर उपमुख्यमंत्री बनाया। इस दौरान खबरें आई थीं कि दोनों के बीच रोटेशन मुख्यमंत्री फॉर्मूला पर समझौता हुआ है, जिसमें दो साल शिवकुमार भी मुख्यमंत्री रहेंगे। हालांकि पार्टी ने इसकी आधिकारिक रूप से पुष्टि नहीं की थी। शिवकुमार ने मुख्यमंत्री बनने की अपनी इच्छा को कभी छिपाया नहीं है।

क्या ममता संभालेंगी इंडिया गठबंधन की कमान

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 7 दिसंबर। विपक्षी गठबंधन इंडिया में फिलहाल सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। ये तब सामने आया जब विपक्षी गठबंधन की वरिष्ठ नेता और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को एक बड़ा बयान दिया। उन्होंने विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन के कामकाज पर असंतोष व्यक्त किया और मौका मिलने पर इसकी कमान संभालने के अपने इरादे जताए। ममता बनर्जी के बयान के बाद बंगाल से लेकर दिल्ली तक सियासी बयानबाजी शुरू हो गई है। एक ओर जहां उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना उनसे वार्ता की बात कह रही है। वहीं, कांग्रेस ने कहा कि वे सिर्फ मीडिया के एक सवाल का जवाब दे रही थीं। इसके अलावा, ह्रष्टक्क-स्ष्टक्क सांसद सुप्रिया सुले ने कहा कि अगर वे अधिक जिम्मेदारी लेना चाहें तो हम उनके साथ हैं। वहीं, कई राज्यों में सत्ता पर आसीन भाजपा ने ममता के बयान को आधार बनाकर कांग्रेस को आड़े हाथों लिया है। भगवा दल का कहना है कि राहुल को हम नहीं विपक्षी गठबंधन बालक बुद्धि कहता है। आइए जानते हैं कि किसने क्या कहा- पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी के भारत गठबंधन का नेतृत्व करने को इच्छुक वाले कथित बयान पर कांग्रेस नेता राजेश ठाकुर ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी ने सिर्फ मीडिया के एक सवाल का जवाब दिया। इसका मतलब यह नहीं है कि इस बारे में भारत गुट में बातचीत हुई थी। अगर वह इस बारे में

इंडिया ब्लॉक के नेताओं के साथ बात करती हैं तो वे मिलकर इसका समाधान ढूंढेंगे। तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख के बयान पर उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना के सांसद संजय राउत ने कहा, हम ममता बनर्जी की इस राय को जानते हैं। हम सब यह भी चाहते हैं कि वह इंडिया गठबंधन की एक प्रमुख भागीदार बनी रहें। चाहे ममता बनर्जी हों, अरविंद केजरीवाल हों या शिवसेना (यूबीटी), हम सब एक साथ हैं। हम जल्द ही कोलकाता में ममता बनर्जी से बात करने जाएंगे। वहीं, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बयान पर सपा नेता उदयवीर सिंह ने कहा कि वह एक वरिष्ठ नेता हैं, उनके पास बहुत अनुभव है। वह सक्षम हैं। हमारी पार्टी के उनके साथ संबंध अच्छे हैं और हमें उनके नेतृत्व पर भरोसा है। इंडिया ब्लॉक के नेताओं को मिलकर तय करना होगा कि क्या किया जाना चाहिए। अगर ऐसा कोई निर्णय लिया जाता है, तो हम इसका समर्थन करेंगे। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बयान पर ह्रष्टक्क-स्ष्टक्क सांसद सुप्रिया सुले ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी पूरी तरह से ढ्ढह्लष्ठढ्ढ गठबंधन का अभिन्न अंग हैं। वह भारत की सबसे बड़ी नेताओं में से एक हैं। एक जीवंत लोकतंत्र में विपक्ष की बड़ी भूमिका और जिम्मेदारी होती है इसलिए अगर वे अधिक जिम्मेदारी लेना चाहें तो हम उनके साथ हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बयान पर बिहार सरकार में मंत्री नितिन नबीन ने कहा कि ममता बनर्जी कभी भी ढ्ढह्लष्ठढ्ढ गठबंधन के साथ नहीं चली हैं। हमेशा उनके बीच में गतिरोध रहा है।

रिठाला-कुंडली मेट्रो कॉरिडोर पकड़ेगा रफ्तार

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 7 दिसंबर। दिल्ली मेट्रो की सबसे पुरानी रेड लाइन के विस्तार का रास्ता अब पूरी तरह से साफ हो चुका है। मेट्रो फेज-4 के छठे व आखिरी रिठाला-नरेला-कुंडली मेट्रो कॉरिडोर को केंद्र सरकार की तरफ से हरी झंडी दे दी गई। टेंडर आवंटित होने के बाद चार साल में निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाएगा। परियोजना पर 6,231 करोड़ रुपये खर्च होंगे। कॉरिडोर के बनने के बाद दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के लाखों यात्रियों को फायदा होगा। वहीं, नरेला सब-सिटी में आवाजाही भी आसान होगी। इससे इस इलाके के विकास को पंख लगेंगे। नरेला सब सिटी एजुकेशन हब के तौर पर विकसित होगा। इस रूट पर मेट्रो दौड़ाने का प्रोजेक्ट करीब 20 साल से लंबित था। इसे बनाने की योजना सबसे पहले फेज-एक में ही थी, लेकिन प्राथमिकता बदलने से इस दिशा में काम नहीं हो सका। बाद में फेज-4 योजना तैयार की गई थी। फेज-4 के तहत कुल छह कॉरिडोर का निर्माण कराना था। इसमें तीन प्रमुख कॉरिडोर जनकपुरी पश्चिम-आरके आश्रम, मजलिस पार्क-मौजपुर व तुगलकाबाद-एरोसिटी का निर्माण कार्य चल रहा है। उधर, मार्च में इस साल मार्च इंद्रलोक-इंद्रप्रस्थ व लाजपत नगर-साकेज जी ब्लॉक मेट्रो कॉरिडोर को केंद्र सरकार ने स्वीकृति दी थी। अब रिठाला-कुंडली कॉरिडोर को मंजूरी मिलने से फेज-चार के सभी कॉरिडोर के निर्माण में तेजी आएगी। पहले फेज में रिठाला से नरेला तक करीब 22 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर के निर्माण की योजना थी। इस प्रस्तावित कॉरिडोर के डीपीआर में कई बार बदलाव होने के बाद बीते वर्ष जुलाई में केंद्र सरकार ने कॉरिडोर को नरेला से पांच किलोमीटर आगे हरियाणा के नाथुपुर तक बढ़ाने का निर्देश दिया था। इसके मद्देनजर दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने नई डीपीआर तैयार किया है। इससे पहले रिठाला-कुंडली मेट्रो कॉरिडोर को दिल्ली सरकार ने मंजूरी दी थी। बताया जा रहा है कि दिल्ली विधानसभा चुनाव के बाद इस कॉरिडोर पर निर्माण कार्य शुरू करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। दिल्ली मेट्रो मौजूदा समय में इसी साल मार्च में मंजूरी की गई इंद्रलोक-इंद्रप्रस्थ व लाजपत नगर-साकेज जी ब्लॉक मेट्रो कॉरिडोर के निर्माण के लिए प्री टेंडरिंग प्रक्रिया में है। ऐसे में माना जा रहा है कि रिठाला-कुंडली मेट्रो कॉरिडोर पर अगले साल विधानसभा चुनाव के बाद निर्माण कार्य से जुड़ी प्रक्रिया शुरू की जाएगी। यह कॉरिडोर यूपी के गाजियाबाद, दिल्ली और हरियाणा के कुंडली के बीच निर्बाध कनेक्टिविटी सुनिश्चित करेगा। रिठाला-नरेला-कुंडली मेट्रो कॉरिडोर मौजूदा रेड लाइन के विस्तार के रूप में किया जा रहा है। यह लाइन यूपी के गाजियाबाद

के शहीदस्थल मेट्रो स्टेशन से शुरू होती है और मौजूदा आखिरी स्टेशन रिठाला तक आती है। यहां से इसे से आगे रोहिणी सेक्टर-25, 26, 31, 32, 36, बरवाला, रोहिणी सेक्टर-35,रोहिणी सेक्टर-34, बवाना औद्योगिक क्षेत्र सेक्टर-1,2, बवाना औद्योगिक क्षेत्र, सेक्टर-3,4, बवाना जेजे कॉलोनी, न्यू सनोठ, डिपो स्टेशन, भोरगढ़ गांव, अनाज मंडी नरेला, नरेला स्पोर्ट कॉम्प्लेक्स, नरेला, नरेला सेक्टर-5, कुंडली और नाथुपुरा तक जाएगी। रिठाला-कुंडली मेट्रो से नरेला-बवाना-अलीपुर के इलाकों की कनेक्टिविटी में सुधार होगा और विकास में भी तेजी आएगी। यह कॉरिडोर नरेला-बवाना सब-सिटी के विकास को गति प्रदान करेगा और रोहिणी सब-सिटी की काफी समय से लंबित आवश्यकताओं को भी पूरा करेगा। यहां पर कनेक्टिविटी के न होने से लोग रहने के लिए आवास नहीं खरीद रहे हैं। ऐसे में मेट्रो के आने से आवासीय परियोजनाओं को भी पंख लगेंगे। उपराज्यपाल वीके सक्सेना के दिशा-निर्देश में डीडीए, नरेला सब-सिटी को दिल्ली स्थित विश्वविद्यालयों के सात कैंपस और संस्थानों के साथ मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक पार्क, कॉरपोरेट ऑफिस, आईटी पार्क, एम्स और आईजीटीयूडब्ल्यू मेडिकल कैंपस के साथ एजूकेशन हब के रूप में विकसित किया जा रहा है। मेट्रो के इस कॉरिडोर के निर्माण से विकास की योजनाओं में तेजी आएगी। इस इलाके में पहले से ही दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, एनआईटी दिल्ली, नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ होम्योपैथी, राजा हरीश चंद्र अस्पताल, अनाज मंडी, स्मृति वन और दिल्ली विकास प्राधिकरण की कई परियोजनाएं भी हैं।

धर्म में राजनीति के घालमेल से हो रहा नुकसान: मौलाना तौकीर रजा

बरेली, 7 दिसंबर। इत्तेहाद-ए-मिल्लत कौंसिल (आईएमसी) प्रमुख मौलाना तौकीर रजा ने एक टीवी चैनल पर डिबेट के दौरान गायत्री मंत्र पढ़ा। उन्होंने कहा कि हिंदू अपनी पहचान और मुसलमान अपनी पहचान के साथ रहें। मौलाना ने श्लोक सुनाकर कहा कि आप गायत्री मंत्र पढ़ो, हनुमान चालीसा पाठ करो। हम आयतल कुर्सी पढ़े। कोई विवाद हो ही नहीं सकता। लेकिन राजनीति में धर्म आ गया है। नया हिंदुत्व सरकारी हिंदुत्व हो गया है। असली हिंदुत्व में जीव हत्या पाप है। सरकारी हिंदुत्व में मानव हत्या पुण्य का काम हो गया है। धर्म में राजनीति के घालमेल से बहुत नुकसान हुआ है। एक सवाल के जवाब में मौलाना ने कहा कि हमने कभी नहीं कहा कि मुसलमान खतरे में है। यह तो सरकार के मुखिया प्रधानमंत्री का कहना है कि एक रहोगे तो सेफ रहोगे। उन्हें इस बात को स्पष्ट करना चाहिए कि किसके खिलाफ़ एकता करनी है। मौलाना ने कहा कि राजनीति में धर्म कौन लेकर आया। कपड़ों से पहचान की बात कौन करता है। मौलाना ने कहा कि सही बात यह है कि इस वक्त हुकूमत ने मुसलमानों के खिलाफ एलान ए जंग किया हुआ है। हर वह काम जिससे मुसलमानों को तकलीफ़ हो, किया जा रहा है। ऐसे लोगों को खुली छूट मिली हुई है। रसूल ए आज़म की शान में गुस्ताखियां की जा रही हैं। किसी पर कार्रवाई नहीं होती। तौकीर रजा ने कहा कि सरकार किसी की रही हो, हमारे साथ हर दौर में नाइंसाफी हुई है। हम ही पीड़ित हुए और हमें ही कसूरवार बनाया गया। संभल में मस्जिद सर्वे पर मौलाना ने कहा कि अदालतों में तारीख पर तारीख पड़ती रहती है, फैसले जल्दी नहीं हो पाते। मस्जिद सर्वे पर सब कुछ एक दिन में होना और उससे बड़ी बात है कि सर्वे टीम के साथ पुलिस का मस्जिद पहुंच जाना। आखिर ऐसी क्या जल्दी थी कि हमें अदालत में अपना पक्ष रखने तक की मोहलत नहीं दी गई। बरेली में आईएमसी मीडिया प्रभारी मुनीर इदरीसी ने बताया कि मौलाना इन दिनों दिल्ली में है।

भारत की सहायता से म्यांमार में बदल रही लोगों की जिंदगी

एजेंसी

नाय पी ताव (म्यांमार)। म्यांमार के नाय पी ताव में कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया जिनसे नागरिक बुनियादी ढांचे में सुधार होगा और म्यांमार के लोगों की जीवन की गुणवत्ता बेहतर होगी। इन परियोजनाओं का काम भारत की 50 लाख डॉलर की वार्षिक अनुदान सहायता से पूरा किया गया है। म्यांमार में भारत के राजदूत अभय ठाकुर ने देश के केंद्रीय सामाजिक कल्याण, राहत और पुनर्वास मंत्री डॉ. सो विन और सीमा मामलों के मंत्री लेफ्टिनेंट जनरल तुन तुन नौंग के साथ मिलकर सीमा क्षेत्र विकास कार्यक्रम (बीएडीपी) और राखीन प्रांत विकास कार्यक्रम (आरएसडीपी) परियोजनाओं का उद्घाटन किया। म्यांमार में भारतीय दूतावास के अनुसार, उद्घाटन की गई परियोजनाएं चिन प्रांत और नागा स्व-प्रशासित क्षेत्र में स्थानीय लोगों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए महत्वपूर्ण नई सामाजिक और आर्थिक सुविधाएं प्रदान करेंगी, जो उनकी भलाई के लिए फायदेमंद होंगी। चिन प्रांत में 16 सड़कों और पुलों के साथ एक शिक्षा केंद्र का निर्माण पूरा होना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसी तरह, नागा स्व-प्रशासित क्षेत्र में 19 सड़कों और पुलों और दो शिक्षा केंद्रों का निर्माण सफलतापूर्वक पूरा किया गया है।

मास्को आग दुर्घटना में एक की मौत

मास्को। रूस की राजधानी मास्को के दक्षिणी-पश्चिमी क्षेत्र में एक बस में आग लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। रूस के आपातकालीन मंत्रालय के मास्को निदेशालय ने शनिवार को 'स्पूतनिक ' को बताया कि गोलुबिंस्काया स्ट्रीट पर करीब 25 वर्ग मीटर क्षेत्र में आग आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल कर्मी मौके पर पहुंचे और क़ड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। दमकल कर्मियों के घटनास्थल पर पहुंचने से पहले एक व्यक्ति की मौत हो गयी और एक अन्य घायल हो गया।

बुर्किना फासो के कार्यवाहक राष्ट्रपति ने सरकार भंग करने की घोषणा की

औगाडौगू। पश्चिम अफ्रीका में देश बुर्किना फासो के कार्यवाहक राष्ट्रपति इब्राहिम ट्रोरे ने देश की सरकार को भंग करने और प्रधानमंत्री को बर्खास्त करने का फैसला किया है। बुर्किनाबे समाचार पोर्टल लेफासो ने इस आदेश का हवाला देते हुए बताया कि इस्तीफा देने वाली सरकार तब तक काम करती रहेगी, जब तक कि नई सरकार नियुक्त नहीं हो जाती।

सीरियाः संघर्ष में तीन लाख 70 हजार लोग विस्थापित हुये

संयुक्त राष्ट्र । सीरिया के सशस्त्र बलों और हयात तहरीर अल-शाम आतंकवादी समूह के बीच जारी संघर्ष बढ़ने के बाद से करीब 3 लाख 70 हजार लोग अपने घरों से विस्थापित हुये हैं। संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय (ओसीएचए) ने शनिवार को यह जानकारी दी।संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने शुक्रवार को संवाददाताओं से कहा, ÷मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (ओसीएचए) ने आज कहा कि सीरिया में शत्रुता बढ़ने के बाद से करीब 3,70,000 पुरुष, महिलाएं और बच्चे विस्थापित हुये हैं। इनमें से एक लाख ऐसे लोग शामिल हैं, जो एक से अधिक बार अपने घर छोड़कर गए हैं।गौरतलब है कि सीरिया में 2011 से सशस्त्र संघर्ष जारी है। यहां हयात तहरीर अल-शाम आतंकवादी समूह (जिसे पहले नुसरा फ्रंट के नाम से जाना जाता था और यह रूस में प्रतिबंधित है) और कई अन्य सशस्त्र समूहों ने 29 नवंबर को सीरियाई सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर अभियान शुरू किया, जो इदलिब के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र के उत्तर से अलेप्पो और हमा शहरों की ओर बढ़ रहा है।सीरियाई रक्षा मंत्रालय ने पांच दिसंबर को कहा है कि आतंकवादियों के साथ भीषण लड़ाई के बाद सीरियाई सशस्त्र बल हमा शहर से हट गए।

इक्वाडोर में बस-कार की टक्कर से 16 लोगों की मौत

क्विटो । दक्षिणी इक्वाडोर में एक बस के कार से टकरा जाने से कम से कम 16 लोगों की मौत हो गयी और आठ अन्य घायल हो गए। प्रिमिसियास अखबार ने आपातकालीन सेवा के हवाले से अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी।रिपोर्ट के मुताबिक दुर्घटना लोजा और कैटामायो शहर को जोड़ने वाले राजमार्ग पर हुई , जहां कार से टक्कर होने के बाद बस पलट गयी। घायलों में से कुछ की हालत गंभीर है और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सीरियाई सेना ने होम्स प्रांत में कई आतंकवादियों को मार गिराया

दमिश्क। रूसी और सीरियाई लड़ाकू विमानों के समर्थन से सीरियाई सशस्त्र बलों ने होम्स प्रांत के उत्तरी क्षेत्र में कई आतंकवादी को मार गिराया है। सीरियाई रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में कहा,हमारे सशस्त्र बलों ने होम्स प्रांत के उत्तरी क्षेत्र में एक सफल अभियान चलाया। इस दौरान, सीरियाई और रूसी लड़ाकू विमानों और तोपखाने की मदद से सीरियाई सशस्त्र बलों के संयुक्त प्रयास से कई आतंकवादियों को मार गिराया ।

लॉर्ड रमी रेंजर ब्रिटिश राजघराने का सम्मान छीने जाने को देंगे चुनौती

एजेंसी

लंदन। ब्रिटेन की एफएमसीजी कंपनी सन मार्क लिमिटेड के संस्थापक और कंजर्वेटिव रमिंदर सिंह रेंजर से ब्रिटिश राजघराने के सम्मान 'कमांडर ऑफ द ब्रिटिश एंपायर' (सीबीई) को वापस ले लिया गया। ब्रिटिश मंत्रिमंडल कार्यालय की जब्ती समिति की सिफारिश पर यह अप्रत्याशित कदम उठाया गया है। रमिंदर सिंह दुनिया में लॉर्ड रमी रेंजर के नाम से मशहूर हैं। वो ब्रिटिश संसद के उच्च सदन हाउस ऑफ लॉर्ड्स के भारतीय मूल के सदस्य हैं। ब्रिटिश मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, जब्ती समिति ने लॉर्ड्स स्टैंडर्ड्स वॉचडॉग की एक रिपोर्ट के बाद यह सिफारिश की। लॉर्ड्स स्टैंडर्ड्स वॉचडॉग की रिपोर्ट में कहा गया कि उन्होंने सम्मान प्रणाली को बदनाम किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पत्रकार को धमकाया और परेशान किया। बीबीसी का मानना ??है कि यह सिफारिश लॉर्ड रेंजर के सोशल मीडिया पोस्ट में सिख

समुदाय और पाकिस्तान के लोगों के बारे में की गई टिप्पणियों पर विचार के बाद की गई। लॉर्ड रेंजर ने कहा कि सम्मान छीने जाने से वह हताश हैं और अन्यायपूर्ण फैसले को चुनौती देने के लिए विभिन्न कानूनी रास्ते तलाशेंगे। लंदन गजट में प्रकाशित एक नोटिस में कहा गया कि राजा ने निर्देश दिया है कि लॉर्ड रेंजर का सम्मान निरस्त और रद्द किया जाना चाहिए। कुछ अन्य रिपोर्ट्स में कहा गया कि रमिंदर सिंह रेंजर को दिया गया सम्मान ब्रिटिश राजघराने के प्रमुख किंग चार्ल्स तृतीय ने रद्द कर दिया। ब्रिटिश मंत्रिमंडल कार्यालय की जब्ती समिति ने अपनी सिफारिश के पीछे के कारणों को स्पष्ट नहीं किया है, लेकिन यह कदम पिछले साल लॉर्ड्स की जांच के बाद उठाया गया। लॉर्ड रेंजर को 31 दिसंबर, 2015 को कमांडर ऑफ द सिविल डिविजन ऑफ द मोस्ट एक्सीलेंट ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एंपायर के रूप में नियुक्ति दी गई थी। इस घटनाक्रम के बाद लॉर्ड रमी रेंजर का आधिकारिक बयान सामने आया है। इसमें कहा गया, आज मुझसे ब्रिटिश राजघराने से मिला सम्मान वापस ले लिया गया, क्योंकि मैंने भारत को तोड़ने का इरादा रखने वाले खालिस्तान समर्थकों का विरोध किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि बीबीसी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ एक-दो एपिसोड की डॉक्यूमेंट्री बनाई है, जिसमें यह इशारा किया गया है कि 20 वर्ष पहले प्रधानमंत्री मोदी गुजरात दंगों में शामिल थे, जबकि भारत की शीर्ष अदालत उन्हें इस मामले में बरी कर चुकी है।

ईरान ने सीरिया से बोरिया-बिस्तर बांधा, दूतावास खाली, कमांडर बुलाए

एजेंसी

दमिश्क। सीरिया में विद्रोहियों की मजबूत पकड़ ने ईरान के होश उड़ा दिए हैं। उसने सीरिया से अपने सैन्य अधिकारियों और दूतावास कर्मियों को सुरक्षित निकालना शुरू कर दिया है। ईरान लगभग 13 साल से सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल-असद की हर तरह से मदद कर रहा है। ईरान के इस अप्रत्याशित कदम ने राष्ट्रपति असद की चिंता बढ़ा दी है। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, ईरान ने सीरिया से अपने सैन्य अधिकारियों, जवानों और दूतावास के कर्मियों को निकालना शुरू कर दिया। इनमें ईरान की शक्तिशाली कुद्स फोर्सेज के शीर्ष कमांडर शामिल हैं। यह फोर्सेज रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स की बाहरी शाखा है। यह सब राष्ट्रपति बशर अल-असद को सत्ता में बनाए रखने में मदद कर रहे थे। महत्वपूर्ण यह है कि ईरान ने लेबनान में हिजबुल्लाह को हथियारों की आपूर्ति के लिए सीरिया को एक प्रमुख मार्ग के रूप में इस्तेमाल किया है।अधिकारियों के अनुसार, ईरानियों ने शुक्रवार सुबह सीरिया छोड़ना शुरू कर दिया। ईरानी और क्षेत्रीय अधिकारियों ने कहा कि दमिश्क में ईरानी दूतावास और रिवोल्यूशनरी

गार्ड्स के ठिकानों को खाली करने का आदेश दिया गया है। दूतावास के कुछ कर्मचारी तो तत्काल ईरान के लिए रवाना हो गए। ईरान ने इनमें से कुछ के लिए विमानों और कुछ के लिए सड़क मार्ग की व्यवस्था की है। इनकों कारों से लेबनान, इराक और सीरिया के लताकिया बंदरगाह भेजा जा रहा है।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति येओल ने महाभियोग पर मतदान से ठीक पहले मार्शल लॉ घोषणा के लिए देशवासियों से माफी मांगी

एजेंसी

सियोल। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक येओल ने पिछले दिनों की गई अपनी मार्शल लॉ की घोषणा के लिए जनता से हाथ जोड़कर माफी मांग ली है। हालांकि उन्होंने इस्तीफे की पेशकश नहीं की। यून को आज नेशनल असेंबली के पूर्ण सत्र में विपक्ष के महाभियोग प्रस्ताव का सामना करना है। सत्तारूढ़ दल पहले ही राष्ट्रपति येओल का साथ न देने की घोषणा कर चुका है। द कोरिया टाइम्स समाचार पत्र के अनुसार, राष्ट्रपति यून सुक येओल ने आज सुबह 10 बजे (दक्षिण कोरिया के समयानुसार) अपने कार्यालय से राष्ट्र को टेलीविजन पर संबोधित किया। उन्होंने कहा कि वह अपनी राजनीतिक और संवैधानिक जिम्मेदारी से नहीं बचेंगे। न ही बचना चाहते हैं। वह सब कुछ सत्तारूढ़ दल को सौंप देंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि वह देश से ईमानदारी से माफी मांग रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह आश्वस्त कर रहे हैं कि अब कभी भी दूसरा मार्शल लॉ नहीं होगा। वह अपना सब कुछ सत्तारूढ़ पीपुल्स पावर पार्टी (पीपीपी) को सौंप देंगे। येओल ने कहा कि देश में राजनीतिक स्थिरता जरूरी है। पीपीपी देश को स्थिरता देगी। पीपीपी और सरकार संयुक्त रूप से इस जिम्मेदारी का निर्वहन करेंगे। राष्ट्रपति यून सुक येओल ने (सिर झुकाते हुए) कहा, 'मैं इस स्थिति के लिए जनता से माफी मांगता हूं।' उन्होंने जनता को नमन करते हुए अपना संबोधन समाप्त किया।

बांग्लादेश में यूनियन काउंसिल में वर्चस्व की जंग में दो लोगों की हत्या

एजेंसी

ढाका। मध्य बांग्लादेश के नरसिंगडी जिला में यूनियन काउंसिल की वर्चस्व की जंग में दो लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने दोहरे हत्याकांड की पुष्टि की है। उसका कहना है कि यह वारदात नरसिंगडी जिला के रायपुरा उपजिला में हुई है। बीडीन्यूज24डॉटकॉम के अनुसार रायपुरा में आज सुबह दो गुटों के सत्ता संघर्ष में एक यूनियन काउंसिल सदस्य और एक महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस गोलीबारी में कम से कम 10 अन्य लोग घायल हो गए। रायपुरा पुलिस स्टेशन के प्रभारी अब्दुल जब्बार के अनुसार आज सुबह यह वारदात उपजिला के मेथिकांडा-

नजरपुर इलाके में हुई। मृतकों की पहचान चंद्रकांडी यूनियन काउंसिल के वार्ड नंबर आठ के सदस्य 55 वर्षीय माणिक मिया और 32 वर्षीय कल्पोना बेगम के रूप में की गई है। पुलिस ने स्थानीय लोगों का हवाला देते हुए कहा कि रायपुरा जुबो लीग के नेता आबिद हसन रूबेल और नगर पालिका अवामी लीग के उपाध्यक्ष हारुन या रशीद के समर्थक लंबे समय से इलाके में सत्ता संघर्ष में उलझे हुए हैं। यह वारदात इसी सत्ता संघर्ष का नतीजा है। मारे गए माणिक मिया, रूबेल के चाचा हैं और जान गंवाने वाली महिला उनकी समर्थक है। हारुन के समर्थकों ने माणिक को वार्ड नंबर 9 से यूनियन काउंसिल सदस्य बशीरुद्दीन के घर के आंगन में गोली मारी।

बांग्लादेश के सुनामगंज में हिंदुओं के घरों, दुकानों और मंदिरों पर हमला

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में सनातन जागरण मंच के प्रवक्ता और इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्ण कॉन्शियसनेस (इस्कॉन) के संत चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की गिरफ्तारी के बाद चुन-चुनकर हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है। दुनियाभर में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर जुल्म-ओ-सितम की तीखी आलोचना हो रही है। इस सबके बीच सुनामगंज में चिंताजनक घटना सामने आई है। यहां फेसबुक पोस्ट के बाद हिंदुओं के घरों और मंदिरों पर हमले के बाद तनाव बढ़ गया है।ढाका ट्रिब्यून समाचार पत्र के अनुसार, 21 वर्षीय हिंदू युवक आकाश दास की फेसबुक पोस्ट पर जारी एक तस्वीर से दूसरे समुदाय के लोग भड़क गए। नफरत की आंधी ने मंगलवार रात सुनामगंज के दोवाराबाजार उपजिला के सुदूरवर्ती गांव मंगलारगांव में कोहराम मचाया। हिंदुओं के घरों, दुकानों और मंदिरों पर जमकर तोड़फोड़ की गई। दोवाराबाजार पुलिस स्टेशन के प्रभारी जाहिदुल हक ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने कहा कि भीड़ के गुस्से को देखते हुए आकाश को हिरासत में ले लिया गया। स्थानीय नेताओं और धार्मिक प्रतिनिधियों के समर्थन से सेना के जवानों के हस्तक्षेप के बाद स्थिति को नियंत्रण में लाया गया।उपद्रवियों ने मंगलारगांव के लोकनाथ मंदिर को भी नहीं छोड़ा। मंगलारगांव से सुनामगंज पहुंचे लोकनाथ मंदिर प्रबंध कमेटी के महासचिव खोकन रॉय के अनुसार, भीड़ ने लोकनाथ मंदिर पर भी हमला किया। इस दौरान 15 लाख रुपये से अधिक का कीमती सामान चोरी हो गया। उन्होंने दावा किया कि लगभग 100 घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। सोने के आभूषणों की दुकानों और हिंदू स्वामित्व वाली दुकानों में लूटपाट की गई। हालांकि पुलिस ने लूटपाट की घटनाओं से इनकार किया है। सब-इंस्पेक्टर अराफात इब्ने शफीउल्लाह ने कहा कि हिरासत में लिए गए युवक आकाश के खिलाफ साइबर सुरक्षा अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उसे अदालत में पेश किया गया। जमानत न मिलने पर उसे जेल भेज दिया गया। गांव में पुलिस और सैन्यबलों को तैनात किया गया है। डिप्टी कमिश्नर एमडी इलियास मिया ने हमले के पीछे संभावित साजिश का संकेत दिया। अधिकारियों को संदेह है कि भीड़ को हिंदू संपत्तियों को निशाना बनाने के लिए उकसाया गया। क्षति का पैमाना बढ़ा-चढ़ाकर प्रचारित किया जा रहा है। इस बीच, बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद ने गुरुवार को कहा कि कम से कम 15 लाख रुपये की क्षति हुई है।

रात भर सीरिया-लेबनान बॉर्डर पर किया एयर स्ट्राइक, हिजबुल्लाह की यूनिट 4400 तबाह करना उद्देश्य: इजरायल

एजेंसी

यरूशलम । इजरायली वायु सेना ने सीरिया-लेबनानी सीमा के पास 0हथियार तस्करी मार्गों' और सैन्य बुनियादी ढांचे पर रात भर हवाई हमले किए, इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने एक बयान में इस बात की पुष्टि की। समाचार एजेंसी ने रिपोर्ट की कि आईडीएफ के अनुसार, इन मार्गों का उपयोग हिजबुल्लाह द्वारा हथियारों के ट्रांसपोर्ट के लिए किया जाता था। बयान में कहा गया, यह हमला आईडीएफ द्वारा हाल के हफ्तों में सीरियाई-लेबनानी सीमा पर सीरियाई शासन द्वारा संचालित हथियार-तस्करी मार्गों को नष्ट करने के चल रहे प्रयासों का हिस्सा है। आईडीएफ ने कहा, हमलों का उद्देश्य हिजबुल्लाह की यूनिट 4400 को कमजोर करना था, जो इजरायली नागरिकों और सैनिकों के खिलाफ 'आतंकवादी हमलों' के लिए इस्तेमाल किया गया था।बयान में कहा गया, आईडीएफ हिजबुल्लाह को फिर से हथियार बनाने या अपनी क्षमताओं को दोबारा निर्माण करने की अनुमति नहीं देगा। इजरायल ने हाल

के वर्षों में सीरिया में कई हवाई हमले किए हैं, जिसमें उसने दावा किया है कि हथियार डिपो, परिवहन वाहन और ईरान और हिजबुल्लाह समेत सहयोगी समूहों से जुड़ी सुविधाएं हैं। इन अभियानों की अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने आलोचना की है।गुरुवार को, हिजबुल्लाह नेता नईम कासिम ने कहा कि उनका समूह विद्रोही हमलों के बीच सीरियाई सरकार का समर्थन करना जारी रखेगा। कासिम ने अमेरिका और इजरायल पर गाजा में अपनी विफलताओं÷ के जवाब में सीरिया में हालात बिगाड़ने का आरोप लगाया। कासिम ने दावा किया कि आतंकवादी गुट इजरायल के हितों को ध्यान में रखकर काम कर रहे हैं। इससे पहले लेबनान की समाचार वेबसाइट एलनाश्रा ने गुरुवार शाम को बताया था कि साउथ लेबनान के एक सीमावर्ती गांव को निशाना बनाकर इजरायल ने हवाई हमले किए थे जिसमें पांच लोग घायल हो गए थे।

कोरिया मार्शल लॉ विवादः यून को राष्ट्रपति पद से हटाने की मांग, सोल में विशाल रैली आयोजित

एजेंसी

सोल । मार्शल लॉ संकट के चलते राष्ट्रपति यून सूक योल, जहां राजनीतिक दलों के निशाने पर हैं वहीं जनता भी उनके खिलाफ सड़कों पर प्रदर्शन कर रही है। उन्हें पद से हटाने की मांग को लेकर पश्चिमी सोल में शनिवार को प्रदर्शनकारियों की भारी भीड़ इक्ट्ठा हुई। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, यह बड़ी रैली योइदो में हुई, जहां नेशनल असेंबली स्थित है। शनिवार को यून के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पर मतदान होना है।

यून ने मंगलवार रात एक अचानक इमरजेंसी मार्शल लॉ लगाने की घोषणा की थी, लेकिन कुछ घंटों बाद इसे हटा लिया क्योंकि विपक्ष द्वारा नियंत्रित संसद ने इसे अस्वीकार करने के लिए मतदान किया। राष्ट्रपति ने शनिवार को मतदान से पहले सार्वजनिक रूप से माफी मांगी और वादा किया कि वह फिर से मार्शल लॉ का आदेश नहीं देंगे। हालांकि

इससे उनके विरोधी शांत नहीं हुए हैं। देश के सबसे बड़े श्रमिक संघों में से एक, कोरियन कन्फेडरेशन ऑफ ट्रेड यूनियन्स (केसीटीयू) ने रैली में भाग लिया। केसीटीयू ने एक बयान में कहा, माफी मांगने से देशद्रोह को नहीं छिपाया जा सकता है। इसमें यून के खिलाफ तत्काल महाभियोग चलाने और गिरफ्तारी की मांग की गई। एक अन्य प्रमुख यूनियन, फेडरेशन ऑफ कोरियन ट्रेड यूनियंस ने भी राष्ट्रपति की निंदा की और कहा कि माफी मांगने का उद्देश्य महाभियोग प्रस्ताव को पारित होने से रोकना है। देश भर के विभिन्न नागरिक समूहों के सदस्य, जिनमें ग्वांगजू, डेजॉन और बुसान के लोग भी शामिल हैं, रैली में भाग लेने के लिए बसों से सोल पहुंचे। अधिकारियों के अनुसार, यून के मार्शल लॉ की घोषणा के विरोध में नेशनल असेंबली के पास आत्मदाह करने की कोशिश करने वाले 50 वर्षीय एक व्यक्ति को पुलिस ने हिरासत में ले लिया।कानूनी समुदाय से भी यून के खिलाफ महाभियोग की मांग उठी।कोरियाई बार एसोसिएशन ने यून के सार्वजनिक संबोधन के तुरंत बाद एक बयान जारी किया, जिसमें महाभियोग समर्थन जतायागया। इसमें कहा गया, हम मार्शल लॉ की असंवैधानिक घोषणा के माध्यम से संवैधानिक व्यवस्था को बाधित करने के लिए राष्ट्रपति के महाभियोग से सहमत हैं।

यूक्रेन के शहरों पर रूसी हमलों में 12 की मौत, कई घायल

एजेंसी

कीव । यूक्रेन पर हुए रूसी हमलों में लगभग 12 लोगों की मौत हो गई। वहीं, 39 लोग घायल हो गए। राज्य आपातकालीन सेवा ने बताया कि दक्षिणी शहर जापोरीज्जिया में हवाई बमों के हमले में दस लोगों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। वहीं, एक कार सर्विस स्टेशन में भी आग लग गई। समाचार एजेंसी के अनुसार, आग 250 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैल गई थी। हालांकि, आग पर तो काबू पा लिया गया। लेकिन, आग की वजह से छह वाहनों को नुकसान पहुंचा। शहर की रक्षा परिषद के प्रमुख ओलेक्सांद्र विलकुल ने बताया है कि मध्य यूक्रेन के क्रिवी रीह शहर में एक बैलिस्टिक मिसाइल एक प्रशासनिक भवन पर गिरी, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई और 19 अन्य घायल हो गए।उन्होंने बताया है कि हमले में छह अपार्टमेंट की इमारतें, पांच निजी घर और कई वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए। 11 नवंबर को भी दक्षिणी यूक्रेन के

माइकोलाइव और जापोरीज्जिया शहरों में रूसी हमलों में छह लोगों की मौत हो गई थी और 23 अन्य घायल हो गए थे।

माइकोलाइव के गवर्नर विटाली किम ने टेलीग्राम पोस्ट के जरिए जानकारी दी थी। उन्होंने बताया था कि रूसी सेना ने स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 1:50 बजे शाहेद-131 और शाहेद-136 ड्रोनों से माइकोलायिव पर हमला किया था। हमले में पांच लोगों की मौत हो गई थी। वहीं, जापोरिज्जिया में तीन हवाई हमलों में 71 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और 22 लोग घायल हो गए थे। कीव सिटी मिलिट्री एडमिनिस्ट्रेशन ने बताया था कि यूक्रेन की राजधानी पर भी रात भर ड्रोन हमले हुए थे।

बुल्गारिया में प्रवासी तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़

सोफिया । बुल्गारिया के अधिकारियों ने एशिया और उत्तरी अफ्रीका से पश्चिमी यूरोप में अवैध प्रवासियों की तस्करी में शामिल एक संगठित अपराध समूह का भंडाफोड़ किया है। गिरोह का भंडाफोड़ करने के साथ-साथ उन्होंने पांच संदिग्धों को गिरफ्तार किया। यह अभियान मंगलवार को सोफिया में चलाया गया, जिसमें तीन सीरियाई नागरिकों को गिरफ्तार किया गया। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, समूह के दो अन्य सदस्यों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। वे दोनों भी सीरियाई नागरिक हैं।

दो ब्रिटिश भारतीयों से किंग चार्ल्स तृतीय ने वापस लिए सम्मान

एजेंसी

लंदन। ब्रिटिश भारतीय समुदाय की दो प्रमुख हस्तियों - रामी रेंजर और हिंदू काउंसिल यूके के मैनेजिंग ट्रस्टी अनिल भनोट - को मिले सम्मान किंग चार्ल्स तृतीय ने वापस ले लिए हैं।

किंग ने करोड़पति रेंजर से सीबीई (कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर) की उपाधि और लीसेस्टर में सामुदायिक कला केंद्र चलाने वाले एक प्रैक्टिसिंग अकाउंटेंट भनोट से ओबीई (ऑफिसर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर) की उपाधि छीन ली। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक लंदन गजट में यह घोषणा की गई। दोनों से अपना प्रतीक चिन्ह बकिंघम पैलेस को लौटाने के लिए कहा जाएगा।एक जब्ती समिति उन मामलों पर विचार करती है जिनमें सम्मान धारक को सम्मान प्रणाली को बदनाम करने वाला माना जा सकता है। जब्ती संबंधी समिति की सिफारिशें ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर के माध्यम से राजा को सौंपी गईं।रेंजर और भनोट ने इस कदम की निंदा करते हुए इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला बताया।सामुदायिक सामंजस्य के लिए ओबीई सम्मान पाने वाले भनोट ने कहा कि जनवरी में जब्ती कमेटी ने उनसे संपर्क किया था और उन्होंने अपना पक्ष रखा था। उन्होंने कहा, ÷मुझे लगा कि यह ठीक रहेगा, लेकिन जाहिर तौर पर ऐसा नहीं हुआ। रिपोर्ट के मुताबिक भनोट ने जानकारी दी कि इस्लामोफोबिया का आरोप लगाने वाली शिकायत, 2021 में बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा के बारे में उनके ट्वीट्स के बारे में थी। एक वेबसाइट ने इन ट्वीट्स के बारे में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान और चैरिटी कमीशन से शिकायत की थी और दोनों ने ही उन्हें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के आधार पर बरी कर दिया। भनोट ने बताया कि उन्हें नहीं पता कि जब्ती समिति से किसने शिकायत की। उन्होंने इस बात से इनकार किया कि उसने इस्लामोफोबिक कुछ भी कहा था। भनोट ने कहा, उस समय हमारे मंदिरों को नष्ट किया जा रहा था और हिंदुओं पर हमला किया जा रहा था लेकिन मीडिया इसका कवरेज नहीं कर रहा था। मुझे उन लोगों के लिए सहानुभूति महसूस हुई। मुझे लगा कि किसी को कुछ कहना चाहिए। यह वैसा ही था जैसा कि अब हो रहा है, लेकिन छोटे पैमाने पर। मैं संवाद और विधायी उपायों की मांग कर रहा था। मैंने कुछ भी गलत नहीं किया और न ही मैंने सम्मान प्रणाली को बदनाम नहीं किया। इंग्लैंड में अब अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता अतीत की बात हो गई है। मैं इससे काफी परेशान हूं। क्योंकि यह एक सम्मान है, मुझे नहीं लगता कि उन्होंने मेरी दलील पर बिल्कुल भी ध्यान दिया। कंजर्वेटिव पार्टी के समर्थक और ब्रिटेन स्थित एफएमसीजी फर्म सन मार्क लिमिटेड के संस्थापक, लॉर्ड रामी रेंजर के प्रवक्ता ने फैसले को अन्यायपूर्ण बताया और कहा कि रेंजर इसे चुनौती देंगे।रेंजर को दिसंबर 2015 की नए साल की सम्मान सूची में दिवंगत महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की ओर से ब्रिटिश व्यापार और एशियाई समुदाय के लिए की गई सेवाओं के लिए सीबीई से सम्मानित किया गया था। हालांकि यूके कैबिनेट कार्यालय की जब्ती समिति ऐसी सिफारिशों के पीछे अपने कारणों को स्पष्ट नहीं करती है।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

मेट्रो रिठाला-नरेला-नाथूपुर (कुंडली) कॉरिडोर को मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने दिल्ली मेट्रो के चरण-IV परियोजना के 26.463 किलोमीटर लंबे रिठाला-नरेला-नाथूपुर (कुंडली) कॉरिडोर को मंजूरी दे दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आज मेट्रो चरण 4 से जुड़ी परियोजना को मंजूरी दी। केंद्रीय मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी देते हुए अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इससे राष्ट्रीय राजधानी और पड़ोसी राज्य हरियाणा के बीच संपर्क में और सुधार होगा। इस कॉरिडोर को मंजूरी मिलने की तारीख से 4 साल में पूरा किया जाना है। उन्होंने बताया कि परियोजना की पूर्ण लागत 6,230 करोड़ रुपये है और इसे दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (डीएमआरसी) द्वारा भारत सरकार (जीओआई) और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (जीएनसीटीडी) के मौजूदा 50-50 विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) के तहत चार साल में क्रियान्वित किया जाना है। यह लाइन वर्तमान में परिचालित शहीद स्थल (नया बस अड्डा)-रिठाला (रेड लाइन) कॉरिडोर का विस्तार होगी और इससे राष्ट्रीय राजधानी के उत्तर पश्चिमी हिस्सों जैसे नरेला, बवाना, रोहिणी के कुछ हिस्सों आदि में संपर्क में सुधार होगा। इस पूरे खंड में 21 स्टेशन होंगे। इस कॉरिडोर के सभी स्टेशन एलिवेटेड होंगे।

भारत ने पश्चिमी अफ्रीकी देश गिनी में फुटबॉल मैच के दौरान भगदड़ में हुई मौतों पर दुख जताया

नई दिल्ली। भारत ने गिनी के न्ज़ेरेकोरे में एक फुटबॉल टूर्नामेंट के दौरान हुई भगदड़ में 56 लोगों की मौत पर दुख और पीड़ा व्यक्त की है। विदेश मंत्रालय ने एक वक्तव्य में भारत सरकार और जनता की ओर से इस कठिन घड़ी में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों और गिनी के लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की है। वक्तव्य में कहा गया है, हम उनका दुख साझा करते हैं और प्रभावित समुदायों के साथ एकजुटता से खड़े हैं। हमारे विचार और प्रार्थनाएँ उनके साथ हैं और हम घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की आशा करते हैं। उल्लेखनीय है कि गत रविवार को गिनी के एक फुटबॉल स्टेडियम में मची भगदड़ में कम से कम 135 लोगों की मौत हो गई। यह हादसा लेबे और न्ज़ेरेकोरे की टीमों के बीच खेले जा रहे फाइनल मैच के दौरान हुआ।

विदेश सचिव 9 दिसंबर को जाएंगे बांग्लादेश

नई दिल्ली। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री 9 दिसंबर को बांग्लादेश जाएंगे। इस दौरान वे अपने समकक्ष और अन्य नेताओं एवं अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आज इसकी जानकारी दी। दूसरी ओर बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों खासकर हिन्दुओं के हालात और हिन्दू धर्माचार्यों की गिरफ्तारी के मुद्दे पर प्रवक्ता ने भारत के रुख को एक बार फिर दोहराया और कहा कि लोगों के कानूनी अधिकारों की रक्षा होनी चाहिए और उन्हें स्वतंत्र एवं निष्पक्ष ट्रायल मिलना चाहिए।

अंबेडकर कॉलेज में आयोजित बाबा साहब के महा परिनिर्वाण दिवस समारोह में शामिल हुए गोपाल राय

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार में कैबिनेट मंत्री गोपाल राय ने डॉ. भीमराव आंबेडकर कॉलेज में आयोजित बाबा साहब के महा परिनिर्वाण दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने डॉ. आंबेडकर के जीवन पर प्रकाश डाला और उनके जीवन संघर्षों से सभी को प्रेरणा लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि डॉ. आंबेडकर ने सामाजिक, आर्थिक व राजनैतिक परिस्थितियों से जूझते हुए भी भविष्य के भारत निर्माण का रास्ता बनाने के लिए संघर्ष किया। बाबा साहब का सिर्फ नाम लेने से कुछ नहीं होगा बल्कि उनके अधूरे सपनों को पूरा करने के लिए रिस्क भी उठाना पड़ेगा। देश को अगर आगे बढ़ाना है, तो सच बोलना पड़ेगा। डरकर जीने वाला दुनिया के इतिहास में कुछ नया नहीं कर सकता है। कैबिनेट मंत्री गोपाल राय ने कहा कि भारत की भूमि पर असंख्य गण्यमान्य हैं। हमारे पुरोधा, वेद से लेकर विज्ञान तक के जानकर, संस्कृति और सभ्यता के धरोहर के निर्माता असंख्य हैं। भारत की तमाम सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिस्थितियों से चौतरफा जूझते हुए और भविष्य के भारत के निर्माण का रास्ता बनाने का जिस तरह का संघर्ष, जद्दोजहद और आत्मबल बाबा साहब ने दिखाया, ऐसा उदाहरण भारत के इतिहास में कहीं नहीं मिलता है।

तीन मंजिला मकान में हुआ ब्लास्ट, छह घायल

नई दिल्ली। नरेला इलाके में सुबह एक मकान की दूसरी मंजिल पर एलपीजी सिलेंडर में ब्लास्ट हो गया। घटना में दंपति समेत छह लोग घायल हो गए। दमकलकर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। पुलिस घायलों के बयान पर मामला दर्ज कर जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक घायलों की पहचान विजय (28),पत्नी नीलम (26) भाई बॉबी (24) बेटा नितिश (16) पूजा (30)और रून्ना देवी (34)के रूप में हुई है। सभी लक्ष्मी नारायण मन्दिर, बवाना रोड, नरेला स्थित मकान की दूसरी मंजिल पर रहते हैं। विजय प्राइवेट नौकरी करता है। नरेला पुलिस को सुबह करीब सात बजे घर में ब्लास्ट होने के बाद आग लगने की पीसीआर कॉल मिली थी।

अष्टलक्ष्मी महोत्सव में देश और दुनिया देखेगी पूर्वोत्तर का सामर्थ्यः प्रधानमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत मंडपम में अष्टलक्ष्मी महोत्सव का उद्घाटन करते हुए कहा कि आज दिल्ली पूर्वोत्तरमय हो गई है। उन्होंने कहा कि तीन दिवसीय महोत्सव में देश और दुनिया को पूर्वोत्तर का सामर्थ्य देखने को मिलेगा। प्रधानमंत्री ने इस मौके पर महोत्सव को समर्पित एक डाक टिकट का भी विमोचन किया। पहली बार मनाया जा रहा तीन दिवसीय सांस्कृतिक उत्सव 8 दिसंबर तक चलेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पूर्वोत्तर में निवेश के लिए उत्साह है। बीते एक दशक में हमने पूर्वोत्तर रीजन के विकास में अद्भुत यात्रा देखी है लेकिन यहां तक पहुंचना सरल नहीं था। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर को भारत की विकास यात्रा से जोड़ने के लिए

हमने हर संभव कदम उठाये। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के दौरान नार्थईस्ट के विकास के लिए अलग मंत्रालय बनाया गया। बीते दशक के दौरान हमने पूर्वोत्तर के साथ दिल्ली और दिल के अंतर को कम करने की भी कोशिश की। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्रियों ने पिछले दशक में 700 से अधिक बार पूर्वोत्तर के राज्यों का दौरा किया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हम पूर्वोत्तर को भावना, अर्थव्यवस्था और पारिस्थितिकी की त्रिमूर्ति से जोड़ रहे हैं। मोदी ने कहा, पूर्वोत्तर के विकास के लिए 90 के दशक में बनाई गई नीति के बनने से लेकर 2014 तक जितना बजट पूर्वोत्तर को मिला, उससे कहीं अधिक हमने बीते 10 सालों में दिया है। पिछले एक दशक में सिर्फ़ एक योजना के तहत पूर्वोत्तर पर 5 लाख करोड़ रुपये से ज़्यादा खर्च किए गए हैं। यह पूर्वोत्तर के प्रति मौजूदा सरकार की प्राथमिकता को दर्शाता है। इस योजना के अलावा, हमने पूर्वोत्तर के लिए विशेष योजनाएं भी शुरू कीं। वोट बैंक की राजनीति को लेकर पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, लंबे समय तक हमने देखा है कि विकास को कैसे वोटों की संख्या से तोला गया। नॉर्थईस्ट के पास वोट कम थे, सीटें कम थीं, इसलिए पहले की सरकारों द्वारा वहां के विकास पर ध्यान नहीं दिया गया। प्रधानमंत्री ने अष्टलक्ष्मी महोत्सव को पूर्वोत्तर के बेहतर भविष्य का उत्सव बताया और कहा कि भारत में आने वाला समय पूर्वोत्तर का है।

लूटपाट के मामले में पांच गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। । रोहिणी जिले के प्रशांत विहार इलाके में बीते गुरुवार को दिनदहाड़े कंपनी कर्मचारी का गला दबाकर स्कूटी सवार बदमाशों ने साढ़े 22 लाख रुपये लूट लिये। पुलिस ने 12 घंटे के अंदर मामले को सुलझाते हुए पांच बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है। इनकी पहचान संजय सिसोदिया, रितिक, नवल, आफताब उर्फ नूरी और विकास के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से 19 लाख 27 हजार रुपये और वारदात में इस्तेमाल तीन बाइक बरामद की हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गुरुवार को प्रशांत विहार पुलिस को सेक्टर-14 में रवि कुमार शाह नामक युवक से साढ़े 22 लाख रुपये लूटने की पीसीआर कॉल मिली थी। एसीपी वीरेंद्र सिंह दलाल की देखरेख में इंस्पेक्टर सतेन्द्र सिंह खारी की पुलिस टीम को बदमाशों को पकड़ने का जिम्मा सौंपा गया।शुरुआती जांच में पता चला कि पीड़ित ब्लिंकिट व अन्य कंपनी के विभिन्न ऑनलाइन स्टोर से नकदी इकट्ठा करता है। सात स्टोर से नकदी लेकर वह बैंक में जमा कराने जा रहा था। उसी वक्त दो बाइकों पर आए बदमाशों ने उसको जबरन रोका, विरोध करने पर गला दबाकर जान से मारने की कोशिश की। लुटेरे स्कूटी में रखे साढ़े 22 लाख रुपये निकालकर फरार हो गए और पीड़ित को अधमरा स्थिति में फेंक गए थे। पुलिस टीम ने वारदात वाली जगह के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। मोबाइल फोन का डंप डाटा खंगाला, जिसमें पता चला कि आरोपितों को पीड़ित के बारे में पता था और आरोपितों को रूट की पूरी जानकारी थी। यह भी पता चला कि राजापुर गांव, सेक्टर-09, रोहिणी के कई लोग ब्लिंकिट, प्रशांत विहार में लॉग इन हैं। जांच करने पर आफताब को गिरफ्तार किया गया।

सीरिया और दक्षिण कोरिया के घटनाक्रम पर हमारी नजर: विदेश मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने सीरिया के उत्तरी शहरों में विरोधियों से संघर्ष और दक्षिण कोरिया में मार्शल लॉ लगाए जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि भारत स्थिति पर करीब से नजर बनाए हुए है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हमने उत्तरी सीरिया में संघर्ष बढ़ने के हालिया घटनाक्रम पर ध्यान दिया है।

हम स्थिति पर करीबी नजर बनाए हुए हैं। इस समय 90 भारतीय सीरिया में है और इसमें संयुक्त राष्ट्र संगठन में काम करने वाले भारतीय भी शामिल हैं। हमारा दूतावास उनके साथ करीबी संपर्क बनाए हुए है और उनकी सुरक्षा और बचाव के लिए काम कर रहा है। दक्षिण कोरिया पर प्रवक्ता ने कहा कि भारत के दक्षिण कोरिया के साथ मजबूत आर्थिक एवं राजनीतिक संबंध है। हालिया घटनाक्रम से वहां रह रहे भारतीयों और हमारे हितों पर प्रभाव पड़ सकता है। हम लगातार स्थिति पर करीब से नजर बनाए हुए हैं। हम उम्मीद करते

हैं कि हालात में जल्द ही सुधार होगा।

आतंकी मसूद अजहर पर ठोस कार्रवाई की मांग

विदेश मंत्रालय ने एक बार फिर पाकिस्तान से संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित आतंकी मसूद अजहर पर कार्रवाई करने की मांग की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता का यह बयान एक हालिया रिपोर्ट पर आया है, जिसमें मसूद अजहर के पाकिस्तान में ही होने की पुष्टि की गई है।

इस रिपोर्ट पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हम उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और उसको न्याय की श्रेणी में लाने की मांग करते हैं। पाकिस्तान अजहर के अपने यहां होने से इनकार करता आया है। अगर रिपोर्ट सही है तो इससे पाकिस्तान का दोहरा चरित्र सामने आता है। मसूद अजहर भारत में सीमा पार से होने वाले कई हमलों में शामिल रहा है।

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने गुरु तेग बहादर साहिब जी का शहीदी दिवस श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया

नई दिल्ली। इस मौके पर कमेटी के विभिन्न गुरुद्वारों में गुरमति दीवान आयोजित किए गए। मुख्य कार्यक्रम गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब परिसर में भाई लाखी शाह वणजारा हॉल में हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में संगतों ने शिरकत की। समारोह को संबोधित करते हुए कमेटी के अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका और जनरल सेक्रेटरी सरदार जगदीप सिंह काहलों ने कहा कि गुरु तेग बहादर साहिब जी ने चांदनी चौक में अपनी शहादत देकर भारत को उसका वर्तमान रूप दिया। उन्होंने कहा कि औरंगजेब सभी लोगों को मुस्लिम बनाना चाहता था, लेकिन गुरु साहिब ने अपनी शहादत से उसकी इस मुहिम को

रोक दिया। उन्होंने यह भी कहा कि गुरु साहिब ने हमें सच्चे मार्ग पर चलने की शिक्षा दी और यह सिखाया कि कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी हमें घबराने की जरूरत नहीं है, बल्कि शहादत देकर भी असाधारण हालात का सामना किया जा सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा संगतों को गुरु साहिब के आदर्शों से जोड़ने के लिए धर्म प्रचार कमेटी की अगुवाई में विभिन्न कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि धर्म का प्रचार दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी की सबसे बड़ी प्राथमिकता है। साथ ही, उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने घरों में बच्चों को गुरसिखी जीवन से जोड़ने के प्रयास करें और गुरु साहिबानों के इतिहास को बच्चों को पढ़ाएं, ताकि हम अपने अमीर विरसे से जुड़े रहें।

आआपा फर्जी वोट की राजनीति कर रही है: वीरेंद्र सचदेवा

नई दिल्ली। दिल्ली में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर चुनावी बिसात बिछनी शुरू हो गई है। इसको लेकर सियासी पार्टियां एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगा रही हैं। ऐसे में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने दिल्ली में जारी सियासत पर प्रेस वार्ता कर आम आदमी पार्टी (आआपा) की आलोचना की है5 वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि अरविंद केजरीवाल डर गए हैं, फर्जी वोटों और अवैध बांग्लादेशी-रोहिंग्या घुसपैठियों के वोट दिल्ली में पकड़े हैं। ये वो वोट हैं, जो आआपा को चंदा देने वाले फोर्ड फ़ाउण्डेशन के पैसों से खरीदे जाते हैं। सचदेवा ने केजरीवाल की आलोचना करते हुए कहा कि देश में सभी को अपनी बात कहने का अधिकार है लेकिन केजरीवाल जैसे लोग जब पूरी संवैधानिक प्रक्रिया पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं तो लोकतंत्र की रक्षा के लिए संवैधानिक संस्थाओं को ऐसे मामलों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

जामा मस्जिद के शाही इमाम बुखारी ने प्रधानमंत्री के सामने रखी सरकार की निगरानी में बातचीत की पेशकश

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की ऐतिहासिक जामा मस्जिद के शाही इमाम सैयद अहमद बुखारी ने जुमे के खुत्बे (नमाज से पहले संबोधन) में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को संबोधित करते हुए देश से नफरत का माहौल खत्म करने के लिए सरकार की निगरानी में हिंदुओं और मुसलमानों के बीच बातचीत की पेशकश की है। उन्होंने कहा कि देश में व्याप्त नफरत के माहौल को समाप्त करने के लिए बातचीत ही एकमात्र हल है और इसके लिए सरकार को पहल करनी चाहिए।अपने संबोधन में इमाम बुखारी ने प्रस्ताव पेश करते हुए कहा कि सरकार को वार्ता के लिए किसी केंद्रीय मंत्री को अधिकृत करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे देश में नफरत इतनी बढ़ गई है कि आज हमें अपने बच्चों के भविष्य को लेकर के चिंता होने लगी है। हमारी उम्र के लोगों का तो अब इस दुनिया से जाने का समय हो गया है, लेकिन हमारी नस्लें इस नफरत भरे माहौल में अपना जीवन कैसे व्यतीत कर पाएंगी। मस्जिदों में खुदाई कर मूर्ति ढूंढने का शुरू हुआ सिलसिला हमारे बीच में और भी नफरत को बढ़ावा देने वाला है। संभल की जामा

मस्जिद के सर्वे के बाद वहां हुई हिंसा इसकी जीती जागती मिसाल है। वहां पर मासूम लोगों की जान गई, कई मांओं की गोद उजड़ गई और कई बहनों के सुहाग उजड़े हैं, आखिर इसका हिसाब कौन देगा?उन्होंने कहा कि गौहत्या के नाम पर कितने मुसलमानों की लिंचिंग की गई, गौ-हत्या बंद होनी चाहिए। गौहत्या को रोकने के लिए कड़ा से कड़ा कानून बनाया जाना चाहिए, कोई मुसलमान इस कानून का विरोध नहीं करेगा। इसी के साथ ही सभी धर्मों के धार्मिक व्यक्तियों विशेष तौर से पैगंबर मोहम्मद साहब के प्रति आपत्तिजनक टिप्पणियों को रोकने के लिए एक कड़े कानून की जरूरत है। धार्मिक पेशवाओं के खिलाफ किसी भी तरह की अभद्र टिप्पणी करने वालों को सख्त से सख्त सजा देने के लिए कड़े कानून बनाए जाने चाहिएं। उन्होंने कहा कि आजकल इस तरह की टिप्पणी करके लोगों को वरगलाने और सड़कों पर लाने का प्रयास किया जाता है। इस तरह की बातों को रोकने के लिए कड़ा कानून बनाए जाने की जरूरत है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ दिल्ली का नागरिक समाज खड़ा हुआ

एजेंसी

नई दिल्ली। बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ 10 दिसंबर को नागरिक समाज संगठनों द्वारा बांग्लादेश दूतावास तक मार्च निकाला जायेगा। इसका उद्देश्य हिंदू समुदाय और अन्य अल्पसंख्यकों पर हो रही हिंसा और उत्पीड़न की ओर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ध्यान आकर्षित करना है। दिल्ली के नागरिक समाज ने 200 से अधिक सामाजिक और सांस्कृतिक संगठनों के साथ मिलकर दिल्ली के साउथ एवेन्यू, 93 पर आयोजित पत्रकार वार्ता में इसकी जानकारी दी। राजदूत वीणा सिकरी (आईएफएस, बांग्लादेश में पूर्व उच्चायुक्त) और राजीव जैन (आईपीएस, पूर्व महानिदेशक, खुफिया ब्यूरो और सदस्य, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग) सहित विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने मीडिया को संबोधित किया। आयोजकों ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों की निंदा करते हुए वहां मानवाधिकार उल्लंघन रोकने के लिए सामूहिक कार्रवाई की जरूरत बताई। उन्होंने हिंसा को तुरंत रोकने, अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संधियों के तहत अधिकारों को लागू करने और इस्कॉन संन्यासी श्री चिन्मय कृष्ण दास को तत्काल रिहा करने की मांग की। वक्ताओं ने धार्मिक अल्पसंख्यकों की रक्षा करने और बांग्लादेश में शांति और सहिष्णुता को बढ़ावा देने के लिए वैश्विक एकजुटता की अपील की।

भारतीय सांकेतिक भाषा के माध्यम से लोगों को सशक्त बनाना समय की मांगः धर्मेंद्र प्रधान

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि भारतीय सांकेतिक भाषा के माध्यम से लोगों को सशक्त बनाना समय की मांग है ताकि वास्तव में समावेशी और प्रगतिशील समाज का निर्माण किया जा सके। केंद्रीय मंत्री नई दिल्ली में भारतीय सांकेतिक भाषा (आईएसएल) के लिए पीएम-ई-विद्या डीटीएच 24×7 चैनल नंबर 31 का शुभारंभ करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि चैनल 31 बेजोड़ प्रतिभा को सामने लाने और श्रवण बाधितों तथा अन्यों के बीच की खाई को पाटने में मदद करेगा। प्रधान ने दिव्यांगता के प्रकारों को सात से बढ़ाकर 21 करने के परिवर्तनकारी प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इससे कानूनी ढांचा और अधिक व्यापक हो गया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एनईपी) ने विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (सीडब्ल्यूएसएन) की शिक्षा को प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि यह अधिक समावेशी शिक्षा प्रणाली की ओर बदलाव को दर्शाता है। आईएसएल के महत्व पर प्रकाश डालते हुए प्रधान ने कहा कि संचार के लिए ध्वनि ही एकमात्र माध्यम नहीं है। सांकेतिक भाषा जैसे

वैकल्पिक रूप सभी के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने आईएसएल को वैश्विक मानकों के अनुरूप विकसित करने और इसे व्यापक रूप से अपनाने का आह्वान किया, ताकि भारत में श्रवण बाधित आबादी की सहायता के लिए अधिक से अधिक व्यक्तियों को आईएसएल सीखने की कल्पना की जा सके। उन्होंने कहा कि इससे रोजगार के अवसर पैदा करने में भी मदद मिलेगी। उन्होंने हितधारकों से चैनल 31 को लोकप्रिय बनाने और भारत भर में इसकी पहुंच सुनिश्चित करने का आग्रह किया, ताकि दुनिया के लिए भारतीय सांकेतिक भाषा का प्रवेशद्वार बन सके, साथ ही उन्होंने कहा कि यह उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक बेंचमार्क स्थापित करता है। उन्होंने कहा कि यह पहल संवैधानिक अधिकारों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है, जिससे सभी नागरिकों के लिए शिक्षा और संसाधनों तक समान पहुंच सुनिश्चित होती है।

एसईसीआई को अभिनव उत्पाद विकास के लिए मिला तृतीय पीएसयू परिवर्तन पुरस्कार

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एसईसीआई) लिमिटेड को तृतीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (पीएसयू) परिवर्तन पुरस्कार मिला है। कंपनी को यह पुरस्कार मांग के आधार पर डिस्कॉम को मजबूत और प्रेषण योग्य आरई (एफडीआरई) आपूर्ति के लिए अभिनव उत्पाद विकास श्रेणी के तहत गुरुवार, 05 दिसंबर को नई दिल्ली में आयोजित सम्मान समारोह में प्रदान किया गया।

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि अजय कुमार सिन्हा, महाप्रबंधक (कॉर्पोरेट योजना) और एसईसीआई के अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में यह पुरस्कार संजय शर्मा, निदेशक (सौर) तथा जोशीत रंजन सिकिदर, निदेशक (वित्त) और शिवकुमार वी वेपाकोम्मा, निदेशक (विद्युत प्रणाली) ने प्राप्त किया।उल्लेखनीय है कि एसईसीआई ने कई डिस्कॉम और राज्यों के साथ मिलकर फर्म और डिस्पैचेबल आरई (एफडीआरई) का अभिनव विद्युत आपूर्ति मॉडल प्रस्तुत किया है, ताकि उनकी ऊर्जा मांगों को समझते हुए नवीकरणीय ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने वाले मॉडल तैयार किए जा सकें।

राज्यसभा में विपक्ष पर जमकर बरसे शिवराज, कहा- कांग्रेस ने सत्ता में रहते किसानों को एमएसपी देने से किया था इनकार

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राज्य सभा में फसलों पर एमएसपी और किसानों की कर्जमाफी समेत कई विषयों पर सवालों के जवाब देते हुए विपक्ष को जमकर घेरा।

इस दौरान शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कांग्रेस ने सत्ता में रहते हुए किसानों को एमएसपी देने से इनकार कर दिया था जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार पिछले 10 वर्षों से एमएसपी में लगातार बढ़ोतरी कर रही है। शिवराज सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार किसानों की उपज एमएसपी पर खरीदती रहेगी। हमारी सरकार लागत पर 50 प्रतिशत से ज्यादा का मुनाफा जोड़कर एमएसपी तय करने के साथ ही किसानों से उपज भी खरीदेगी। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकार किसानों को लाभकारी मूल्य देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि 2015 में इस मंत्रालय का नाम कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय रखा गया, इससे पहले किसान कल्याण का कोई संबंध ही नहीं था।

किसानों के लाड़ले

राज्यसभा के सभापति और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को

नया नाम किसानों के लाड़ले दिया है। शिवराज सिंह चौहान राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान कृषि संबंधी सवालों के जवाब दे रहे थे। इसी दौरान सभापति धनखड़ ने कहा कि जिस आदमी की पहचान देश में लाड़ली बहनों के भैया के नाम से है, अब वो किसान का लाड़ला भाई भी होगा। मैं पूरी तरह आशावान हूं कि ऊर्जावान मंत्री अपने नाम 'शिवराज' के अनुरूप ये करके दिखाएंगे। आज से मैंने आपका नामकरण कर दिया- किसानों के लाड़ले। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि हमारी सरकार 50 प्रतिशत से ज्यादा का एमएसपी तय भी करेगी और उपज खरीदेंगे भी। उन्होंने कहा कि यह नरेन्द्र मोदी की सरकार है, मोदी की गारंटी वादा पूरा करने की गारंटी है। विपक्ष को घेरते हुए शिवराज सिंह ने कहा कि जब कांग्रेस सत्ता में थी तो उन्होंने रिकॉर्ड पर कहा था कि वो एमएस स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को स्वीकार नहीं कर सकते हैं। उपज की लागत से 50 प्रतिशत अधिक देने की बात पर पूर्व कृषि मंत्री कांतिलाल भूरिया व शरद पवार और के.वी. थॉमस ने कहा था कि ऐसा करने से बाजार विकृत हो जाएंगे। ये नहीं हो सकता है, ये कहकर इनकार कर दिया था। 2019 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने ही ये फैसला किया कि लागत पर 50 प्रतिशत मुनाफा जोड़कर एमएसपी की दरें तय की जाएंगी। जब कांग्रेस सरकार थी, तब कभी भी 50 प्रतिशत से ज्यादा लागत पर इन्होंने किसानों को लाभ नहीं दिया लेकिन हम कटिबद्ध हैं, प्रतिबद्ध हैं कि कम से कम 50 प्रतिशत से ज्यादा लाभ देकर किसानों की फसलें खरीदेंगे।

विजेंद्र गुप्ता ने मनोहर लाल के साथ बैठक में गुरुग्राम से समयपुर बादली तक चल रही मेट्रो की येलो लाइन को नरेला तक बढ़ाने के लिये ज्ञापन सौंपा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय आवासन और शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल के साथ हुई उच्च स्तरीय बैठक में दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने मिलेनियम सिटी सेंटर, गुरुग्राम से समयपुर बादली तक चल रही मेट्रो येलो लाइन को नरेला तक बढ़ाने की मांग की है । इस संबंध में उनके नेतृत्व में भाजपा विधायकों ने केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल से भेंट कर उन्हें ज्ञापन सौंपा। बैठक में भाजपा सांसद वैजयंत जे. पांडा, अतुल गर्ग, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, दिल्ली के पूर्व मंत्री कैलाश गहलोत, राज कुमार आनंद पूर्व विधायक करतार सिंह दिल्ली के सभी भाजपा विधायक मोहन सिंह बिष्ट, ओम प्रकाश शर्मा, जितेंद्र महाजन, अभय वर्मा, अजय महावर और अनिल वाजपेई शामिल थे। इस अवसर पर डीडीए के उपाध्यक्ष, आवासन और शहरी विकास मंत्रालय के सचिव, एल एंड डीओ विभाग के अनेक वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। केंद्रीय मंत्री को दिए गए ज्ञापन में विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि वर्तमान में मेट्रो के येलो लाइन कॉरिडोर के अंतर्गत समयपुर बादली तक ही मेट्रो की सेवा उपलब्ध है। इसका विस्तार कर इसे सिरसपुर मेट्रो डिपो तक ले जाने के प्रस्ताव को केंद्र सरकार पहले ही अपनी स्वीकृति दे चुकी है । इसलिए यदि इसका नरेला तक विस्तार कर दिया जाए तो लाखों लोग मेट्रो की सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। केंद्रीय मंत्री के साथ हुई उच्चस्तरीय बैठक में रद्द किये गये पट्टों को बहाल करने, लैंड पूलिंग, दुकानों को डीसील करना, ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी एक्ट पर पुनर्विचार करने और आरसीएस में जरूरी संशोधन करने तथा दिल्ली की अनधिकृत कॉलोनियों के नियमितीकरण जैसे अनेक महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी चर्चा किया। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि अलीपुर, खेड़ा और नरेला के आसपास का क्षेत्र घनी आबादी वाला है और यहां मेट्रो कनेक्टिविटी की भी कमी है। क्षेत्र में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था की पर्याप्त व्यवस्था न होने के कारण वर्तमान येलो लाइन का विस्तार कर इसे नरेला तक ले जाया जाना चाहिए, ताकि लाखों लोगों को इसका फायदा मिल सके । गुप्ता ने कहा कि पिछले कुछ सालों में अलीपुर, नरेला और इसके आसपास के क्षेत्र का विकास होने के कारण यहां की जनसंख्या में काफी इजाफा हुआ है, जिसके चलते यहां पर ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी रहती है।

रणधीर पनिहार को जिताकर नलवा हलके की जनता ने निभाया पारिवारिक रिश्ता : कुलदीप बिश्नोई

एजेंसी

हिसार। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई ने कहा है कि विधानसभा चुनावों में हलके से चौ. भजनलाल परिवार के सदस्य रणधीर पनिहार को जिताकर क्षेत्र की जनता ने पारिवारिक रिश्ता निभाया है। रणधीर पनिहार नेकदिल, मेहनती और जमीन से जुड़े हुए व्यक्ति हैं उन्हें चुनकर जनता ने समझदारी भरा फैसला लिया है। कुलदीप बिश्नोई नलवा हलके के विधायक रणधीर पनिहार के साथ क्षेत्र का धन्यवादी दौरा कर रहे थे। उन्होंने विश्वास जताया कि भविष्य में भी हमारा यह पारिवारिक रिश्ता यूं ही बना रहेगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा में तथा केंद्र में भाजपा की सरकार है। इस डबल इंजन की सरकार में आपके खूब काम होंगे। आदमपुर में दो साल के दौरान 800 करोड़ रुपये विकास कार्यों में लगाए थे। उससे भी दोगुना रफ्तार से नलवा हलके में विकास कार्य होंगे। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी प्रदेश में बहुत ही अच्छे ढंग से शासन चला रहे हैं और पूरे प्रदेश में भेदभाव के बिना विकास कार्य करवा रहे हैं उनके नेतृत्व में प्रदेश नई ऊंचाइयों को छुएगा इसकी पूरी आशा है। विधायक रणधीर पनिहार ने कहा कि नलवा हलके की जनता ने उन्हें जो जिम्मेवारी सौंपी है उसे निभाने में वे किसी प्रकार की कमी नहीं आने देंगे।

आरएस कुंडू ने संभाला भौतिकी विभाग के अध्यक्ष का पदभार

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रो. आरएस कुंडू ने विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग के अध्यक्ष का पदभार ग्रहण कर लिया है। प्रो. कुंडू ने कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई व कुलसचिव प्रो. विनोद छोकर के साथ भौतिकी विभाग के सभी फैकल्टी सदस्यों सहित भेंट की।कुलपति प्रो.नरसी राम बिश्नोई ने प्रो. कुंडू को शुभकामनाएं दी तथा विभाग के विकास व प्रगति के लिए उत्कृष्ट प्रयास करने पर जोर दिया। उन्होंने प्रो. कुंडू और उनकी टीम से नवीनतम वैश्विक शोध प्रवृत्तियों के अनुरूप अधिक से अधिक शोध प्रस्ताव भेजने का आग्रह किया। कुलसचिव प्रो. विनोद छोकर ने भी प्रो. कुंडू को शुभकामनाएं दी। प्रो. आरएस कुंडू ने विश्वविद्यालय प्रशासन का आभार व्यक्त किया तथा कहा कि जो जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई है, वे इस जिम्मेदारी को बखूबी निभाएंगे तथा विभाग व विश्वविद्यालय को और आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे।प्रो. कुंडू 2005 में इस विश्वविद्यालय में शामिल हुए और 2017 से प्रोफेसर के रूप में काम कर रहे हैं। उनके नाम 100 से अधिक शोध पत्र हैं और उन्होंने लगभग 60 अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया है। उनके मार्गदर्शन में 10 शोधार्थियों ने अपनी पीएचडी की डिग्री पूरी की है। प्रो. कुंडू ने कई वित्त पोषित शोध परियोजनाएं सफलतापूर्वक पूरी की हैं। इस अवसर पर प्रो. देवेंद्र मोहन, प्रो. नीतू अहलावत, डॉ. रमेश, डॉ. हरदेव, डॉ. डेविड जोसेफ, डॉ. विवेक गुप्ता और अन्य फैकल्टी सदस्य उपस्थित रहे।

हरियाणा रोडवेज के बेड़े में शामिल होंगी 650 नई बसें

चंडीगढ़। हरियाणा में सार्वजनिक परिवहन सेवा को और सुदृढ़ करते हुए हरियाणा रोडवेज के बेड़े में जल्द ही 650 नई बसें शामिल की जाएंगी। इनमें 150 ऐसी तथा 450 नॉन ऐसी बसें शामिल हैं। इन बसों की खरीद पर लगभग 300 करोड़ रुपये से अधिक की लागत आएगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई उच्चाधिकार प्राप्त क्रय समिति (एचपीपीसी) में इस संबंध में मंजूरी प्रदान की गई है। उच्चाधिकार प्राप्त क्रय समिति (एचपीपीसी), विभागीय उच्चाधिकार प्राप्त क्रय समिति (डीएचपीपीसी) तथा हाई पॉवर्ड वर्क्स परचेज कमेटी (एचपीडब्ल्यूपीसी) की बैठक में कुल मिलाकर 1329 करोड़ रुपये के कॉन्ट्रैक्ट तथा विभिन्न वस्तुओं की खरीद को मंजूरी दी गई। बैठक में विभिन्न बोलीदाताओं से नेगोसिएशन के बाद दरें तय करके 38 करोड़ रुपये से अधिक की बचत की गई है। बैठक में कैबिनेट मंत्री अनिल विज, महीपाल ढांडा, विपुल गोयल, श्याम सिंह राणा, रणबीर गंगवा और श्रुति चौधरी उपस्थित रहे। बैठक में पीएमश्री योजना और समग्र शिक्षा योजना के अंतर्गत 801 सरकारी स्कूलों में 4 प्रकार की आईसीटी लैब्स की स्थापना करने को भी मंजूरी प्रदान की गई।

भाजपा का सदस्यता अभियान अगले चुनाव की जीत को सुनिश्चित करेगा : ओम प्रकाश धनखड़

रोहतक। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सचिव ओम प्रकाश धनखड़ ने कहा कि भाजपा का सदस्यता अभियान अगले चुनाव की जीत को सुनिश्चित करेगा। उन्होंने कहा कि जो सेना शांतिकाल में लगातार अभ्यास करती रहती है, वही युद्ध जीतती है। यह बात उन्होंने रोहतक पहुंचकर पार्टी कार्यालय मंगल कमल में गढ़ी-सांपला-किलोई विधानसभा के कार्यकर्ताओं के बीच कही। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ने का आग्रह किया। इससे पहले राष्ट्रीय सचिव ने महम विधानसभा के कार्यकर्ताओं को भी संबोधित किया। राष्ट्रीय सचिव ने कार्यकर्ताओं से 9 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोगों को पानीपत ले जाने की भी अपील की। राष्ट्रीय सचिव ने बैठक के बाद मीडिया के सवालों के जवाब भी दिए। ओम प्रकाश धनखड़ ने कहा कि हमें अपने-अपने बूथों को और अधिक मजबूत करना है।

तंजानिया ने आईटी और खेल क्षेत्र में कौशल प्रशिक्षण के लिए हरियाणा से मांगा सहयोग

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से चंडीगढ़ में संयुक्त गणराज्य तंजानिया के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में जांजीबार-तंजानिया की सूचना, संस्कृति, कला, युवा मामले और खेल मंत्री सुश्री ताबिया मौलिद माविता और संयुक्त गणराज्य तंजानिया के उच्चायोग के पूर्णाधिकारी मंत्री फानूएल मथिया शामिल थे।

इस दौरान हरियाणा और तंजानिया के मध्य विभिन्न क्षेत्रों में परस्पर सहयोग की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। नायब सिंह सैनी ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया और अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव-2024 में भागीदार देश के रूप में तंजानिया की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए उनका धन्यवाद किया। प्रतिनिधिमंडल ने अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के माध्यम से हरियाणा और तंजानिया के बीच सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंधों को मजबूत करने में हरियाणा सरकार के प्रयासों की सराहना की। चर्चा के दौरान, प्रतिनिधिमंडल ने हरियाणा

के सहयोग से आईटी क्षेत्र में लगभग तीन लाख पेशेवरों के कौशल प्रशिक्षण में गहरी रुचि व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को हरियाणा सरकार की ओर से पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया।

उन्होंने कहा कि हरियाणा में विभिन्न कौशल प्रशिक्षण केंद्र संचालित हैं, जिनका उपयोग तंजानिया के आईटी पेशेवरों को प्रशिक्षित करने के लिए किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पलवल में विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय और गुरुग्राम में हरियाणा लोक प्रशासन संस्थान इस उद्देश्य के लिए विभिन्न क्षेत्रों में कौशल संवर्धन हेतु महत्वपूर्ण प्रशिक्षण केंद्र के रूप में कार्य कर सकते हैं। प्रतिनिधिमंडल ने खेलों के क्षेत्र में हरियाणा द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों की भी सराहना की। प्रतिनिधिमंडल ने दार-एस-सलाम,डोडोमा और अरूशा क्षेत्रों में अपने तीन स्टेडियमों के लिए हरियाणा से कोच और प्रशिक्षकों की व्यवस्था करने के लिए सहयोग की मांग की। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

साहब, पड़ोसी का 5 मंजिला भवन धंस गया, हमारे मकान को भी क्षति पहुंची है..

एजेंसी

गुरुग्राम। नगर निगम में समाधान शिविर में गांव चौमा निवासी कप्तान सिंह ने निगमायुक्त अशोक कुमार गर्ग के समक्ष बिल्डिंग निर्माण की एक ऐसी समस्या रखी गई, जिससे बड़ा नुकसान हो सकता है। उनकी शिकायत पर निगमायुक्त ने तुरंत अपने अधीनस्थ अधिकारी को स्ट्रक्चरल ऑडिट के आदेश दिए।

शिकायतकर्ता कप्तान सिंह ने बताया कि उनके पड़ोसी द्वारा 5 मंजिला भवन का निर्माण किया जा रहा है। यह निर्माण अभी से टेढ़ा हो गया है। जमीन में भी धंस गया है। इसकी वजह से हमारे मकान की दीवारें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। उनके परिवार को जान-माल का नुकसान होने की संभावना बनी रहती है। निगमायुक्त ने सहायक अभियंता को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। नगर निगम गुरुग्राम में समाधान शिविर में 15 शिकायतें आई, जिनकी सुनवाई के दौरान निगमायुक्त अशोक कुमार गर्ग ने संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से शिकायतों का समाधान करने के निर्देश दिए। समाधान शिविर में मुख्य रूप से सीवरेज, पेयजल, सडक़ व अवैध निर्माण से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुई, जिनकी समयसीमा निर्धारित करके संबंधित अधिकारियों को आगामी कार्रवाई शुरू करने के निर्देश निगमायुक्त द्वारा दिए गए हैं। समाधान शिविर में पहुंचे सरस्वती एनक्लेव आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों ने सरकार की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि उनके क्षेत्र की कई समस्याएं समाधान शिविर के माध्यम से दूर हो गई हैं। उन्हें आशा है कि अन्य शिकायतों का समाधान भी जल्द ही होगा।

नई शिक्षा नीति सबसे पहले हरियाणा में लागू होगी: बंडारू दत्तात्रेय

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि नई शिक्षा नीति को लागू करने वाला हरियाणा देश का पहला राज्य होगा। उन्होंने कहा कि विद्या प्राप्ति से ही हमारे बच्चे आर्थिक रूप से सशक्त हो सकते हैं। विद्यार्थियों को नौकरी की बजाय स्व-रोजगार की ओर अधिक ध्यान देना चाहिए। इस युग में वही प्रदेश आगे बढ़ता है, जो अपने बच्चों को गुणात्मक शिक्षा प्रदान करता है। वे यहां सेक्टर सात स्थित जी.ए.वी. इंटरनेशनल स्कूल के वार्षिक समारोह को मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने देवी सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि गुणात्मक शिक्षा के माध्यम से ही जीवन में आने वाली चुनौतियों का साहसपूर्वक सामना किया जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सशक्त नेतृत्व में लागू की गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारतीय शिक्षा प्रणाली में एक ऐतिहासिक सुधार है। यह शिक्षा नीति विद्यार्थियों में स्कूल के समय से ही कौशल विकास उद्यमिता और नवाचार को प्रोत्साहित करती है। नई शिक्षा नीति की यह विशेषता है कि वर्ष 2030

तक विद्यार्थी अपनी मातृ भाषा में ही एम.बी.बी.एस, एम.बी.ए, बी.टैक, बी.ऐड जैसे महत्वपूर्ण विषय में डिग्रीयां हासिल कर सकते हैं। कार्यक्रम में महामंडलेश्वर स्वामी धर्मदेव ने इस अवसर पर कहा कि हरियाणा की पावन धरती पर लगभग पांच साल पहले भगवान श्रीकृष्ण ने गीता का उपदेश दिया था। आज हरियाणा सरकार अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गीता महोत्सव को मना रही है। हमारी भावी पीढ़ी इतनी गुणवान और ज्ञानवान बने कि पूरी दुनिया में भारत का मान हो। हरियाणावी रॉक स्टार एमडी देसी ने भी सुंदर गीतों की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर विधायक मुकेश शर्मा, जी.ए.वी इंटरनेशनल स्कूल के चेयरमैन प्रदीप कौशिक, समाजसेवी बोधराज सीकरी, डीसीपी वीरेंद्र विज, भाजपा नेता संदीप जोशी, महावीर भारद्वाज, सुनील भारद्वाज, ओमप्रकाश कथूरिया, देवेंद्र लोहानी, मयंक निर्मल, मनीषा कौशिक, आशा बत्रा, बबीता वशिष्ठ इत्यादि मौजूद रहे।

रियाणा का किसान सरकार की नीतियों से पूरी तरह से खुश: कृष्ण कुमार बेदी

एजेंसी

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में बाबासाहेब डा. अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने बतौर मुख्यअतिथि शिरक्त की। उन्होंने कहा कि बाबासाहेब डा. भीमराव अंबेडकर ने भारत ने ही नहीं पूरे विश्व को एवं समूचे मानव जाति के जीवन को आलोकित किया। भारत राष्ट्र सदैव बाबासाहेब को ऋणी रहेगा। बाबासाहेब भारत में लोकतंत्र को जीवित एवं जीवंत रखने वाले प्रणेता थे। उन्होंने कहा कि बाबासाहेब डा. अंबेडकर ने भारतीय संविधान के जरिए राष्ट्र के नागरिकों को न केवल मताधिकार बल्कि अन्य कल्याणकारी नीति एवं प्रावधान दिए। भारत की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। साथ ही युवा वर्ग से उन्होंने आह्वान किया कि डा. अंबेडकर के बारे अध्ययन कर उनकी भूमिका तथा उनके योगदान को जानने का प्रयास करें और सामाजिक उत्थान में अपना

योगदान दे। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने एमडीयू में भारत रत्न बाबासाहेब डा. भीमराव अंबेडकर की आदमकद प्रतिमा का अनावरण भी किया। बाद में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने किसानों के दिल्ली कूच को लेकर भी प्रतिक्रिया दी और कहा कि हरियाणा का कोई भी किसान आंदोलन नहीं कर रहा है। पंजाब की कुछ जत्थेबंदियों के मसले है जो केन्द्र के साथ ही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार ने अनेक योजनाएं लागू की है और पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ मिल रहा है। हालांकि हरियाणा द्वारा किसानो को दिल्ली कूच के लिए रास्ता देने के सवाल को मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने अनसुना कर दिया।

साथ ही उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार पहले ही सबसे अधिक फसले एमएसपी पर खरीद रही है। उन्होंने कांग्रेस पर भी निशाना साधा और कहा कि संविधान के नाम पर कांग्रेस लोगों को गुमराह कर रही है और अब लोग कांग्रेस के झूठ को पहचान चुके है। उन्होंने कहा कि केन्द्र व हरियाणा सरकार से हर वर्ग पूरी तरह से खुश है। इस अवसर पर पूर्व मेयर मनमोहन गोयल, एमडीयू कुलपति प्रो. राजबीर सिंह, कुलसचिव प्रो. गुलशन लाल तनेजा सहित भाजपा के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्त्ता मौजूद रहे।

शिकायतकर्ता ही असंतुष्ट तो दोबारा करें मामले की जांच, झूठी गिरफ्तारी न करें : एसपी शशांक कुमार सावन

एजेंसी

हिसार। पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने पर्यवेक्षण अधिकारियों व थाना प्रबंधकों से कहा है कि वे अपने क्षेत्र में अपना प्रभाव कायम करें। पुराने अपराधियों का रिकॉर्ड रखें व अपराधिक किस्म के व्यक्तियों को पहचान कर कार्रवाई सुनिश्चित करें। आदतन अपराधियों पर विशेष रुप से नजर रखें और समय-समय पर उनके बारे पूछताछ करते रहे। पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन पुलिस लाइन स्थित आधिकारिक मैस में जिला पुलिस के सभी पर्यवेक्षण अधिकारियों, थाना प्रबंधकों, चौकी प्रभारियों व अपराध यूनिट प्रभारियों की बैठक ले रहे थे। उन्होंने निर्देश दिए कि हर दिन निर्धारित किए गए समय अनुसार अलग-अलग स्थानों पर नाकाबंदी करके ट्रिपल राइडर, बुलेट

मोटरसाइकिल पर पटाखे बजाने वालों पर कार्रवाई करते हुए संदिग्ध वाहनों व व्यक्तियों की गहनता से जांच करें। रात्रि समय में प्रभावी गश्त कर पुलिस की मौजूदगी सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी पर्यवेक्षण अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभागीय जांच की कार्रवाई समयावधि में पूरी हो। सभी अपने अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले थानों में लगातार विजिट करें।पुलिस अधीक्षक ने पुलिस के पास आई शिकायतों के फीडबैक की समीक्षा की। जिन शिकायतों में शिकायतकर्ता पुलिस कार्रवाई से असंतुष्ट थे उनमें संबंधित को लताड़ते हुए उचित कार्रवाई के आदेश जारी किए। उन्होंने कहा कि पुलिस कार्यालय या पुलिस थाने में आने वाले शिकायतकर्ताओं के साथ शिष्टाचार के साथ सभ्य व्यवहार करें। थाने में आने वाली सभी शिकायतों को सीसीटीएनएस पोर्टल पर अपलोड कर शिकायकर्ता को रसीद प्रदान करें और सभी शिकायतों का समयबद्ध निदान करें। पीएम विंडो, सीएम विंडो के माध्यम से आने वाली शिकायतों का समयावधि में निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सभी थानों में पासपोर्ट, पुलिस और किराएदार के वेरिफिकेशन के लिए अलग से पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाई जाएगी ताकि सभी प्रकार के सत्यापन समयावधि में हो सके। पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना प्रबंधकों को देर रात तक डीजे बजाने वालों के खिलाफ कार्रवाई के आदेश दिए हैं।

असम के लिए निकला 24 लाख रूपये का प्लाई बोर्ड से भरा ट्रक चोरी

एजेंसी

यमुनानगर। 27 दिन पहले यमुनानगर से असम के लिए करीब 24 लाख रूपये का प्लाई बोर्ड और सनमाइका लेकर निकले ट्रक का अभी तक कोई सुराग नहीं मिला। जिसको लेकर उद्योग व्यापार मंडल हरियाणा का एक प्रतिनिधि मंडल जिला पुलिस अधीक्षक से शिकायत करने पहुंचा। यमुनानगर के पुलिस अधीक्षक राजीव देशवाल से उद्योग व्यापार मण्डल हरियाणा का एक प्रतिनिधि मण्डल मिला। पुलिस अधीक्षक को दी शिकायत में प्लाई बोर्ड व्यापारी मनीष अग्रवाल एवं उद्योग व्यापार मंडल अध्यक्ष महेन्द्र मित्तल ने संयुक्त रूप से बताया की उन्होने 27 दिन पहले सनमाइका से भरा एक ट्रक आसाम भेजा था जो आज तक भी वहाँ नही पहुंचा। व्यापारी मनीष अग्रवाल ने बताया 9 नवंबर को इंडस्ट्रियल एरिया स्थित उनकी योगेश लेमिनेट्स नामक फैक्ट्री से एक ट्रक लगभग 24 लाख रूपये का सनमाइका और प्लाई बोर्ड लेकर असम की रारा प्लाईवुड के लिए निकला था। लेकिन वह ट्रक आज तक वहां नहीं पहुंचा। जिसकी काफी खोजबीन करने के 10 दिन बाद उन्होंने यमुनानगर शहर पुलिस थाने में ट्रक चोरी की शिकायत दर्ज कराई थी। ट्रक चालक और ट्रांसपोर्ट मालिक ने अपने मोबाइल भी बंद कर दिए है। उन्होंने पुलिस अधीक्षक से मामले की जांच करने की शिकायत भी दी। वहीं पुलिस अधीक्षक राजीव देसवाल ने प्रतिनिधि मंडल को कहा कि यह मामला उनके संज्ञान में आ गया है। उन्होनें अधिकारियों को काम पर लगा दिया है।

बिजली विभाग के निजीकरण के खिलाफ गरजे कर्मचारी

एजेंसी

हिसार। नेशनल कोआर्डिनेशन कमेटी आफ इलेक्ट्रिसिटी एम्पलाइज एंड इंजीनियर ने चंडीगढ़ बिजली विभाग व यूपी के आगरा व वाराणसी डिस्कॉम को निजी हाथों में सौंपने के विरोध में देशभर में रोष प्रदर्शन किया। इसी के तहत ऑल हरियाणा पावर कारपोरेशन वर्कर्स यूनियन की सिटी हिसार, मॉडल टाऊन, सिविल लाइन और टीएस सब यूनिट ने इस निर्णय के खिलाफ गेट मीटिंग की गई। मीटिंग की अध्यक्षता सब यूनिट प्रधान सुरेंद्र फौजी व सुशील ने किया तथा संचालन सचिव अंकित पुनिया व जयकुमार ने किया।

गेट मीटिंग को संबोधित करते हुए यूनिट प्रदान सुरेश रोहिल्ला व सचिव अनिल वर्मा, केंद्रीय कमेटी के सदस्य अशोक सैनी व दिलबाग जांगड़ा ने कहा कि बिजली विभाग के निजीकरण की प्रक्रिया में कई गड़बडिय़ां की गई हैं, इसलिए इसको रद्द कर देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया है कि एमिनेंट इलेक्ट्रिसिटी डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड (ईईडीएल) के पास मई 2022 की ऑडिटर रिपोर्ट के मुताबिक कोई संपत्ति, संयंत्र और उपकरण नहीं हैं। किसी भी खराबी या बिजली में व्यवधान की स्थिति में कंपनी यूटी चंडीगढ़ में बिजली आपूर्ति बनाए रखने में पूरी तरह से विफल हो जाएगी। चंडीगढ़ बिजली विभाग पिछले कई वर्षों से

मुनाफा कमा रहा है और हर साल इसमें बढ़ोतरी हो रही है।बिना किसी आधार के निजीकरण कर संकट पैदा किया गया है। उन्होंने बताया कि जिस दिन कंपनी काम को टेकओवर करेगी, उसी दिन हरियाणा में भी बिजली कर्मी चंडीगढ़ के बिजली कर्मचारियों के समर्थन में काम का बहिष्कार कर सडक़ों पर उतरेंगे। उन्होंने जारी एलओआई रद्द करने की मांग करते हुए कहा गया कि कंपनी को बिजली वितरण का कोई अनुभव नहीं है। अगर सरकार ने निजीकरण के इस फैसले को वापस नहीं लिया तो यूनियन आने वाले समय में और बड़ा आंदोलन करने को मजबूर होगी। गेट मीटिंग में त्रिलोक शर्मा, सुभाष लाम्बा, रमेश गोयत, परमजीत सैनी, प्रताप, प्रदीप शर्मा, राकेश जांगड़ा, कुलदीप दलाल व जोगिंदर पूनिया का आदि कर्मचारियों ने भाग लिया।

विश्वकर्मा कौशल विवि के वीसी व बीबी भारती बने सीएम के ओएसडी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने मुख्यमंत्री कार्यालय में राजनीतिक नियुक्तियां शुरू कर दी हैं। मुख्यमंत्री के लिए दो और ओएसडी नियुक्त किए हैं। सीएमओ में तीन एचसीएस अधिकारियों को सीएम का ओएसडी पहले से लगाया हुआ है। मुख्य सचिव डॉ. विवेक जोशी ने राज नेहरू और भारत भूषण भारती को मुख्यमंत्री को ओएसडी नियुक्ति करने संबंधी आर्डर जारी किए हैं।

भारती पहले भी सीएमओ में सेवा दे चुके हैं। अक्टूबर-2014 में सत्ता में आने के बाद भाजपा ने भारत भूषण भारती को हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग का चेयरमैन नियुक्त किया था। चयन आयोग में उनका कार्यकाल कई बार विवादों में भी रहा। उनकी जगह जब भोपाल सिंह खदरी को आयोग का चेयरमैन बनाया गया तो भारती को उस समय मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर का राजनीतिक सलाहकार नियुक्त किया गया। इसके बाद वे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के भी राजनीतिक सलाहकार रहे। अब नायब सरकार के दूसरे कार्यकाल में उन्हें मुख्यमंत्री का ओएसडी नियुक्त किया है। वहीं दूसरी ओर, राज नेहरू की पहली बार सीएमओ में एंट्री हुई है। प्रशासनिक और अकादमिक अनुभव रखने वाले डॉ. राज नेहरू शिक्षाविद के साथ बहुमुखी प्रतिभा के व्यक्तित्व हैं। नेहरू का दो दशक से भी ज्यादा कार्पोरेट का अनुभव है। वे आईबीएम और कॉन्सेंट्रिक्स जैसी कंपनियों में बड़े पदों पर रह चुके हैं। डॉ. नेहरू देश के पहले राजकीय कौशल विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलपति हैं। कौशल क्षेत्र में उनका लंबा अनुभव है, इससे पहले वे कौशल विकास निगम के मिशन डायरेक्टर रह चुके हैं। डॉ. राज नेहरू यूजीसी और एआईसीटीई सहित देश के बड़े संस्थानों के सदस्य हैं और उन्हें भारत में उच्च शिक्षा में कौशल का मॉडल विकसित करने का श्रेय जाता है। 2016 में उन्हें श्रीविश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त किया गया था। उनके पास दो अन्य विश्वविद्यालयों का भी अतिरिक्त प्रभार रह चुका है। राज नेहरू जाने-माने लेखक भी हैं। अभी तक उनकी चार पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं।

सफीदों-असंध बाईपास टी-प्वायंट पर बंद दुकान में घुसी कार, कार सवार दोनों युवकों की मौत

एजेंसी

जींद। सफीदों नगर के सफीदों-असंध बाईपास टी-प्वायंट पर रात को एक कार वहां पर बनी दुकान में जा घुसी। इस घटना में कार व दुकान बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई तथा कार में सवार दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें पीछे-पीछे आ रही कार में सवार में उनके दोस्त उन दोनों को निकाल कर पानीपत स्थित एक निजी अस्पताल में ले गए। जहां पर डाक्टरों ने उन दोनों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान आदित्य उर्फ लीलू (22) निवासी गांव जोरासी (पानीपत) तथा राहुल (23) निवासी समालखा के रूप में हुई है। गनीमत तो यह रही कि दुकान में उस वक्त कोई नहीं था। मामले की सूचना पुलिस को दे गई है। मिली जानकारी के अनुसार सफीदों में किसी शादी समारोह में शिरकत करने के लिए आदित्य व राहुल अपने कुछ दोस्तों के साथ आए हुए थे। शादी में शिरकत करके रात करीब 11 बजे कार के माध्यम से वापस लौट रहे थे। जैसे ही उनकी कार नगर के असंध रोड टी प्वायंट पर पहुंची तो उनकी कार अनियंत्रित हो गई और वह सीधे वहां पर बनी एक दुकान में जा घुसी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दुकान का अगला हिस्सा गिर गया तथा कार पूरी तरह से चकनाचूर हो गई तथा दूर तक उसकी

आवाज गई। घटना को देख कर राहगीर वहां पर रूके और आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गए। इतने में पीछे से उनके दोस्तों की कार आ गई। उन्होंने देखा कि दुर्घटनाग्रस्त कार तो आदित्य व राहुल की है। काफी मात्रा में खून फैला हुआ है तथा गाड़ी के एयरबैग खुले हुए है। उन्होंने आनन-फानन में दोनों को बाहर निकाला और उन्हे पहले सफीदों के एक निजी अस्पताल ले गए और वहां से उन्हे पानीपत के एक निजी अस्पताल में रैफर कर दिया गया। पानीपत में डाक्टरों ने दोनों युवकों को मृत घोषित कर दिया। मामले की सूचना सफीदों पुलिस को दी गई। सूचना पाकर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का जायजा लिया। जांच अधिकारी एएसआई जयबीर ने बताया कि इस घटना में दो युवकों की मौत हो गई है। युवकों की पहचान आदित्य उर्फ लीलू (22) निवासी गांव जोरासी (पानीपत) तथा राहुल (23) निवासी समालखा के रूप में हुई है। पुलिस आवश्यक कार्रवाई कर रही है। आज था आदित्य का जन्मदिन इस घटना में मृतक आदित्य उर्फ लीलू का आज जन्मदिन था।

पहले की तरह पुरजोर ढंग से करवाएंगे आदमपुर का विकास : भव्य बिश्नोई

एजेंसी

हिसार। भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश प्रभारी एवं पूर्व विधायक भव्य बिश्नोई ने आदमपुर हलके में आधा दर्जन गांवों में कार्यकर्ताओं से संवाद किया एवं गांवों में जारी विकास कार्यों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने गांवों में समस्याएं सुनी तथा मौके पर ही संबंधित अधिकारियों से बातचीत करके जनसमस्याएं दूर करने के निर्देश दिए। भव्य बिश्नोई ने गांव जाखोद में बनने जा रहे अस्पताल की बिल्डिंग का शिलान्यास भी किया। भव्य ने कहा कि आदमपुर में विकास कार्यों में कोई कमी नहीं आएगी और विकास की रफ्तार और ज्यादा तेज होगी। उन्होंने कहा कि हलके की जनता ने सदैव भजनलाल परिवार पर विश्वास जताया है, पिछले चुनाव में कुछ लोग कांग्रेस के झूठे प्रचार में बह गए परंतु आदमपुर और भजनलाल परिवार एक दूसरे के पूरक थे हैं और रहेंगे। चुनाव का परिणाम कोई भी रहा हो, वो आदमपुर के चहुंमुखी विकास के लिए पहले की तरह ही दृढ़ संकल्पित हैं। हर गांव में विकास कार्यों की झड़ी लगी है और जो कार्य रह गए हैं, उनको सिरे चढ़ाने के लिए लगातार हिसार व चंडीगढ़ में अधिकारियों से संपर्क में हैं। हाल ही में उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सैनी से मुलाकात की और आदमपुर की अधूरे कार्यों को पूरा करने की मांग की। उन्होंने हमेशा की तरह इस बार भी आदमपुर के विकास कार्यों और आदमपुर की जनता की मांगों को सुना, बल्कि जल्द से जल्द उनको पूरा करने का निर्देश भी अधिकारियों को दिया। उन्होंने कहा कि जनप्रिय मुख्यमंत्री की जनकल्याणकारी नीतियों से प्रदेश का चहुंमुखी विकास हो रहा है और हर वर्ग की खुशहाली के लिए सरकार विभिन्न परियोजनाएं आए दिन लागू कर रही हैं। विशेषकर युवाओं के उत्थान के प्रति प्रदेश सरकार बहुत गंभीर है। यही कारण है की मुख्यमंत्री ने जल्द ही दो लाख नौकरियों और प्रदेश के युवाओं को देने की घोषणा की है, जो कि स्वागत योग्य कदम है।

आरबीआई ने सीआरआर घटाकर 4 फीसदी किया, बैंकों के लिए 1.16 लाख करोड़ रुपये होंगे उपलब्ध

एजेंसी

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने संभावित नकदी संकट को कम करने के लिए नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) में 0.50 फीसदी की कटौती कर चार फीसदी कर दिया है। इससे बैंकों में 1.16 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त नकदी उपलब्ध होगी। रिजर्व बैंक गवर्नर शक्तिकांत दास ने यहां मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की समीक्षा बैठक में लिए गए फैसले की जानकारी देते हुए बताया कि स्थायी जमा सुविधा (एसडीएफ) दर 6.25 फीसदी और सीमांत स्थायी सुविधा (एमएसएफ) दर तथा बैंक दर 6.75 फीसदी पर कायम रहेगी। शक्तिकांत दास ने कहा कि त्योहारों के दौरान मुद्रा के चलन में उल्लेखनीय वृद्धि और पूंजी निकासी के बावजूद बैंकिंग सिस्टम में पर्याप्त नकदी मौजूद है, लेकिन कर भुगतान, चलन में उपलब्ध मुद्रा में वृद्धि तथा पूंजी प्रवाह में अस्थिरता से आने वाले महीनों के दौरान बैंकों में नकदी कम हो सकती है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि संभावित नकदी संकट को ध्यान में रखते हुए सभी बैंकों के सीआरआर को शुद्ध मांग एवं सावधि देयताएं (एनडीटीएल) यानी बैंकों के पास कर्ज देने के लिए मौजूद धनराशि के चार फीसदी तक कम करने का निर्णय लिया गया है, जो 0.25 फीसदी की दो बराबर किश्तों में क्रमशः 14 दिसंबर और 28 दिसंबर से शुरू होने वाले पखवाड़े से प्रभावी होंगी।

बैंकों को साइबर धोखाधड़ी से बचाने के लिए उन्नत तकनीक का उपयोग करने के निर्देश

नयी दिल्ली। सरकार ने बैंकों को साइबर धोखाधड़ी के लिए उपयोग होने वाले बैंक खातों (मुले खातों) का वास्तविक समय पर पता लगाने, धोखाधड़ी का पता लगाने और रोकथाम के लिए बैंक कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने और उन्हें बेहतर कौशल प्रदान करने, आम नागरिकों को धोखेबाजों के झांसे में न आने के लिए अधिक से अधिक प्रचार प्रसार करने और जागरूक करने के लिए ए आई/ एम एल समाधान सहित उन्नत तकनीकों को अपनाने के निर्देश दिए हैं। वित्तीय सेवा विभाग के सचिव एम नागराजू ने इसको लेकर आज डिजिटल वित्तीय धोखाधड़ी, विशेष रूप से मुले खातों के कारण बढ़ती चुनौती से निपटने के लिए रिजर्व बैंक, नाबार्ड, सरकारी, निजी और भुगतान बैंकों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। उन्होंने बैंकों को मुले खातों का पता लगाने और निगरानी को मजबूत करने के लिए रिजर्व बैंक द्वारा विकसित ए आई/एम एल संचालित मॉडल मुले हंटर डॉट ए आई का पता लगाने और उसे लागू करने के लिए भी प्रोत्साहित किया गया। बैठक में बैंकों से इन खातों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने, अत्याधुनिक उपकरणों का लाभ उठाने और अंतर-बैंक सहयोग को बढ़ावा देने का आग्रह किया गया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नागरिकों की गाढ़ी कमाई की सुरक्षा के लिए सक्रिय उपाय किए जाने की आवश्यकता है। नागरिकों के धन की सुरक्षा करना हमारी साझा जिम्मेदारी है।

इंडियन ऑयल ने जेल के कैदियों के लिये अपनी अग्रणी पहल का विस्तार किया

नयी दिल्ली। जेल के कैदियों और सुधार गृहों में रहने वाले बच्चों के जीवन को बेहतर बनाने की अपनी पहल को आगे बढ़ाते हुये सार्वजनिक क्षेत्र की दिग्गज पेट्रोलियम कंपनी इंडियन ऑयल ने 'परिवर्तन - जेल से गौरव' के चौथे चरण का शुभारंभ किया है। कंपनी की जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार इंडियन आयल के अध्यक्ष ए एस साहनी ने आज इंडियन ऑयल की इस पहले के चौथे और 'नयी दिशा - भविष्य को फिर से परिभाषित करना' के चरण छह का शुभारंभ किया।इस पहल में, इंडियन ऑयल 28 जेलों और 14 सुधार गृहों में 1650 से अधिक व्यक्तियों के जीवन में सुधार के कार्यक्रम चलाने जा रहा है। विज्ञप्ति में श्री साहनी के हवाले से कहा गया है कि उन्हें इस बात पर बेहद गर्व है कि इंडियन ऑयल कैदियों को दूसरा मौका दे रहा है और खेल के रूप में उन्हें उद्देश्य दे रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले 38 महीनों में, ये कार्यक्रम 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 150 स्थानों तक पहुँच चुके हैं। 7,300 से अधिक लोगों के जीवन प्रभावित हुये हैं और ये प्रयास इंडियन ऑयल के 'राष्ट्र पहले' के सिद्धांत के अनुरूप हैं, जो व्यवसाय से परे जाकर सबसे कमजोर लोगों की सहायता करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

पावरग्रिड ने आईआईटी रुड़की के साथ उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना के लिए किया समझौता ज्ञापन

गुरुग्राम। भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के अधीन 'महारत्न' केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पावरग्रिड) ने दिनांक 6 दिसंबर 2024 को आईआईटी रुड़की के साथ ?20.73 करोड़ के कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) योगदान के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते का उद्देश्य संस्थान के कंप्यूटर केंद्र में तीन अत्याधुनिक उत्कृष्टता केंद्रों (सीओई) को स्थापित कर प्रौद्योगिकी नवाचार को बढ़ावा देना है। इस एमओयू पर हस्ताक्षर पावरग्रिड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, श्री आर. के. त्यागी, निदेशक (कार्मिक), डॉ. यतीन्द्र द्विवेदी, निदेशक (प्रचालन), श्री नवीन श्रीवास्तव, निदेशक (परियोजनाएं) श्री वामसी राम मोहन बुर्रा, कार्यपालक निदेशक(सीसी-सीएमजी), श्री विक्रम सिंह भाल, कार्यपालक निदेशक(सीएसआर एवं दक्षिणी क्षेत्र -I) श्री ए. नागराजू, कार्यपालक निदेशक(सीटीयूआईएल), श्री जसबीर सिंह, आईआईटी, रुड़की के निदेशक, प्रो. के. के. पंत एवं संस्थान कंप्यूटर केंद्र के प्रमुख प्रो. सतीश कुमार पेड्डोजू तथा दोनों संगठनों के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में किये गए।

वित्त मंत्री ने किसान संघों और कृषि अर्थशास्त्रियों के साथ की बजट पूर्व दूसरी बैठक

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को नई दिल्ली में विभिन्न किसान संगठनों के प्रतिनिधियों और प्रमुख कृषि अर्थशास्त्रियों के साथ दूसरी बजट पूर्व परामर्श बैठक की। निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में ये बैठक केंद्रीय बजट 2025-26 की तैयारियों के तहत हुई।वित्त मंत्रालय ने 'एक्स' पोस्ट में यह जानकारी साझा करते हुए बताया कि केंद्रीय वित्त मंत्री ने आगामी केंद्रीय बजट 2025-26 के संबंध में विभिन्न किसान संघों और प्रमुख कृषि अर्थशास्त्रियों के साथ दूसरे बजट पूर्व परामर्श की अध्यक्षता की। परामर्श बैठक के दौरान केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी, वित्त सचिव और आर्थिक मामलों के विभाग और निवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग (डीआईपीएएम) के

वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।मंत्रालय के मुताबिक इस बैठक में कृषि क्षेत्र में प्रमुख चुनौतियों और अवसरों को समझने पर ध्यान केंद्रित किया गया। कृषक समुदाय के प्रतिनिधियों ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और किसानों के कल्याण में सुधार के उद्देश्य से नीतिगत बदलावों, बजटीय सहायता और सुधारों पर अपने सुझाव साझा दिए। कृषि अर्थशास्त्री टिकाऊ कृषि पद्धतियों, उत्पादकता वृद्धि और बाजार सुधारों पर भी वित्त मंत्री का ध्यान आकृष्ट किया। बजट पूर्व परामर्श की यह बैठक वित्त मंत्रालय द्वारा आयोजित बैठकों की श्रृंखला का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य एक व्यापक और समावेशी बजट के लिए विभिन्न क्षेत्रों के हितधारकों से इनपुट एकत्र करना है। इससे एक दिन पहले केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आगामी केंद्रीय बजट के लिए प्रमुख अर्थशास्त्रियों के इनपुट और सुझाव एकत्र करने के लिए पहली बजट-पूर्व बैठक की अध्यक्षता की थी।उल्लेखनीय है कि आगामी वित्त वर्ष 2025-26 का केंदीय बजट एक फरवरी, 2025 को संसद में पेश होने की संभावना है। यह निर्मला सीतारमण का लगातार आठवां बजट और मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का दूसरा पूर्ण बजट होगा। बजट से भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए एक नीतिगत दिशा मिलेगी।

आईआईएफएल होम फाइनेंस एनसीडी इश्यू के जरिए 500 करोड़ रुपये तक जुटाएगा

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। आईआईएफएल होम फाइनेंस लिमिटेड कंपनी ने 1,000 रुपये अंकित मूल्य वाले गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) के जरिए 500 करोड़ रुपये तक जुटाने की योजना बनाई है। कंपनी के प्रबंधन ने कहा कि इश्यू का बेस आकार 100 करोड़ रुपये है, जिसमें 400 करोड़ रुपये का ग्रीनशू विकल्प है। आईआईएफएल होम फाइनेंस लिमिटेड ने जारी बयान में बताया कि एनसीडी इश्यू आज खुल गया है, जो 19 दिसंबर को बंद होगा। कंपनी ने कहा कि जारी किए जा रहे डिबेंचर सुरक्षित हैं, उन्हें एए/स्थिर रेटिंग दी गई है। एनसीडी बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज एनएसई में सूचीबद्ध होंगे। आईआईएफएल फाइनेंस की सहायक कंपनी आईआईएफएल होम फाइनेंस लिमिटेड कंपनी ने बताया कि इश्यू प्राइस 1,000 रुपये प्रति एनसीडी है, जबकि न्यूनतम आवेदन आकार 10 डिबेंचर है। ऐसे में न्यूनतम आवेदन राशि 10,000 रुपये हो जाती है। कंपनी ने एनसीडी इश्यू का 20 फीसदी हिस्सा संस्थानों के लिए, 20 फीसदी गैर-संस्थागत कॉरपोरेट्स के लिए, 30 फीसदी हाई नेटवर्थ व्यक्तियों के लिए और 30 फीसदी खुदरा निवेशकों के लिए आरक्षित किया है।उल्लेखनीय है कि देश में खुदरा केंद्रित अग्रणी एनबीएफसी आईआईएफएल फाइनेंस अपनी सहायक कंपनियों के जरिए ऋण और बंधक प्रदान करता है। उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला और विशाल ग्राहक आधार के साथ, वे शाखाओं और डिजिटल चैनलों के माध्यम से पूरे भारत में काम करते हैं। कंपनी का फंड जुटाने का उद्देश्य भविष्य के विकास का समर्थन करना है, जो सरकार की सभी के लिए आवास पहल के अनुरूप है।

सर्राफा बाजार में सोने के भाव में गिरावट, चांदी की कीमत में बदलाव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में एक दिन की तेजी के बाद एक बार फिर सोने के भाव में गिरावट का रुख बन गया है। सोना आज 150 रुपये से 160 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हुआ है। इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 77,770 रुपये से लेकर 77,620 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 71,300 रुपये से लेकर 71,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बना हुआ है। चांदी के भाव में आज भी कोई बदलाव नहीं हुआ है। इस वजह से दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 92,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 77,770 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,300 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,620 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,670 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,200 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज

77,620 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,150 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,620 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 77,770 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 77,670 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 71,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 77,770 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना सस्ता हुआ है। तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 77,620 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

भारत आरसीईपी में शामिल होने पर पुनर्विचार नहीं कर रहा: पीयूष गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी (आरसीईपी) में शामिल होने पर विचार नहीं कर रहा है। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि भारत ने 2019 में मेगा मुक्त व्यापार समझौते आरसीईपी में शामिल नहीं होने का फैसला किया था, क्योंकि यह समझौता उसकी चिंताओं का समाधान नहीं कर रहा था और तब से इस स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने राज्यसभा में एक लिखित जवाब में यह बात कही। पीयूष गोयल ने कहा कि आरसीईपी की संरचना भारत के हितधारकों की महत्वाकांक्षाओं और चिंताओं को पर्याप्त रूप से संबोधित नहीं करती है। एक अन्य सवाल के लिखित जवाब में पीयूष गोयल ने कहा कि केंद्र ने ट्रंक इंफ्रास्ट्रक्चर पैकेज के विकास के लिए 28,602 करोड़ रुपये की 12 नई औद्योगिक स्मार्ट सिटी परियोजनाओं को मंजूरी दी है। वहीं, मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स ने 55 से अधिक विभिन्न उद्योगों में 16.6 लाख से अधिक प्रत्यक्ष नौकरियां पैदा कीं हैं। गोयल ने राज्य सभा में एक सवाल के लिखित जवाब में कहा कि

स्टार्टअप इंडिया पहल के तहत, सरकार स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के विकास और वृद्धि तथा देश में रोजगार सृजन को बढ़ाने के लिए लगातार विभिन्न प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने 28 अगस्त, 2024 को ट्रंक इंफ्रास्ट्रक्चर पैकेज के विकास के लिए 28,602 करोड़ रुपये (भूमि लागत सहित) की कुल परियोजना लागत के साथ 12 नई औद्योगिक स्मार्ट सिटी परियोजनाओं को मंजूरी दी है। उल्लेखनीय है कि क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी (आरसीईपी) समझौते पर 10 आसियान सदस्यों ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम और उनके छह मुक्त व्यापार समझौता साझेदारों ऑस्ट्रेलिया, चीन, भारत, जापान, दक्षिण कोरिया और न्यूजीलैंड के बीच बातचीत चल रही है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 1.51 अरब डॉलर बढ़कर 658.09 अरब डॉलर पर

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर अच्छी खबर है। लागातार आठ हफ्ते के बाद विदेशी मुद्रा भंडार में इजाफा हुआ है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 29 नवंबर को समाप्त हफ्ते में 1.51 अरब डॉलर बढ़कर 658.09 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने बताया कि 29 नवंबर को समाप्त हफ्ते में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 1.51 अरब डॉलर बढ़कर 658.09 अरब डॉलर रहा है। इससे पिछले हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार 1.31 अरब डॉलर की गिरावट के साथ 656.58 अरब डॉलर रहा था। इसके भी पिछले हफ्ते विदेशी मुद्रा भंडार में रिकॉर्ड 17.76 अरब डॉलर की गिरावट दर्ज हुई थी। आंकड़ों के मुताबिक 29 नवंबर को समाप्त हफ्ते के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार का अहम घटक माने जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 2.06 अरब डॉलर बढ़कर 568.85 अरब डॉलर पर पहुंच गया। हालांकि, इस दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 59.5 करोड़ डॉलर घटकर 66.98 अरब डॉलर रहा लेकिन विशेष

आहरण अधिकार (एसडीआर) 2.2 करोड़ डॉलर उछलकर 18.01 अरब डॉलर रहा। रिजर्व बैंक के अनुसार अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष के पास भारत का आरक्षित भंडार 2.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.25 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। उल्लेखनीय है कि सितंबर महीने के अंत में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 704.88 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था।

आम चुनाव के कारण दूसरी तिमाही में आई थी आर्थिक वृद्धि दर में गिरावट: वित्त मंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली।केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में भारत की आर्थिक वृद्धि दर में गिरावट वित्त वर्ष की शुरुआत में हुए आम चुनावों के कारण आई थी, न कि कोई प्रणालीगत मुद्दा था। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि तीसरी अक्टूबर-दिसंबर तिमाही की वृद्धि खोई हुई गति की भरपाई कर देगी।

सीतारमण ने राजधानी नई दिल्ली में भारत-जापान फोरम 2024 में यह बात कही। सीतारमण ने कहा कि चुनावी साल की पहली तिमाही के दौरान, खर्च धीमा हो जाता है क्योंकि केंद्र और राज्य प्रशासन चुनावी प्रक्रिया पर ध्यान केंद्रित करते हैं, यह दूसरी तिमाही के विकास आंकड़ों में परिलक्षित होता है। उन्होंने

कहा कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही आर्थिक वृद्धि दर में आई सुस्ती 'प्रणालीगत' नहीं है। तीसरी तिमाही में बेहतर सार्वजनिक व्यय के साथ आर्थिक गतिविधि इस नरमी की भरपाई कर सकती है। हालांकि, उन्होंने माना कि विकसित अर्थव्यवस्थाओं में उपभोग मांग में स्थिरता भारत के निर्यात के लिए चिंता का विषय है। वित्त मंत्री ने कहा कि कुछ उतार-चढ़ाव के बावजूद देशों के बीच संबंध मजबूत और स्थिर स्तर पर बने रहते हैं, जब लोगों से लोगों और व्यवसाय से व्यवसाय के बीच संपर्क सुरक्षित, मज़बूत और गहरे होते हैं। नई दिल्ली में भारत-जापान फोरम 2024 में 15वें वित्त आयोग के अध्यक्ष एनके सिंह भी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 की जुलाई-सितंबर तिमाही में देश का सकल घरेलू उत्पाद पिछले सात तिमाहियों के निचले स्तर 5.4 फीसदी की दर से बढ़ा है। वहीं अप्रैल-जून पहली तिमाही में आर्थिक वृद्धि दर 6.7 फीसदी रही थी।

गोल्ड बुलियन के लिए भी जरूरी होगी हॉलमार्किंग, 2025 में आ सकता है फैसला

एजेंसी

नई दिल्ली। गोल्ड ज्वेलरी की हॉलमार्किंग के बाद अब केंद्र सरकार ने गोल्ड बुलियन (बार) की हॉलमार्किंग को भी अनिवार्य करने की तैयारी कर ली है। माना जा रहा है कि 2025 की शुरुआत में ही इस संबंध में अधिसूचना जारी की जा सकती है। इस अधिसूचना में गोल्ड बुलियन के साथ ही 9 कैरेट तक की गोल्ड ज्वेलरी के लिए भी हॉलमार्किंग को अनिवार्य करने का आदेश जारी किया जा सकता है।

अभी तक भारत में गोल्ड बार या तो बीआईएस रिफाइनरी में तैयार किया जाता है या फिर उनका इंपोर्ट किया जाता है। इन दोनों तरीकों से मार्केट में पहुंचने वाला गोल्ड बार सर्टिफाइड होता है और उसमें धोखाधड़ी की गुंजाइश नहीं होती है। इसके अलावा सर्राफा बाजार में रीसाइकिल्ड गोल्ड बार भी मिलते हैं। रीसाइकिल्ड गोल्ड बार को पुरानी ज्वेलरी से बनाया जाता है। इसके साथ ही कई बार बड़े गोल्ड बार की रीसाइकलिंग करके कम मात्रा के गोल्ड बार भी बनाए जाते हैं। रीसाइकिल्ड गोल्ड बार में धोखाधड़ी होने की आशंका होती है, क्योंकि इनका सर्टिफिकेशन नहीं होता है। यही वजह है कि केंद्र सरकार ने अब गोल्ड बुलियन की हॉलमार्किंग को अनिवार्य करने का मन बना लिया है। बताया जा रहा है कि पहले चरण में 100 ग्राम तक के गोल्ड बुलियन (बार) के लिए हॉलमार्किंग अनिवार्य की जाएगी। इसके बाद अगले 1 से 2 साल की अवधि में चरणबद्ध तरीके से 5 ग्राम तक के गोल्ड बुलियन के लिए इसे अनिवार्य कर दिया जाएगा।इसके साथ ही 9 कैरेट गोल्ड से बने आभूषणों के लिए भी हॉल मार्किंग को अनिवार्य करने की तैयारी कर ली गई है। अभी तक 14 कैरेट गोल्ड से बनने वाले आभूषणों के लिए हॉलमार्किंग अनिवार्य है, लेकिन देश के ग्रामीण और कई पिछड़े इलाकों में 9 कैरेट की गोल्ड ज्वेलरी भी बेची जाती है। ऐसे में उपभोक्ताओं को धोखाधड़ी से बचाने के लिए केंद्र सरकार ने अब 9 कैरेट गोल्ड ज्वेलरी के लिए भी हानि हॉल मार्किंग को अनिवार्य करने का मन बना लिया है। जानकारों का कहना है कि सोने की कीमत में पिछले 2 साल की दौरान जोरदार तेजी आई है। ऐसी स्थिति में ग्राहकों को 14 कैरेट से नीचे स्तर की गोल्ड ज्वेलरी के लिए भी हॉलमार्किंग का विकल्प मिलना चाहिए, ताकि उनके साथ ठगी ना हो सके। इस संबंध में इंडियन बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के सेक्रेटरी सुरेंद्र मेहता का कहना है कि गोल्ड बुलियन और 9 कैरेट तक की गोल्ड ज्वेलरी के लिए हॉलमार्किंग करने का फैसला करके केंद्र सरकार सही दिशा में काम कर रही है। इससे उपभोक्ता सोने की शुद्धता को लेकर निश्चित हो सकेंगे और उनके साथ धोखाधड़ी नहीं हो सकेगी। सुरेंद्र मेहता का दावा है कि इंडियन बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन ने ही केंद्र सरकार के समक्ष गोल्ड बुलियन और 9 कैरेट गोल्ड ज्वेलरी पर हॉलमार्किंग करने का प्रस्ताव रखा था, जिसे अब सरकार मंजूरी देने जा रही है।

मोबिक्विक का आईपीओ 11 दिसंबर को खुलेगा, प्राइस बैंड 265-279 रुपये प्रति शेयर

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। वन मोबिक्विक सिस्टम्स लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) निवेशकों के लिए 11 दिसंबर को खुलेगा। कंपनी ने इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 265-279 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी के शेयर 18 दिसंबर को शेयर बाजार में लिस्ट होंगे।

कंपनी ने जारी एक बयान में बताया कि मोबिक्विक का आईपीओ सब्सक्रिप्शन 13 दिसंबर को बंद होगा। कंपनी की योजना इस आईपीओ के जरिए 572 करोड़ रुपये जुटाने की है। गुरुग्राम स्थित फिनटेक कंपनी वन मोबिक्विक सिस्टम लिमिटेड का आईपीओ पूरी तरह से एक नया इश्यू है, जिसमें ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) नहीं है। कंपनी के मुताबिक निवेशक इसमें न्यूनतम 53 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 53 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं। खुदरा निवेशकों के लिए न्यूनतम निवेश राशि 14 हजार 787 रुपये है।कंपनी इश्यू से प्राप्त कुल इनकम का उपयोग अपने वित्तीय सेवा व्यवसाय में जैविक वृद्धि के वित्तपोषण के लिए 150 करोड़ रुपये और भुगतान सेवा व्यवसाय में जैविक वृद्धि के वित्तपोषण के लिए 135 करोड़ रुपये, डेटा एमएल एवं एआई और उत्पाद और प्रौद्योगिकी में अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) निवेश के लिए 107 करोड़ रुपये तथा इसके भुगतान उपकरण व्यवसाय के पूंजीगत व्यय के लिए 70.28 करोड़ रुपये करेगी।

आरबीआई ने किसानों को दी बड़ी सौगात, बिना ब्याज मिलेगा 2 लाख रुपये का लोन

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने किसानों को बड़ी सौगात दी है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने किसानों के लिए बिना किसी गारंटी के 2 लाख रुपये का तक का लोन मुहैया कराने की घोषणा की है। फिलहाल ये सीमा 1.6 लाख रुपये है। रिजर्व बैंक गवर्नर शक्तिकांत दास ने मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की समीक्षा बैठक में लिये गए फैसले की जानकारी देते हुए बताया कि मुद्रास्फीति और कृषि में उपयोग होने वाले कच्चे माल की लागत में वृद्धि के मद्देनजर गारंटी मुक्त कृषि ऋण की सीमा को 1.6 लाख रुपये से बढ़ाकर दो लाख रुपये करने का निर्णय किया गया है। शक्तिकांत दास ने कहा कि रिजर्व बैंक ने बढ़ती महंगाई से परेशान किसानों को राहत देने के उद्देश्य से ये फैसला लिया गया है।

शेयर बाजार में तेजी पर लगा ब्रेक, मामूली गिरावट के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले पांच दिनों से जारी तेजी पर ब्रेक लग गया। आज के कारोबार की शुरुआत मामूली बढ़त के साथ हुई थी। सुबह 10 बजे के करीब रिजर्व बैंक की मॉनेटरी पॉलिसी का ऐलान होने के बाद बाजार की चाल में कुछ देर के लिए उतार-चढ़ाव दिखा, लेकिन इसके बाद शेयर बाजार लगातार सीमित दायरे में ही कारोबार करता रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.07 प्रतिशत और निफ्टी 0.12 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए।आज दिन भर के कारोबार के दौरान मेटल, कंज्यूमर ड्युरेबल्स और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक खरीदारी होती रही। इसके साथ ही एफएमसीजी, टेलीकॉम और पीएसयू बैंक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। आईटी, मीडिया और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में आज बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में आज आमतौर पर तेजी का माहौल बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.36 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.60 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के बावजूद स्मॉलकैप और मिडकैप शेयरों में हुई खरीदारी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 1 लाख लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 459.23 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 458.17 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.06 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा नुकसान हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,088 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,399 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,590 शेयरों में गिरावट का रुख रहा। घरेलू बाजार में 99 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,483 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,484 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 999 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 14 शेयर बढ़त के साथ और 16 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 21 शेयर हरे निशान में और 29 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 121.69 अंक की बढ़त के साथ 81,887.54 अंक के स्तर पर खुला। शुरुआती कारोबार में मामूली उतार-चढ़ाव के बाद सुबह 10 बजे के करीब रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति आते ही ये सूचकांक बिकवाली के दबाव में 259.67 अंक की कमजोरी के साथ 81,506.19 अंक तक गिर गया। इसके थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक ने हरे निशान में वापसी कर ली। इसके बाद ये सूचकांक पूरे दिन सीमित दायरे में ही कारोबार करता रहा। दिन भर हुई खरीद बिक्री के बाद सेंसेक्स 56.74 अंक के गिरावट के साथ 81,709.12 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 21.05 अंक की तेजी के साथ 24,729.45 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। सुबह 10 बजे मौद्रिक नीति पेश होने के बाद ये सूचकांक भी 87.90 अंक टूट कर 24,620.50 अंक तक गिर गया, लेकिन इसके बाद खरीदारी के सपोर्ट से इसने भी थोड़ी ही देर में हरे निशान में वापसी कर ली। पूरे दिन के कारोबार के बाद निफ्टी 30.60 अंक की कमजोरी के साथ 24,677.80 अंक के स्तर पर बंद हुआ। आज दिन भर हुई खरीद बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से टाटा मोटर्स 3.06 प्रतिशत, बजाज ऑटो 2.34 प्रतिशत, एक्सिस बैंक 1.56 प्रतिशत, मारुति सुजुकी 1.21 प्रतिशत और एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस 1.17 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, अडाणी पोर्ट्स 1.41 प्रतिशत, सिप्ला 1.39 प्रतिशत, भारती एयरटेल 1.08 प्रतिशत, एचडीएफसी लाइफ 1.03 प्रतिशत और एशियाई पेंट्स 0.92 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

धमनियों पर धावा बोल चुके कोलेस्ट्रॉल का नेचुरली अंत कर सकते हैं ये 5 पत्ते, हार्ट पर संकट होगा खत्म! बिना पैसा तगड़ा फायदा

हाई कोलेस्ट्रॉल हमारी जिंदगी के लिए बेहद नुकसानदेह है. लेकिन अगर इन 5 तरह के पत्ते का सेवन किया जाए तो तेजी से इसका अंत हो सकता है.

कोलेस्ट्रॉल मोम की तरह चिपचिपा पदार्थ है जिसे लिवर बनाता है. जब हम फैट वाली चीजें खाते हैं तो इसका अवशोषण होता है और इससी कोलेस्ट्रॉल बनता है. हार्मोन को बनाने और डाइजेशन के लिए हमें कोलेस्ट्रॉल की जरूरत होती है लेकिन जब यह जरूरत से ज्यादा होने लगे तो यह धमनियों में चिपकने लगता है. इससे हार्ट की ओर जाने वाले खून का रास्त संकरी या बंद होने लगता है. जब खून हार्ट तक नहीं पहुंचेगा तो इससे हार्ट अटैक, स्ट्रोक, हार्ट फेल्योर, कार्डिएक अरेस्ट का खतरा ज्यादा हो जाएगा. इसलिए इस बेरहम चीज को शरीर से हटाना जरूरी है. आमतौर पर आजकल के गलत लाइफस्टाइल के कारण अधिकांश लोगों में हाई कोलेस्ट्रॉल रहता है. इसे हटाने के नेचुरल तरीके का इस्तेमाल ज्यादा बेहतर होगा. आइए जानते हैं इन नेचुरल पत्तों के बारे में जिनसे कोलेस्ट्रॉल कम हो सकता है.

इन 5 पत्तों को करें शामिल

1. पुदीना का पत्ता- टीओआई की खबर के मुताबिक पुदीना का पत्ता न सिर्फ कोलेस्ट्रॉल बल्कि कई और समस्याओं का अंत कर सकता है. इससे डाइजेशन को बूस्ट किया जा सकता है और यूरिक एसिड की समस्या को भी कम किया जा सकता है. पुदीना का पत्ता कोलेस्ट्रॉल को तेजी से मेटोबोलाइज कर देता है. इससे कोलेस्ट्रॉल एनर्जी में बदल जाता है.

2. मेथी के पत्ते-मेथी के पत्ते में भी अद्भुत गुण है. मेथी हाई कोलेस्ट्रॉल को कम करने क पावरफुल घरेलू नुस्खा है. इसमें सॉल्यूबल फाइबर होता है जो आंत में बाइल एसिड को बांध कर हाई कोलेस्ट्रॉल को कम कर देता है.

3. करी पत्ता-करी पत्ता आपने साउथ इंडियन खाने में बहुत खाया होगा लेकिन यदि आप इसे आदत बना लें तो कई बीमारियां यूं ही कंट्रोल हो सकती है. करी पत्ता में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो आंत में ही फैट को तेजी से एब्जॉर्व करने लगता है इससे कोलेस्ट्रॉल तेजी से पिघलने लगता है. करी पत्ता से यूरिक एसिड भी कम हो सकता है.

4. नीम का पत्ता-नीम का पत्ता कड़वी ही सही लेकिन खून तो साफ करता है. यह कहावत आपने काफी सुनी होगी लेकिन नीम का पत्ता खून साफ करने के लिए खून से कोलेस्ट्रॉल को भी निकाल देता है. यह लिवर फंक्शन को बूस्ट करता है. नीम के पत्ते में पाए जाने वाले कंपाउड एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को कम करता है और एचडीएल को बढ़ाता है.

5. तुलसी का पत्ता-तुलसी का पत्ता सिर्फ पवित्र भर नहीं बल्कि इसमें औषधीय गुणों की भी कोई कमी नहीं है. स्टडी में पाया गया है कि तुलसी के पत्ते का सेवन करने से कोलेस्ट्रॉल कम होता है. इसमें पाए जाने वाला एंटीऑक्सीडेंट्स ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करता है जिसके कारण कोलेस्ट्रॉल लेवल कम हो जाता है.

नफरती भाषणों, अल्पसंख्यकों के दानवीकरण का तेजी से बढ़ता ग्राफ

चुनावों का मुख्य नारा योगी आदित्यनाथ की भाजपा को भेंट थी। नारा था %बटेंगे तो कटेंगे%। सन्देश यह था कि हिन्दुओं को एक रहना चाहिए। उनकी बात का समर्थन करने हुए भाजपा के पितृ संगठन आरएसएस के दत्तात्रेय होसबले ने कहा, %महत्वपूर्ण बात यह है कि अगर हिन्दू एक रहेंगे तो यह सबके लिए अच्छा होगा। हिन्दू एकता स्थापित करने की संघ ने शपथ ली है।आरएसएस-भाजपा और उनसे जुड़े संगठन हर मौके का उपयोग अल्पसंख्यकों के दानवीकरण के लिए करते आए हैं. यद्यपि नफरत फैलाने वाले भाषण देना अपराध है, और उसके लिए सजा का प्रावधान भी है मगर अधिकांश मामलों में दोषियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होती. पिछले एक दशक से एक सांप्रदायिक पार्टी के सत्ता में होने के कारण नफरत-भरी बातें खूब कही जा रही हैं. इससे धार्मिक अल्पसंख्यकों के बारे में आम लोगों में नकारात्मकता का भाव जड़ पकड़ रहा है. व्हाट्सएप समूहों में जिस तरह की बातें होती हैं और आम मानसिकता जैसा बनती जा रही है, उससे ऐसा लगता है कि अल्पसंख्यकों से नफरत करना एकदम सामान्य बात है. इसकी जड़ में है नफरत फैलाने वाला तंत्र, जिसके चलते नकारात्मक सामाजिक धारणाएं विकसित होती हैं और बंधुत्व व सामाजिक सद्भाव की अवधारणाओं- जो भारतीय संविधान के तीन मूलभूत आधारों में से एक हैं - को धक्का पहुंचता है।कई नए मसले उठाए जा रहे हैं. बल्कि अब बात सिर्फ मसले उठाने तक सीमित नहीं रह गई है. अब तो सीधे कार्रवाई का आह्वान किया जा रहा है। जो बातें कही जा रही हैं वे गलत धारणाओं पर आधारित हैं और सामाजिक विभाजन को और गहरा करती हैं। %हम दो, वो पांच, उनके पच्चीस% और %राहत शिविर बच्चे पैदा करने की फैक्ट्रियां हैं% जैसे नारों और वक्तव्यों में इस तरह की धारणाएं जोड़ दी गईं हैं जैसे मुग़ल बादशाह बाहरी थे, उन्होंने हिन्दुओं के साथ अन्याय किया था, मंदिर तोड़े थे और तलवार की दम पर इस्लाम फैलाया था। अब यह भी कहा जा रहा है कि मुसलमानों को उनके कपड़ों से पहचाना जा सकता है, कि वे हमारी गौमाता के हत्यारे हैं और यह कि वे लव जिहाद के ज़रिये हमारी लड़कियों और महिलाओं को अपने जाल में फंसा रहे हैं। अब तो जिहाद की पूरी सीरीज बन गई है जिसमें लैंड जिहाद और वोट जिहाद शामिल हैं।सन् 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार के दौरान मोदी ने नफरत फैलाने वाले भाषण देने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी। ह्यूमन राइट्स वाच के अनुसार, चुनाव के दौरान मोदी ने नफरत फैलाने वाले 110 भाषण दिए. रिपोर्ट कहती है, %मोदी ने अपने भाषणों में इस्लामोफोबिक (इस्लाम के प्रति डर पैदा करने वाली) बातें कहीं। इसका एक उद्देश्य अपने राजनैतिक विपक्ष पर हमला बोलना था, जिसके बारे में मोदी ने कहा कि वह मुसलमानों के अधिकारों को बढ़ावा देता है। और दूसरा उद्देश्य दुष्प्रचार के द्वारा बहुसंख्यक हिन्दू समुदाय में मुसलमानों के प्रति डर का भाव पैदा करना था।मोदी के भाषणों का एक और नमूना भी उतना ही डरावना है। मुसलमानों को आरक्षण देने के प्रस्ताव को कांग्रेस द्वारा मुसलमानों का तुष्टीकरण बताते हुआ मोदी ने कहा- %यह भारत के इस्लामीकरण और उसके टुकड़े-टुकड़े करने के घृणित प्रयासों का हिस्सा है। जब यूपीए सरकार सत्ता में आई, तब भी उसने ऐसे ही प्रयास किये थे। चाहे जस्टिस वर्मा समिति की रिपोर्ट हो या सच्चर समिति की। ये सब पिछड़ा वर्गों, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के आरक्षण को लूटने के कांग्रेस के प्रयास थे।हाल में झारखण्ड और महाराष्ट्र में हुए विधानसभा चुनावों में नफरत फैलाने वाले भाषणों ने सभी सीमाएं पार कर लीं। भाजपा के हेमंत बिस्वा सरमा के प्रचार का प्रमुख मुद्दा था राज्य में कथित तौर पर मुस्लिम घुसपैठियों का प्रवेश। भाजपा द्वारा जारी एक निहायत ही घिनौने विज्ञापन में दिखाया गया था कि एक बड़ा मुस्लिम परिवार, एक हिन्दू घर पर हल्ला बोल पर उस पर कब्ज़ा जमा रहा है। हम सब जानते हैं कि झारखण्ड की कोई अंतरराष्ट्रीय सीमा नहीं है। फिर आखिर वे मुसलमान कौन हैं जो हिन्दू घर पर कब्ज़ा कर रहे हैं? अलबत्ता एक नयी चीज़ जो इस बार हुई वह यह थी कि चुनाव आयोग ने उस विज्ञापन को हटाने का आदेश जारी किया। मगर यह वीडियो उसके स्त्रोत (जहां से उसे हटा दिया गया) के अतिरिक्त अन्य स्थानों पर तो हो ही सकता है। एक अन्य भड़काऊ प्रचार यह था कि मुसलमान, आदिवासी लड़कियों से शादी कर आदिवासियों की ज़मीनों पर काबिज हो रहे हैं। इस आरोप को साबित करने के लिए कोई आंकड़े उपलब्ध नहीं थे। मगर इससे क्या? लोगों को बांटने का उद्देश्य तो पूरा हो रहा था। नारा यह दिया गया कि मुस्लिम घुसपैठिये, आदिवासियों से उनकी रोटी, बेटी और माटी छीन रहे हैं। और यह वक्तव्य हमारे प्रधानमंत्री का था!

इन चुनावों का मुख्य नारा योगी आदित्यनाथ की भाजपा कोभेंट थी। नारा था बटेंगे तो कटेंगे। सन्देश यह था कि हिन्दुओं को एक रहना चाहिए। उनकी बात का समर्थन करने हुए भाजपा के पितृ संगठन आरएसएस के दत्तात्रेय होसबले ने कहा, महत्वपूर्ण बात यह है कि अगर हिन्दू एक रहेंगे तो यह सबके लिए अच्छा होगा। हिन्दू एकता स्थापित करने की संघ ने शपथ ली है।आदित्यनाथ के बटेंगे तो कटेंगे के नारे को थोड़ा संशोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने एक हैं तो सेफ हैं का नारा दिया। उनके कहने का मतलब यह था कि हिन्दुओं को अगर अल्पसंख्यकों, जो उनके लिए खतरा हैं, से सुरक्षित रहना है तो उन्हें एक होना होगा।महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने लैंड जिहाद और वोट जिहाद की बात की, और अन्य नारों के अलावा, यह भी कहा कि भारत जोड़ो यात्रा में अर्बन नक्सल और अति-वामपंथी लोग शामिल हुए थे।इस सबके नतीजे में हुए सांप्रदायिक ध्रुवीकरण का मतदान पर जो असर हुआ वह साफ़ दिख रहा है। सामाजिक सोच में बदलाव भी सब देख सकते हैं। व्हाट्सएप समूहों और हिन्दू घरों के ड्राइंगरूमों में इन दिनों होने वाली चर्चा भी इसकी गवाह है।क्रस्टोफ़ जैफ़रलॉट एक मेधावी अध्येता हैं, जिन्होंने हिन्दू राष्ट्रवाद के उत्थान का गंभीर और बारीक अध्ययन किया है। उन्होंने मार्च-अप्रैल 2024 में सीएसडीएस द्वारा किए गए अध्ययन को उद्धृत किया है। इस अध्ययन में हिन्दुओं से मुसलमानों के बारे में उनकी राय पूछी गई थी। अध्ययन से सामने आया कि अधिकांश हिन्दू मानते हैं कि मुसलमान उतने विश्वसनीय नहीं होते जितने कि अन्य लोग होते हैं, उनका तुष्टीकरण हो रहा है, आदि, आदि। इस अध्ययन से पता चलता है कि हमारा समाज, मुसलमानों के बारे में नकारात्मक सोच रखता है। अध्येता शायद हमें यह भी बता सकें कि पिछले कुछ दशकों में यह नकारात्मकता और गहरी, और गंभीर क्यों हुई है।मजे की बात यह है कि मोदी का दावा है कि वे सांप्रदायिक भाषण नहीं देते। चुनाव प्रचार में उनकी मुस्लिम-विरोधी टिप्पणियों के बारे में पूछे जाने पर मोदी ने पत्रकारों से कहा, %जिस दिन मैं (राजनीति में) हिन्दू-मुस्लिम की बातें करने लगूंगा, उस दिन मैं सार्वजनिक जीवन के लिए अयोग्य हो जाऊंगा। मैं हिन्दू-मुस्लिम कभी नहीं करूंगा। यह मेरा संकल्प है। कथनी और करनी में कितना अंतर हो सकता है!हिन्दुओं में व्याप्त गलत धारणाओं के कारण ही देश की फिजा में जहर घुल रहा है। इससे मुसलमान अपने मोहल्लों में सिमट रहे हैं और दूसरे दर्जे के नागरिक बनने के करीब पहुंच रहे हैं।इस विभाजन से कैसे निपटा जाए? हमें एक वैकल्पिक नैरेटिव को लोगों के बीच ले जाना होगा। हमें लोगों को हमारे स्वाधीनता संग्राम के मूल्यों और हमारी साझा और बहुवादी संस्कृति के बारे में बताना होगा। हमें उन्हें बताना होगा कि सभी धर्मों के लोगों ने कंधे से कन्धा मिलाकर आज़ादी की लड़ाई लड़ी थी और उसी लड़ाई के मूल्य हमारे संविधान का हिस्सा हैं।

संपादकीय

महायुति की राह कठिन रहेगी

सुप्रीम कोर्ट ने आदेश तो दिया था कि 26 नवम्बर तक हर हाल में महाराष्ट्र की सरकार बन जानी चाहिये, लेकिन शीर्ष अदालत की सीधी अवहेलना करते हुए भारतीय जनता पार्टी ने भरपूर समय लिया और समयसीमा खत्म होने के 9 दिन बाद आखिरकार गुरुवार को देवेन्द्र फडणवीस ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उनके साथ उप मुख्यमंत्री के रूप में पूर्व मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने भी शपथ ली। ढाई साल पहले एकनाथ शिंदे ने शिवसेना से अलग होकर न केवल भाजपा का साथ दिया था वरन मुख्यमंत्री पद भी पा लिया था। वहीं अजित पवार ने अपनी पार्टी राकांपा को तोड़कर उसके एक धड़े के साथ महायुति सरकार का हिस्सा बनना स्वीकार किया था। खुद फडणवीस, जो पहले दो बार मुख्यमंत्री बने थे, पार्टी के प्रति निष्ठा दिखलाते हुए इस दौरान एकनाथ शिंदे के साथ उप मुख्यमंत्री बनकर काम करते रहे। उनकी निष्ठा व धैर्य का पुरस्कार अंततः मिला और अब वे शिंदे के हाथ-पांव मारने तथा कई तरह की भाव-भंगिमाएं दिखाने के बावजूद राज्य का शीर्ष पद पाने में सफल हो गये। 288 सदस्यों वाली महाराष्ट्र विधानसभा के लिये 20 नवम्बर को मतदान हुआ था और नतीजे 23 निकले थे। इसमें भाजपा को 132 सीटें मिलीं और उसका दावा है कि 3 निर्दलीय विधायकों का भी उसे समर्थन है।देवेन्द्र फडणवीस तीसरी बार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बन गये हैं लेकिन सारी नारें पूर्व मुख्यमंत्री शिंदे पर बनी रहेंगी। इसका कारण है उनके बदले हुए तेवर। हालांकि चुनाव के पहले माना जा रहा था कि महायुति (भाजपा-शिंदे की शिवसेना-अजित पवार की एनसीपी) की जीत की गुंजाइश नहीं है लेकिन इस अप्रत्याशित जीत ने शिंदे के साथ अजित पवार के खेल को बिगाड़ दिया क्योंकि दोनों ही उम्मीद लगाये बैठे थे कि चाहे महायुति जीते या महाविकास आघाड़ी (कांग्रेस-उद्धव की शिवसेना-शरद पवार की एनसीपी)- किंगमेकर वे दोनों ही रहेंगे। दोनों की उम्मीद त्रिशंकु विधानसभा से थी लेकिन अब नयी सूरत में भाजपा के अलावा किसी की नहीं चल सकती। दोनों के पास भाजपा को समर्थन देने के अलावा कोई चारा नहीं रह जाता। अजित पवार ने परिस्थितियों को सिर झुकाकर स्वीकार कर लिया। ज्यादा सौदेबाजी किये बगैर उन्होंने नयी सरकार में वही पद स्वीकार कर लिया जो वे पिछली सरकार में (शिंदे के नेतृत्व वाली) सम्हालते थे।

शिंदे ने अलबत्ता शपथग्रहण के कुछ घंटे पहले तक रहस्य बनाए रखा कि वे सरकार में शामिल होंगे या नहीं। एकनाथ शिंदे ने जो तेवर दिखलाये उससे साफ है कि आगे भी वे भाजपा के लिये सरदर्द बने रहेंगे। जैसे ही तय हुआ कि भाजपा फडणवीस का नाम मुख्यमंत्री के लिए आगे बढ़ा सकती है, शिंदे बीमारी तथा चुनाव प्रचार की थकान का बहाना कर अपने सातारा स्थित गांव चले गये। दो दिनों के बाद लौटे तो उनकी नाराज़गी बरकरार थी। बुधवार की शाम फडणवीस उनके शासकीय आवास %वर्षा% बंगले पर गये जिसके बाद उन्होंने घोषित किया कि वे नयी सरकार को समर्थन देते रहेंगे। खुद के लिये किसी पद को लेने से इंकार कर दिया। हालांकि कहा जाता है कि उन्होंने केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह से दिल्ली में मुलाकात कर कहा कि उन्हें अगले 6 माह तक मुख्यमंत्री बना रहने दिया जाये जिसे केन्द्रीय नेतृत्व ने अस्वीकृत कर दिया, यह कहकर कि इससे भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच खराब संदेश जायेगा। शिवसेना (उद्धव) के मुखपत्र सामना में तो एक कार्टून छापा गया है जिसमें शाह के समक्ष शिंदे को गिड़गिड़ाते हुए दिखलाया गया है जिसमें शिंदे कह रहे हैं कि उन्हें इस पद पर 6 माह और रहने दिया जाये।गुरुवार की शाम को मुम्बई के ऐतिहासिक आजाद मैदान में नयी सरकार के शपथ ग्रहण समारोह का जो आमंत्रण पत्र बांटा गया है, उसमें शिंदे का नाम गायब बताया गया। दिन भर उन्हें मनाने की तरकीबें आजमाई जाती रहीं। लोगों ने मान भी लिया; और संकेत भी यही बताते हैं कि वे उपमुख्यमंत्री बनें या न बनें, उनकी नाराज़गी बनी रहेगी क्योंकि उन्होंने मुख्यमंत्री पद का स्वाद चख लिया है। वे यह भी जान गये हैं कि अगर वे फडणवीस के तहत उप मुख्यमंत्री बनते हैं तो उनकी गति भी अजित पवार जैसी ही होगी जो एक वक्त मुख्यमंत्री तो बनना तो चाहते थे लेकिन अब किसी भी तरह से मोल-भाव करने की स्थिति में नहीं हैं। इसलिये उन्होंने अपने सांसद बेटे श्रीकांत को भी उप मुख्यमंत्री बनाने या खुद के केन्द्र में कोई पद लेने के प्रस्ताव को भी अस्वीकार कर दिया। शिंदे के 57 विधायक हैं और 7 सांसद लोकसभा में हैं।

बुद्धिजीविता बनाम व्यक्ति निर्माण: संघ की दूरगामी दृष्टि

संघ न तो व्यक्ति को केवल बुद्धि आधारित जीवन जीने की शिक्षा देता है और न ही ऐसी किसी प्रवृत्ति को बढ़ावा देता है। अपनी प्रार्थना में संघ का स्वयंसेवक ऊसुशीलं जगद्येन नम्रं भवेत्ऊ कहकर ऐसा शुद्ध शील-चारित्र्य मांगता है जिसके समक्ष सम्पूर्ण विश्व नतमस्तक हो जाये।

हाल ही में आजतक के साहित्यिक मंच पर पत्रकार राहुल देव और कवि नरेश सक्सेना ने एक गंभीर सवाल उठाया। उन्होंने कहा, ÷आरएसएस सौ साल से बौद्धिक कर रहा है, किंतु आज तक ऐसा कोई बुद्धिजीवी नहीं पैदा कर पाया, जिसका नाम संघ के बाहर कोई जानता हो।÷ यह सवाल जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही विचारणीय भी। ऐसा कह इस कवि-पत्रकार द्वय ने अपने वैचारिक दिवालियेपन से समाज का परिचय कराया और यह बताया की ये बेचारे संघ की रीति और नीति से कितने अनभिज्ञ हैं। इन्हें यह समझना चाहिए की वामपंथ की तरह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ख़ालिस बुद्धिजीवी पैदा करने की फैक्ट्री नहीं है। संघ का उद्देश्य वास्तविक चरित्र-व्यक्ति निर्माण है, न कि बुद्धिजीविता से कुण्ठित भीड़ का सृजन। संघ न तो व्यक्ति को केवल बुद्धि आधारित जीवन जीने की शिक्षा देता है और न ही ऐसी किसी प्रवृत्ति को बढ़ावा देता है। अपनी प्रार्थना में संघ का स्वयंसेवक ÷सुशीलं जगद्येन नम्रं भवेत्÷ कहकर ऐसा शुद्ध शील-चारित्र्य मांगता है जिसके समक्ष सम्पूर्ण विश्व नतमस्तक हो जाये। संघ का उद्देश्य बुद्धि को बढ़ावा देना नहीं है, संघ विचार को बढ़ावा देता है। ÷विजेत्री च नः संहता कार्यशक्ति÷ कहकर हम विजयशालिनी संघठित कार्यशक्ति के द्वारा ÷परं वैभवं नेतुमेतत् स्वराष्ट्रं÷ यानि राष्ट्र के वैभव को उच्चतम शिखर पर पहुँचाने का सामर्थ्य मांगते हैं। संघ का हर कार्य आत्मभाव, समर्पण और त्याग पर आधारित है। संघ व्यक्ति निर्माण और चरित्र निर्माण का मंच है। इसका लक्ष्य हर स्वयंसेवक को भारत माता की सेवा के लिए तैयार करना है। संघ के लिए बुद्धिजीविता साध्य नहीं है, बल्कि यह समाज और राष्ट्रहित में कार्य करने वाले व्यक्तियों को तैयार करने का माध्यम है।

जाता है, लेकिन यह समझना आवश्यक है कि बुद्धिजीविता केवल क्षणिक परिवर्तन ला सकती है। इसके विपरीत, व्यक्ति निर्माण का प्रभाव दीर्घकालिक और समाज के हर क्षेत्र में सकारात्मक होता है। संघ बुद्धिजीविता की अल्पकालिक चमक के बजाय व्यक्ति निर्माण के दीर्घकालिक प्रभाव में विश्वास रखता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) इसी व्यक्ति निर्माण की दिशा में पिछले सौ वर्षों से कार्य कर रहा है।

पूर्व राज्यपाल आचार्य विष्णुकान्त शास्त्री जी कहा करते थे की बुद्धिजीवी का अर्थ है ऐसा व्यक्ति जो अपनी बुद्धि के आधार पर जीविका चलाता हो। जब बुद्धि के आधार पर जीविका चलाने को महिमामंडित किया गया, तब समाज में कई गंभीर समस्याएं उत्पन्न हुईं। बीते दशकों में यह सत्य भी होता दिखाई दिया है, डॉक्टरों ने मरीजों को केवल पैसा कमाने का साधन मान लिया, शिक्षकों ने कक्षाओं से गायब होकर ÷अर्बन नक्सल÷ बनने का रास्ता चुना और छात्रों ने ÷टुकड़े-टुकड़े गैंग÷ बनाकर समाज में विघटनकारी गतिविधियों को बढ़ावा दिया। वामपंथी बुद्धिजीविता ने समाज को हिंसा, विभाजन और अशांति के अलावा कुछ नहीं दिया। यह बुद्धिजीविता पूंजीवादी नेक्सस का हिस्सा बनकर समाज को खोखला करती है। वामपंथ ने श्रमिकों को ÷बुद्धिजीवी÷ बनने का सपना दिखाया, लेकिन इसके परिणामस्वरूप कलकत्ता से कानपुर तक औद्योगिक संयंत्र बंद हो गए। श्रमजीवी लोगों को दाने-दाने का मोहताज कर दिया। इस विचारधारा ने परिवार और सामाजिक मूल्यों को कमजोर किया और देशभक्ति व सांस्कृतिक चेतना पर भी आघात किया।

राहुल देव और नरेश सक्सेना को याद दिलाना चाहता हूं कि आज वह जिस बुद्धिजीविता का महिमा मंडन कर रहे हैं इस वामपंथी बुद्धिजीविता के राजनैतिक गढ़ त्रिपुरा को कुछ वर्ष पहले संघ के चार समर्पित स्वयंसेवकों श्री श्यामलकांति सेनगुप्ता, श्री दीनेंद्र डे, श्री सुधामय दत्त तथा श्री शुभंकर चक्रवर्ती ने अपने प्राणोत्सर्ग से उखाड़ फेंका। इन चारों को अपहरण 6 अगस्त 1999 को त्रिपुरा के कंचनपुर के वनवासी कल्याण आश्रम के छात्रावास से हुआ था और बाद में उनकी हत्या कर दी गई थी। आपकी सोने की बनी बुद्धिजीवी लंका को व्यक्तिनिर्माण की पूंछ ही जलाकर भस्म करती है। त्रिपुरा ने व्यक्ति निर्माण से आपकी बुद्धिजीविता को उत्तर दिया, आगे और भी नाम जुड़ेंगे।

वामपंथी और पूंजीवादी नेक्सस आज इतना मजबूत हो चुका है कि पूरी दुनिया इसके प्रभाव में है। राष्ट्र की संकल्पना में बुरु तरह विफल वामपंथी बुद्धिजीविता ने अब अपना रूप बदल समाज में भ्रम फैलाकर परिजीवी के रूप में पूंजीवाद को प्रश्रय दे रहा है। अमेरिका से भारत तक बुद्धिजीविता ने पूंजीवाद की दासी बनकर राजनीति और समाज में अपनी जगह बनाई। भारत से लेकर अमेरिका तक राष्ट्रभाव का उत्थान इन परिजीवियों के लिए संकट के रूप में खड़ा हुआ है इसलिए ये इतने बेचैन हैं।राहुल देव और नरेश सक्सेना का यह सवाल कि ÷संघ ने कोई बुद्धिजीवी क्यों नहीं पैदा किया?÷ उचित है और इस तरह से वामपंथी गिरोह के हरावल दस्ते के दो बेरोजगार सेनापति आज जब अपने पुराने बुद्धिजीवी अखाड़े में संघ को ललकार रहे हैं तो यह नास्टैल्जिया उनकी बेचारगी को प्रगट कर रहा है। राहुल देव और नरेश सक्सेना जी काश आप इस विषय पर भी विचार करते की जिस देश को तोड़ने के लिए आने वैचारिक पूर्वज लगे रहे और पाकिस्तान बनवाया तो उस पाकिस्तान में आपका बुद्धिजीवी अवशेष क्यों नहीं मिलता?

पुनः एक बार कहना चाहूँगा संघ बुद्धिजीवी पैदा करने का मंच नहीं है। यह एक सामाजिक और सांस्कृतिक यज्ञ है जिसमें सौ वर्षों से अनगिनत प्रचारकों, स्वयंसेवकों नें ÷मैं नहीं, तू ही÷ कह-कह कर स्व जीवन की आहुति दे दिया है। संघ का उद्देश्य व्यक्ति को राष्ट्रहित में कार्य करने के लिए तैयार करना है। संघ के चरित्रबल और कार्यों ने यह सिद्ध किया है कि समाज का उत्थान बुद्धिजीविता से नहीं, बल्कि नैतिकता और त्याग से होता है। वामपंथी बुद्धिजीविता जहां समाज में विभाजन और अशांति का कारण बनी है, वहीं संघ ने अपने सौ वर्षों के साधना से शांति, समरसता और राष्ट्रभक्ति का दीप जलाया है।

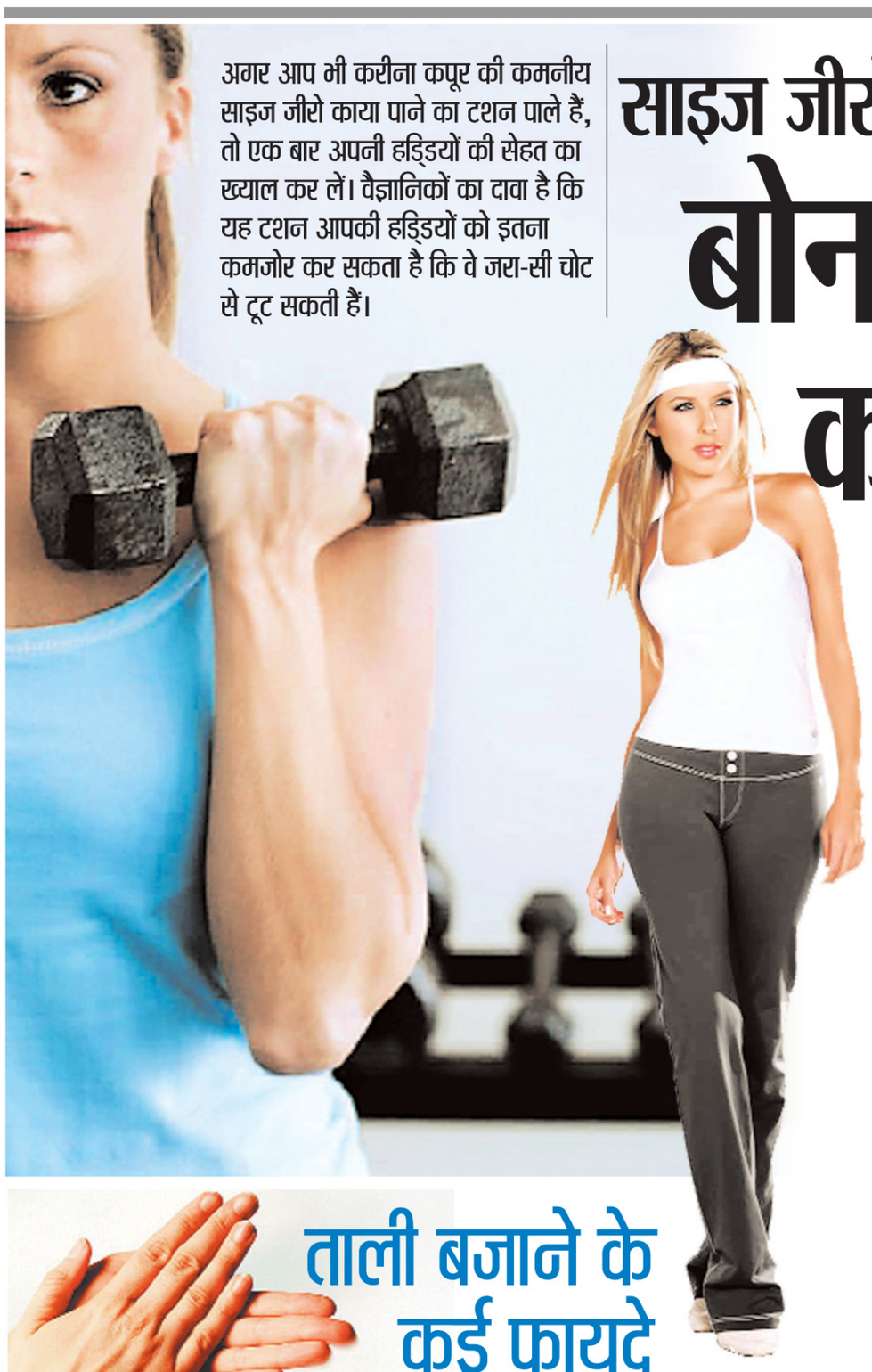

अगर आप भी करीना कपूर की कमनीय साइज जीरो काया पाने का टशन पाले हैं, तो एक बार अपनी हड्डियों की सेहत का ख्याल कर लें। वैज्ञानिकों का दावा है कि यह टशन आपकी हड्डियों को इतना कमजोर कर सकता है कि वे जरा-सी चोट से टूट सकती हैं।

साइज जीरो के टशन में बोन होंगी कमजोर

रिसर्चरों के हवाले से यह छापा है कि हड्डियों की मजबूती सीधे तौर पर फैट के लेवल से जुड़ी है। इसका मतलब है कि पतले होने का दबाव हड्डियों के टूटने के खतरे को बढ़ा सकता है। साइज जीरो का भूत लड़कियों और महिलाओं में ज्यादा चढ़ता है, जबकि रिसर्चर्स का कहना है कि उनमें हड्डियों का मजबूत होना ज्यादा जरूरी है, क्योंकि महिलाओं में हड्डियों के पतले होने या ऑस्टियोपरोसिस के अलावा कूल्हे की हड्डी टूटने का खतरा भी पुरुषों से तीन गुना ज्यादा होता है।

ब्रिस्टल यूनिवर्सिटी के चीफ रिसर्चर प्रो. जॉन टोबियस कहते हैं कि लड़कियों पर पतले होने का दबाव बहुत ज्यादा होता है, लेकिन उन्हें समझना जरूरी है कि यह उनके बढ़ते हुए शरीर के लिए खतरा है और ऑस्टियोपरोसिस के खतरे को और बढ़ा देता है। लोग यह मानते हैं कि एक्सरसाइज वजन कम करने और हड्डियां मजबूत करने का काम साथ-साथ करती है, लेकिन यह एक हद तक ही सही है। अगर आप पैदल चल रहे हों, तो आपका वजन कम होगा, लेकिन हड्डियों का मजबूत होना जरूरी नहीं है। एक्सरसाइज में दौड़ने या कूदने का विकल्प हड्डियों को कुछ मजबूती जरूर देता है।

ताली बजाने के कई फायदे

हमारे देश में आरती या भजन गाते समय ताली बजाने की जो प्रथा है। यह वैज्ञानिक है और शरीर और स्वास्थ्य के लिए बहुत ही लाभदायक है। ताली बजाने से न सिर्फ रोगों के आक्रमण से रक्षा होती है, बल्कि कई रोगों का इलाज भी हो जाता है।

हाथों से नियमित रूप से ताली बजाकर कई रोग दूर किये जा सकते हैं। प्रतिदिन यदि नियमित रूप से कम से कम 1 या 2 मिनट ताली बजाई जाए तो शरीर की नसों का व्यायाम हो जाता है, रक्त प्रवाह तेज होता है। लगातार ताली बजाने से मानव शरीर में रोग प्रतिरोधक शक्ति की वृद्धि होती है।

एक्यूप्रेशर चिकित्सा विज्ञान की दृष्टि से देखा जाए तो हाथ की हथेलियों में शरीर के सभी आन्तरिक उत्सर्जन संस्थानों के बिन्दु होते हैं व ताली बजाने से जब इन बिन्दुओं पर बार-बार दबाव पड़ता है तो सभी आन्तरिक संस्थान ऊर्जा पाकर अपना काम सुचारु रूप से करते हैं- जिससे शरीर स्वस्थ और निरोग बनता है। ताली बजाने से शरीर की अतिरिक्त वसा कम होती है, जिससे मोटापा कम होता है, शरीर के विकार नष्ट होते हैं, वात, पित्त, कफ का संतुलन ठीक रहता है। ताली बजाना मन की प्रसन्नता का भी प्रतीक है। इस कारण प्रसन्नता में ताली बजाई जाती है।

कम्प्यूटर पर काम करते समय

मॉनीटर को इस प्रकार से रखें कि मॉनीटर का टाप आपकी आंखों की सीध में आए। स्क्रीन के ही स्तर पर एक डाक्युमेंट होल्डर भी रखें।

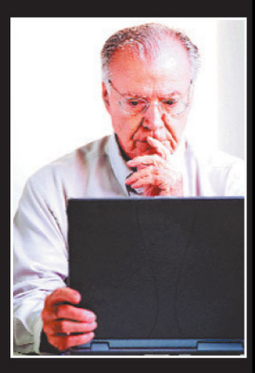

जानें अनार के औषधीय गुण

हृदय रोग में एथिरोस्क्लेरोसिस एक ऐसा रोग है, जिसमे धमनियों में जमाव (एथिरोमा) होने से धमनियों के दीवारे मोटी और कठोर हो जाती है, जिससे धमनी का रास्ता संकरा हो जाता है। इसमें रक्त के बहाव में रुकावट आती है। अनार धमनियों के अवरोध को खोलता है। यह तथ्य नवीनतम वैज्ञानिक खोजों से सिद्ध हो गया है। अनार रक्तवाहिनियों की आंतरिक लाइनिंग को अच्छा बनाते हुए रक्तचाप को संतुलित रखकर तथा एलडीएल से होने वाली हानि से बचाकर हृदय और रक्तवाहिनियों को सुरक्षा प्रदान करता है।

- धमनियों के अवरोधों को खोलने के लिए अनार का रस सदा सालों-साल 50 मिली, (आधा कप) पियें। शुरुआत में एक बार, फिर तीन बार पीते रहें या मीठे अनार खाते रहें।
- अनार के सेवन से ब्लड शुगर, एलडीएल या एचडीएल, कोलेस्ट्रोल लेबल पर भी कोई दुष्प्रभाव नहीं पड़ता। हृदय, गुर्दे और यकृत के कार्यों में भी कोई दिक्कत नहीं आती।
- हृदय की धड़कन को सुचारु रूप से चलने रहने नियंत्रित रहने हेतु 15 ग्राम अनार के ताजे पते बहूत बारीक पीसकर आधा गिलास पानी घोलकर छानकर पीयें। अनार का शरबत नित्य पीने से लाभ होता है।
- गर्भाशय का बाहर आना, क्रीमी होना, सोरायसिस, दाद, रक्तविकार इन समस्याओं में अनार के पते 4 किलोग्राम, ले कर पानी में धोकर छाया मं सुखाकर पीसकर बारीक छान ले, इसकी एक चम्मच पानी में नित्य एक बार फंकी लेते रहना लाभप्रद है।
- टीबी यानी राजयक्ष्मा) में अनार का रस लगातार पीने से लाभ मिलता है।
- 200 ग्राम तिल के तेल में अनार के पतों का रस एक किलो मिलाकर उबालें। उबालने पर जब तेल ही बचे तब ठंडा करके छानकर बोतल में भर लें।
- नित्य सोते समय इस तेल की मालिश से स्तन सुदृढ़ होते हैं। साथ में एक चम्मच अश्वगंधा चूर्ण गर्म दूध से सुबह-शाम लें।
- अनार के छिलके को सुखाकर बारीक पाउडर बनाकर गुलाब जल के साथ मिलाकर उबटन की तरह लगाने से त्वचा के दाग, चेहरे की झाइयां भी नष्ट हो जाती है। अनार छीलकर दाने निकलकर, सामान मात्रा में पपीते के गुदे में मिलाकर बारीक पीसकर चेहरे पर लेप करके आधे घंटे बाद धोएं।
- गर्भावस्था में उल्टी की समस्या से निजात पाने के लिए अनार खाएं, अनार का शर्बत पीएं, उल्टियां बंद हो जाएंगी। प्रात:काल अनार का रस पीने से उल्टी नहीं आती।
- अनार रक्तवर्धक है, इससे त्वचा चिकनी बनती है, रक्त-संचार बढ़ता है। यह मूर्च्छा में, हाइपरटेंशन, अम्लपित्त, एसिडिटी, मूत्र जलन, उलटी, जी-मचलना, खट्टी-डकारें, घबराहट, प्यास आदि में लाभप्रद है।

अनार को राजसिक फल भी कहते हैं। यह स्वादिष्ट मधुर, मीठा होता है और कई प्रकार के रोगों में औषधि के भी रूप उपयोग किया जाता है। इसके कुछ प्रमुख गुणों के बारे में आइए जानते हैं।

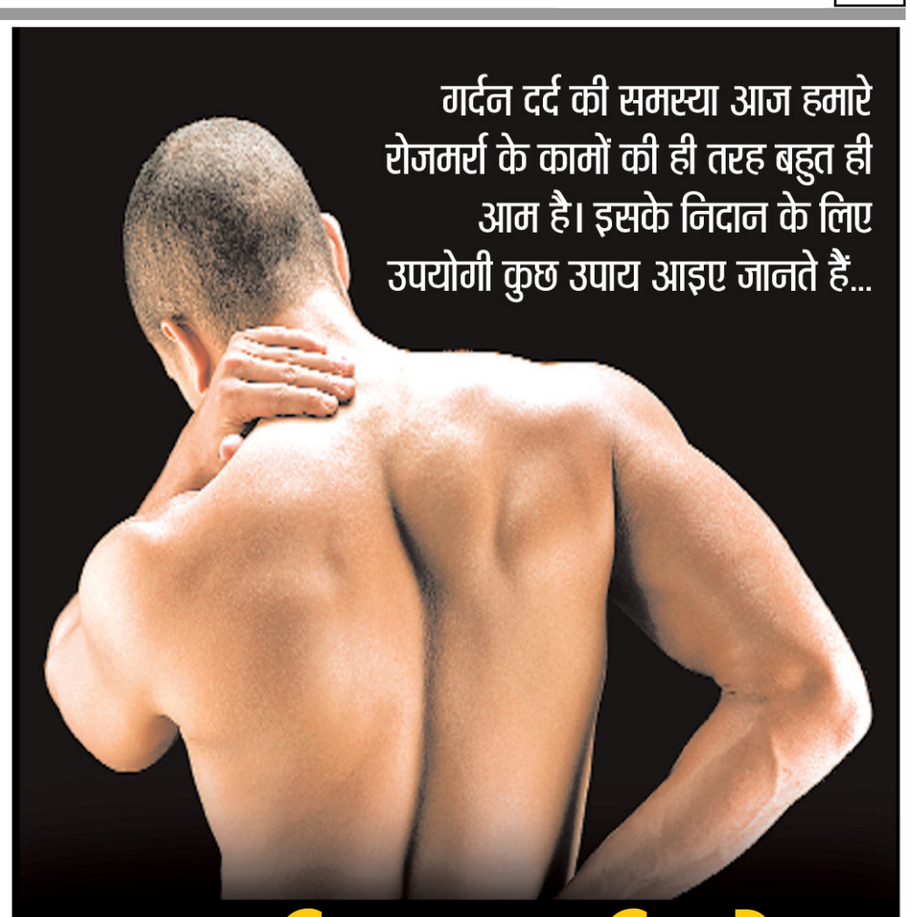

गर्दन दर्द की समस्या आज हमारे रोजमर्रा के कामों की ही तरह बहुत ही आम है। इसके निदान के लिए उपयोगी कुछ उपाय आइए जानते हैं...

गर्दन दर्द में कैसा करें व्यवहार

- गर्दन दर्द का कारण गर्दन को गलत दिशा में रखना तक हो सकता है। बहुत सी स्थितियों में गर्दन दर्द का कारक अधिक समय तक गर्दन की मांस पेशियों, लिगामेंट, टेंडन हड्डियों या जोड़ों का अधिक समय तक इस्तेमाल होता है।
- इसका कारण मांस-पेशियों और गले के जोड़ों में किसी प्रकार का सूजन या दबाव भी हो सकता है। सर्वाइकल स्पाइन में किसी भी प्रकार की चोट के कारण भी गर्दन दर्द हो सकता है, लेकिन ऐसा बहुत कम होता है।
- काम करते समय, पढ़ते समय, टी. वी. देखते समय या फोन पर बात करते समय गर्दन को अधिक समय तक आगे की ओर या गलत दिशा में रखना भी इस समस्या का जनक हो सकता है।
- ऐसी तकिया पर सिर रखकर सोना जो बहुत ज्यादा ऊंची या बहुत ज्यादा नीची हो, जिससे आपका सिर सही दिशा में ना रहता हो।
- अधिक समय तक चिंतक की स्थिति में बैठना। अधिक समय तक पेंटिंग का काम करना या शरीर के ऊपरी भाग का इस्तेमाल करने वाले काम करना।

अपनाएं ये उपाय

हालांकि गर्दन दर्द से बचने के बहुत से उपाय भी हैं जैसे आइस पैक लगाना, मसाज करना और दवाएं लेना, लेकिन सबसे अच्छा तरीका है बचाव की तकनीक अपनाना और निवारण, क्योंकि बचाव हमेशा इलाज से बेहतर होता है। हमारे शरीर के पोस्चर में थोड़ा सा भी परिवर्तन हमें दर्द से बचा सकता है।

सिर को सही मुद्रा में रखें

अपनी कुर्सी पर सीधा बैठ जाएं और अपने लोअर बैक को सपोर्ट दें। कुर्सी पर एक ही स्थिति में अधिक समय तक ना बैठें। गर्दन की मांस-पेशियों को आराम देने के लिए समय-समय पर छोटे ब्रेक लेते रहें।

हैडसेट या स्पीकर फोन का इस्तेमाल

अगर आप अधिक समय तक टेलीफोन का इस्तेमाल करते हैं तो ऐसे में आपको हैडसेट या स्पीकर फोन का इस्तेमाल करना चाहिए।

कार सीट की अपराइट पोजीशन

कार की सीट को अपराइट पोज़ीशन में रखने से आपके सर और लोअर बैक को सपोर्ट मिलेगा। ध्यान रखें ड्राइव करते समय आपको स्टीयरिंग व्हील तक पहुंचने में जहमत ना उठानी पड़े और आपके हाथ आराम की स्थिति में होने चाहिए।

सही तकिया का इस्तेमाल

विशेष तरह की सर्वाइकल तकिया जो ना बहुत ज्यादा ऊंची हो, ना बहुत ज्यादा नीची हो, उनसे गर्दन के दर्द से राहत मिलती है। तकिया को इस प्रकार रखें कि आपको किताबें हाथों में ना उठानी पड़े।

प्रापर लिफ्टिंग तकनीक से मिलेगी मदद

शरीर का भार घुटनों पर ना उठाकर पीठ के बल उठाना ज़्यादा अच्छा होगा और इससे गर्दन दर्द से भी आराम मिलेगा। तीव्र गर्दन दर्द से बचाव के लिए विशेषज्ञ स्वस्थ आदतें बनाने की सलाह देते हैं। ऑफिस या घर में तनाव से बचें, मसल रिलैक्सेशन एक्सरसाइज और मसाज से भी दर्द से राहत मिलती है। ऐसे में टहलने जैसे एरोबिक व्यायाम की भी सलाह दी जाती है। विशेषज्ञ ऐसी सलाह देते हैं कि धूम्रपान से घाव भरने में समय लगता है, क्योंकि इससे रक्त के संचय की गति धीमी हो जाती है और टिश्यूज के बनने में भी समय लगता है। गर्दन दर्द एक सामान्य समस्या है, जिसका कारण किसी प्रकार का संक्रमण, सर्वाइकल स्पाइनल स्टेनोसिस या यूर्मेटायड आर्थराइटिस हो सकता है। ऐसे में डॉक्टर से सम्पर्क करना और सही तरीके की चिकित्सा लेना ही अच्छा विकल्प है। हममें से बहुत से लोगों के लिए गर्दन दर्द व्यस्त जीवनशैली या बुरी मुद्रा का प्रतीक है। इसका समाधान निकालना भी एक दर्द है, इसलिए अच्छा होगा कि गर्दन दर्द के कारणों से बचें, क्योंकि सर्वाइकल कालर भी आज फैशन से बाहर है।

कहीं आप तो नहीं खा रहे फूल झाड़ू की घास से बना जीरा

जानें असली और नकली जीरा पहचानने का तरीका

बाजार में बिकने वाली तमाम मिलावटी चीजों में एक और नाम शामिल हो गया है और वह है जीरा। आपकी रसोई में इस्तेमाल होने वाला ये नकली जीरा फूल झाड़ू में प्रयोग होने वाली घास से बनाया जाता है। आप इस तरीके से पहचान सकते हैं असली व नकली जीरा।

मौजूदा समय में हम ऐसे माहौल में घिरे हैं, जहां दूध से लेकर मिठाइयों और सब्जियों में जमकर मिलावट की जा रही है। एक तरफ जहां पहले लोगों को त्यौहारों पर अपनी सेहत की चिंता होती थी, वहीं अब जरूरी खान-पान की चीजों में मिलावट ने लोगों को बाहर से सामान खरीदने पर सोचने को लेकर मजबूर कर दिया है। मिलावट के इस दौर में अगला नाम है आपकी रसोई में पाया जाने वाला जीरा। जी हां, जीरा आपने बिल्कुल ठीक पढ़ा। अगर आप भी इस बात को सुनकर हैरान हैं तो अब आपको इसे खरीदते वक्त सावधानी बरतनी होगी, क्योंकि बाजार में धड़ल्ले से नकली जीरा बिक रहा है।

जीरा न केवल आपकी रसोई में पाई जाने वाली एक साधारण सी खाद्य सामग्री है, बल्कि इसका इस्तेमाल सब्जियों के स्वाद को बढ़ाने और कई देशी दवाओं को बनाने में किया जाता है। सुबह उठकर खाली पेट जीरे का पानी पीने से आप बड़ी तेजी से वजन भी कम कर सकते हैं। दरअसल दिल्ली पुलिस ने नई दिल्ली के बवाना में नकली जीरा बनाने वाले गिरोह का भांडाफोड़ किया है। जीरा बनाने की नकली फैक्ट्री पर मारे गए इस छापे में पुलिस ने 20 हजार किलो तैयार नकली माल और आठ हजार किलो कच्चा माल जब्त किया है। इस गोरख धंधे का मास्टरमाइंड यूपी के शाहजहांपुर स्थित जलालाबाद का रहने वाला बताया जा रहा है।

कैसे बनता है नकली जीरा?

नकली जीरा बनाने के लिए फूल झाड़ू में प्रयोग होने वाली खास किस्म की घास का प्रयोग किया जाता था। इसके अलावा इसमें पत्थर के दाने भी मिलाए जाते थे। इसके साथ ही इसमें गुड़ के शीरे का भी इस्तेमाल किया जाता था। आपको बता दें कि जिस जंगली घास से फूल झाड़ू बनाई जाती है। वह उत्तर प्रदेश में पांच रुपए प्रति किलो मिलती है। ये घास नदियों के किनारे उगाई जाती है। इसकी पहचान करना इसलिए मुश्किल हो जाता है, क्योंकि इस घास में कई छोटी-छोटी पत्तियां होती हैं, जिसके कारण यह बिल्कुल जीरा जैसा लगता है और मिलावटखोर इसका फायदा उठाने में सफल हो जाते हैं।

ऐसे तैयार होता है नकली जीरा

नकली जीरा बनाने के लिए इस जंगली घास की पत्तियों को गुड़ के पानी में डाला जाता है। पानी में डालने के बाद उसे सुखाया जाता है, जिसके कारण इसका रंग जीरे जैसा हो जाता है। जब इस घास का रंग जीरे जैसा हो जाता है, तब इसे पत्थर के बने पाउडर में डालकर रख दिया जाता है। ऐसा करने के बाद इसे लोहे की एक बड़ी छलनी से छाना जाता है। नकली जीरे को असली रंग देने के लिए इसमें स्तरी पाउडर भी मिलाया जाता है।

20 रुपए किलो में मिलता है नकली जीरा

दिल्ली के कई बाजारों में इस नकली जीरे को दुकानदार 20 रुपए प्रति किलो की मात्रा में खरीदते हैं। जबकि असली जीरे का भाव बाजार में 300 रुपए प्रति किलोग्राम है।

सेहत के लिए हानिकारक है नकली जीरा

-नकली जीरा आपकी इम्युनिटी कमजोर करता है।

-इसके सेवन से स्टोन और त्वचा संबंधी समस्याएं भी हो सकती हैं।

कैसे करें नकली जीरे की पहचान?

असली और नकली जीरे में अंतर पहचानना ज्यादा मुश्किल नहीं है। इसकी शुद्धता की पहचान करने के लिए आप सबसे पहले एक कटोरी में पानी लें और इसमें जीरा डालें। पानी में डालते ही अगर जीरा रंग छोड़ने लगे और टूटना शुरू हो जाए तो समझ लीजिए कि आपकी रसोई में रखा जीरा नकली है। असली जीरा पानी में जाने के बाद वैसा ही रहता है। इसके साथ ही आप इन दोनों में कौन सा असली और कौन सा नकली है इसका पता इसकी खुशबू से भी लगा सकते हैं। असली जीरा में खुशबू होती है, जबकि नकली जीरे में खुशबू नहीं होती।

मच्छरों को भगाने के लिए ट्राई करें ये 6 घरेलू उपाय

जिन लोगों को मच्छर ज्यादा काटते हैं, वो लोग जानते हैं कि मच्छरों का आंतक छोटा नहीं होता। नींद खराब करने के अलावा मच्छर डेंगू, मलेरिया जैसी कई जानलेवा बीमारियां दे सकते हैं। ऐसे में घर में मच्छर भगाने के लिए कई डिवाइस, कॉयल पर पैसे फूंकने पड़ते हैं। वहीं, यह चीजें स्वास्थ्य के लिहाज से सही नहीं हैं। ऐसे में अगर आप मच्छर भगाने का घरेलू इलाज करना चाहते हैं, तो इन उपायों को अपना सकते हैं-

तेजपत्ता

सबसे पहले नीम के तेल में कपूर मिलाकर एक स्प्रे बॉटल में भर लें। अब इस मिश्रण का तेजपत्तों पर स्प्रे करें और तेजपत्ते को जला लें। तेजपत्ते का धुआं सेहत के लिए किसी भी प्रकार से हानिकारक नहीं है। इस धुंए के असर से आश्चर्यजनक रूप से घर के सभी मच्छर भाग जाएंगे।

अजवाइन और सरसों का तेल

सरसों के तेल में अजवाइन पाउडर मिलाकर इससे गत्ते के टुकड़ों को तर कर लें और कमरे में ऊंचाई पर रख दें। मच्छर पास भी नहीं आएंगे।

नीम के तेल का दीपक जलाएं

सोते समय कुछ दूरी पर, सिरहाने कपूर मिले नीम के तेल का दीपक जलाएं, इससे मच्छर आपके पास नहीं फटकेंगे।

नारियल तेल के साथ ये तेल भी करेंगे कमाल

नारियल तेल, नीम तेल, लौंग का तेल, पिपरमिंट तेल और नीलगिरी के तेल को आपस में समान मात्रा में मिलाएं और एक बॉटल में भरकर रख लें। रात में सोते समय त्वचा पर लगाएं और निश्चिंत होकर सो जाएं। यह तरीका बाजार की क्रीम से भी ज्यादा प्रभावशाली है।

पुदीना के पत्तों के रस का छिड़काव करें

पुदीने के पत्तों के रस का छिड़ाव करने से मच्छर दूर भागते हैं। इसे शरीर पर भी लगाया जा सकता है।

तुलसी के पत्तों का रस लगाएं

शरीर पर तुलसी के पत्तों का रस लगाने से मच्छर नहीं काटते हैं। आमतौर पर घरों में लगा तुलसी का पौधा मच्छरों को दूर रखता है।

शिमला मिर्च गुजिया

सामग्री

■ मैदा: 500 ग्राम ■ सूजी: 200 ग्राम ■ घी: मोयन के लिए ।

भरावन के लिए

■ शिमला मिर्च: 1/2किलो ■ आलू: 1/2किलो ■ बारीक कटा अदरक: 1 बड़ा चम्मच ■ बारीक कटी हरी मिर्च: 1 बड़ा चम्मच ■ जीरा: 1 चम्मच ■ चुटकीभर हींग ■ नमक: स्वाद के अनुसार ■ अमचूर: 1/2 चम्मच ■ गरम मसाला: 1/2चम्मच ■ पिसी धनिया: 1 चम्मच ■ बारीक कटा हरा धनिया: 1/2कप ■ तलने के लिए तेल।

विधि

मैदा-सूजी को मिला लें। चाहें तो हल्का-सा नमक भी डाल लें। मोयन डालकर मसलें। आवश्यकता के अनुसार पानी डालकर कड़ा आटा गूंथ लें। आलू और शिमला मिर्च को बारीक-बारीक काट लें। कड़ाही में 1 चम्मच तेल डालकर जीरा डालें। जीरा चटकने पर हींग, अदरक, आलू, शिमला मिर्च एवं नमक डालें। अच्छी तरह चलाकर ढक दें और धीमी आंच पर पकने दें। जब आलू गल जाएं तब शेष मसाले मिलाकर 1-2 मिनट और भूनें। भरावन सामग्री तैयार है। अब गुंथे हुए आटे की छोटी-छोटी पेड़ियां बनाएं। प्रत्येक पेड़ी को पतला गोल बेलें। भरावन सामग्री भरकर दोहरा मोड़ें। गुझिया के सांचे में रखकर दबाएं, जिससे किनारी बन जाए। बचे हुए मैदे को हटा दें। कड़ाही में तेल गर्म करें। धीमी आंच पर सुनहरी होने तक गुझिया तलें। चटनी के साथ गरम-गरम कैप्सिकम गुझिया सर्व करें।

मटर चाट

सामग्री

■ मटर: 250 ग्राम ■ प्याज : 2 बारीक कटा ■ टमाटर: 2 बारीक कटे ■ हरी मिर्च: 2-3 बारीक कटी ■ अदरक: 1 इंच टुकड़ा कद्दूकस किया हुआ ■ हल्दी पाउडर: 1 चम्मच ■ चाट मसाला: 1 चम्मच ■ जीरा पाउडर: 2 चम्मच ■ लाल मिर्च पाउडर: 1/2 चम्मच ■ नमक: स्वाद के अनुसार ■ इमली का रस: 2 चम्मच ■ दही: 4 चम्मच ■ सेव भुजिया: 100 ग्राम ■ हरी धनिया बारीक कटी

विधि

मटर को कुकर में 2 सीटी आने तक उबाल लें। अब एक बाउल में मटर डालें। जितने लोगों के लिए चाट बनाना है, उतने प्लेट में 4 से 5 चम्मच मटर डालें। इसके ऊपर कटा प्याज, टमाटर, हरी मिर्च, कद्दूकस किया अदरक, चाट मसाला, लाल मिर्च पाउडर, भूना जीरा पाउडर और स्वाद के अनुसार नमक डाल लें। इसके ऊपर सेव भुजिया या कोई भी नमकीन डाल सकती हैं। इमली की चटनी इसका स्वाद बढ़ाने के लिए डालें। अब बस ऊपर से कटी हरी धनिया डालकर गरमा-गरम सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): अपने काम को प्राथमिकता से करें। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-2-4-6

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र हैं। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, क्षुधता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन के लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-2-5-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान है, अत:वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-1-5-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): नये लोगों से मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। स्थान परिवर्तन की संभावना हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। शुभांक-2-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-2-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। पुराना विवाद समाप्त होगा। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-1-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): उत्साह में वृद्धि होगी। आलस्य का त्याग करें। नये आय के स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता हैं। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। शुभांक-3-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। शुभ कार्यों में व्यय होगा व हर्ष पूर्ण माहौल बनेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। धार्मिक यात्रा शुभ है। शुभांक-3-5-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। आज का परिश्रम आगे लाभ देगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-3-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-4-8

काकुरो पहेली - 2670

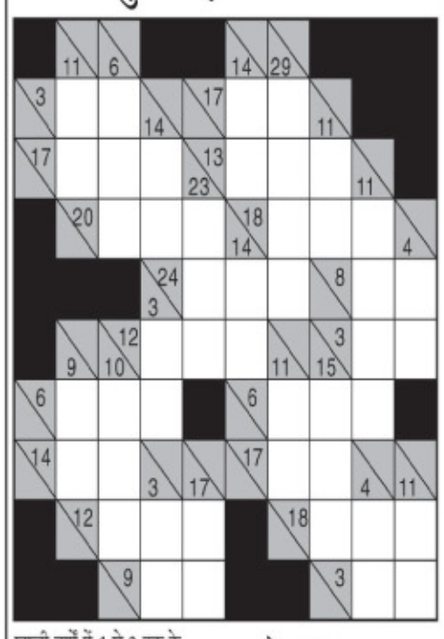

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

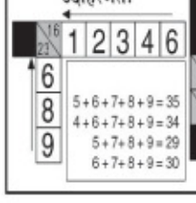

काकुरो - 2669 का हल

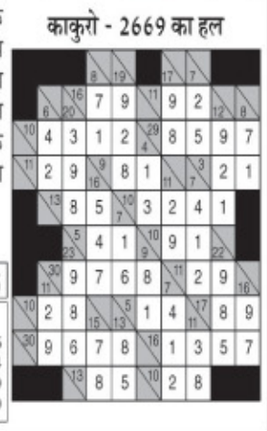

हंसी के फूव्वारें

ज्यादातर फिल्में शादी होने का दृश्य दिखाकर ही क्यों खत्म हो जाती हैं ?

ताकि शादी के बाद के दुखद दृश्य न देखने पड़ें.

नर्स, मैं तुमसे बेहद प्यार करता हूँ, मैं अब अच्छा नहीं होना चाहता.

नर्स बोली-तुम अब अच्छे हो भी नहीं सकते क्योंकि डॉक्टर भी मुझसे प्रेम करता है और उसने मुझे तुमसे प्यार करते हुए देख लिया है.

□ □ □

अविवाहिता-क्या तुम अपनी किसी सबसे बड़ी बेवकूफी का प्रमाण दे सकते हो?

अविवाहित-तुमने प्यार कर लिया, यह क्या छोटा प्रमाण है?

□ □ □

सुनीता-पता नहीं इस बार साड़ियों के कौन-कौन से नये डिजाइन निकलेंगे ?

मोहन-वही दो ! एक जो तुम्हें पसन्द नहीं आयेगा. दूसरा वह जिसे खरीदने के लिए मेरे पास रुपये नहीं होंगे.

□ □ □

एक पति ने अपनी घरवाली से पूछा-युधिष्ठिर भी जुआ खेले थे, फिर तू मुझे क्यों रोकती है ?

घरवाली ने कहा -नहीं रोकूंगी, लेकिन याद रखना कि द्रौपदी के भी पांच पति थे.

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2670

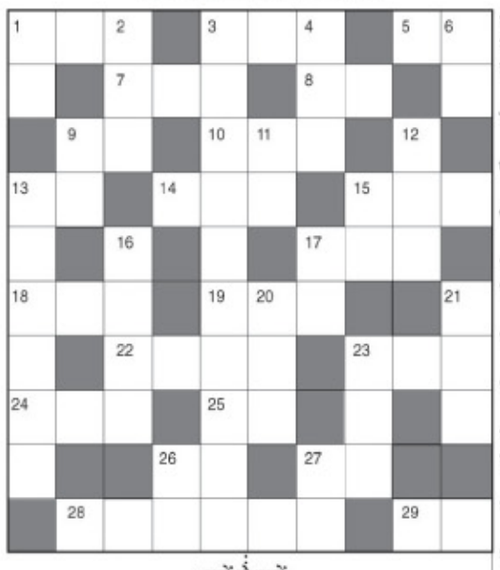

बायें से दायें:-

१. मनोजकुमार, साधना की 'तुम बिन जीवन कैसे बीता' गीतवाली फिल्म-३
३. 'चली सात फेरे लेकर' गीत वाली मिलिंद सोमण, विक्रम फिल्म-३
५. अभिषेक, उदय चोपड़ा, जॉन अब्राहम, रिमी सेन, ईशा देओल की फिल्म-२
७. 'हो जाता है प्यार' गीत वाली अमिताभ, हेमा मालिनी और प्राण की फिल्म-३
८. अनिलकपूर, जैकीश्रॉफ, अजय, मनीषा, रेखा, सोनाली, माधुरी की फिल्म-२
९. 'ना वादा करते हैं' गीत वाली सुनील शेट्टी, सोमी अली की फिल्म-२
१०. अनिलकपूर, पूनम ढिल्लों की 'मिली तेरे प्यार की छाँव' गीत वाली फिल्म-३
१३. शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या फिल्म-२
१४. अजय देवगन, विवेक, मनीषा की 'खाअस' गीत वाली फिल्म-३
१५. राजेंद्रकुमार, साधना की फिल्म-३
१७. फिल्म 'दोस्ताना' की नायिका थी-३
१८. 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली राजकुमार, धर्मेन्द्र की फिल्म-३
१९. शशिकपूर, जीनत अमान की एक फिल्म-३
२२. वी. आर. इशारा निर्देशित विजय अरोड़ा, रीनाराय की १९७२ की एक फिल्म-४
२३. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'दिले बेताब को सीने से' गीत वाली फिल्म-३
२४. अनिल, श्रीदेवी, रवीना की फिल्म-३
२५. आमिरखान, मनीषा की फिल्म-२
२६. १९७१ में बनी जीतेंद्र, डिम्पल कपाड़िया की श्याम रल्हन निर्देशित फिल्म-२
२७. 'मिजाजे गिरामी दुआ है आपकी' गीत वाली फिल्म-२
२८. फिल्म 'जांनशीन' में नायक-४,२
२९. शाहिद कपूर, करीना की 'दिल मेरे ना और' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'बंदा ये बिंदास है' गीत वाली फिल्म-२
२. विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
३. 'हाय हाय ये मजबूरी' गीत वाली मनोज कुमार जीनत अमान की फिल्म-२,३,२,३
४. फिल्म 'घर में श्याम गली में राम' में गोविंदा के साथ नायिका कौन थी-३
६. आफताब शिवदासानी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-२
९. 'बड़ी मुश्किल है खोया मेरा दिल है' गीत वाली शाहरूख, माधुरी की फिल्म-३
११. फिल्म 'इंडियन' में नायक कौन था-२
१२. मनोजकुमार की राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत फिल्मों में उनके किरदार का नाम है?-३
१३. राजेश, जया भादुड़ी की 'बरस गई रे तरस गई' गीत वाली फिल्म-२,१,३
१५. अक्षय, सुनील, जैकी, रवीना, लारा दत्ता की फिल्म-२
१६. जैकी श्रॉफ, फरहा की फिल्म-४
१७. 'शीशी भरी गुलाब की' गीत वाली रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-२
२०. करण दीवान, स्वर्णलता की 'अँखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'चलो दिलदार चलो' गीत वाली राजकुमार, मीनाकुमारीकी फिल्म-३
२३. हिमालय, भाग्यश्री की 'मुझको पायल नाम दिया' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली मनोज, धर्मेन्द्र, सायरा बानों की फिल्म-२
२७. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2669

सूडोकु -2670

7							4	
		5		3			7	
					8			2
					1	9		
	2						8	
		6	7					
1			4					
	9			2		5		
	8							1

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2669 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

शब्द पहेली - 2670

बाएँ से दाएँ

2.पिता की बहन-2
5.कठोर-2
7.खून,रुधिर-2
8.मशरुम,फफूंद-3,2
9.इसे मकड़ी बुनती है-2
10.अपशिष्ट पदार्थ-2
11.धैर्य,संयम-2
13.स्फूर्ति,चंचलता-4
15.ओस,निशाजल-4
17.राशि निर्धारण-5
18.हलकापन-5
20.खालीपन,रिक्तता-4
23.स्नान करवाना-4
26.दंड-2
27.कार्य-2
28.कुर्बानी-2
29.कहानी का लेखक-5
30.प्रतिबिंब-2
31.गाना,नगमा-2
32.मां की मां-2

ऊपर से नीचे

1.बंदूक की गोली-4
3.व्याकुलता-4
4.दौरान,मध्य में-5
5.सत्ताधारी-4
6.नरम,अकठोर-4
10.शराब,सुरा-2
12.ईश्वर-2
14.गतिशीलता-5
16.नवीन,नया -2,3
19.उद्योगपति अनिल अंबानी की पत्नी का पूर्व नाम-5
20.प्रतिपूर्त व अनुपूर्त करना (अंग्रेजी-4)
21.मवाद-2
22.नाजुकता-4
23.मना करना-4
24.मैं का बहुवचन -2
25.नाकारा,बेकार-4

शब्द पहेली -2669 का हल

स्वदेशी जागरण मंच ने की बांग्लादेशी उत्पादों के बहिष्कार की अपील

एजेंसी

कोलकाता। स्वदेशी जागरण मंच ने बांग्लादेश में हो रही घटनाओं की कड़ी निंदा की और भारत विरोधी गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए ठोस कदम उठाने का आह्वान किया। मंच के पूर्वी क्षेत्रीय सह संयोजक अमलान कुसुम घोष ने कहा कि बांग्लादेश में भारत विरोधी तत्वों का प्रभाव बढ़ रहा है, जो अंध भारत-विरोध के जरिए देश की छवि खराब कर रहे हैं। कोलकाता प्रेस क्लब में आज प्रेस कॉन्फ्रेंस में मंच के पूर्वी क्षेत्रीय सह संयोजक घोष ने कहा कि मंच ने बांग्लादेश से आने वाले उत्पादों और सेवाओं का पूरी तरह से बहिष्कार करने की अपील की है। इसके तहत बांग्लादेशी वस्त्र उद्योग को कमजोर करने के लिए भारत में कच्चे माल जैसे कपास की आपूर्ति पर रोक लगाने की बात कही गई। साथ ही, बांग्लादेशी नागरिकों को भारत में रोजगार न देने और उनके वेब सीरीज देखने या खरीदने पर भी रोक लगाने का आग्रह किया गया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बांग्लादेश में भारतीय ध्वज का अपमान और रवींद्रनाथ टैगोर की मूर्तियों को तोड़ने की घटनाओं की कड़ी आलोचना की गई। उन्होंने कहा कि यह केवल बांग्लादेश के आम लोगों पर अत्याचार नहीं है, बल्कि भारत के खिलाफ दुश्मनी को बढ़ावा देने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि भारत विरोधी काम बांग्लादेश भारत की आर्थिक मदद से कर रहा है, जो अस्वीकार्य है।

सेंट्रल जीएसटी एएस माइनिंग एंड मिनरल्स एलएलपी के ठिकाने पर रेड

रायपुर। सेंछत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में सेंट्रल जीएसटी के अधिकारियों की चार गाड़ियों में सवार टीम ने सुबह रायपुर के शंकर नगर वीआईपी स्टेट स्थित एएस माइनिंग एंड मिनरल्स कंपनी के कार्यालय में दबिश दी है।विभाग को लम्बे समय से टैक्स चोरी की शिकायत मिल रही थी।सीआरपीएफ के जवानों के साथ दो गाड़ियों में वित्त मंत्रालय के अधिकारी मनेन्द्रगढ़ के मित्तल काम्प्लेक्स में भी जांच कर रहे हैं, दस्तावेजों को खंगाला जा रहा है आधिकारिक सूत्रों से मिली जानकारी केअनुसार सुबह जीएसटी टीम के 12 अधिकारी और कर्मचारियों की टीम एएस माइनिंग एंड मिनरल्स कंपनी ऑफिस पहुंची और अपनी कार्यवाही शुरू कर दी ।जीएसटी के अफसर कंपनी के कार्यालय में मौजूद कागजात खंगाल रहे हैं, जिससे कंपनी का आय व्यय की जानकारी मिल सके। बताया जा रहा है कि कंपनी मालिक के घर से ही संचालित होती थी। यहां पर ऑफिस के साथ निवास भी है। एएस माइनिंग एंड मिनरल्स एलएलपी का कार्यालय दो महीने पहले ही खुला है।इस मामले को लेकर अभी कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है ।

संसद से लेकर संभल तक विपक्ष की सियासी होड़, भाजपा के दुष्यंत बोले- वोट बैंक के लिए संसद और शांति की बलि!

देहरादून। भाजपा प्रदेश प्रभारी और राष्ट्रीय महामंत्री दुष्यंत गौतम ने विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जो संसद चलनी चाहिए, उसे चलने नहीं देते और जहां जाना नहीं चाहिए, वहां दौड़ लगा रहे हैं। उन्होंने संभल जाने की विपक्ष की कोशिशों को मुस्लिम वोट बैंक को साधने की होड़ बताया। भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर पत्रकारों से बातचीत के दौरान दुष्यंत गौतम ने कहा कि विपक्ष की रणनीति संविधान, न्यायपालिका, मीडिया और जनता को कमजोर करने की रही है। उन्होंने कांग्रेस को टुकड़े-टुकड़े गैंग की सरगना बताते हुए कहा कि ये पार्टी हर बार संवैधानिक संस्थाओं और जनता का अपमान करती रही है। दुष्यंत गौतम ने संभल न जाने देने को लेकर विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि ये लोग वहां किससे मिलने जा रहे हैं? इनका उद्देश्य वहां शांति बहाल करना नहीं, बल्कि पत्थरबाजों और अशांति फैलाने वालों को समर्थन देना है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और विपक्ष को यह स्वीकार नहीं हो रहा कि वहां स्थिति सामान्य हो रही है।

सिंहस्थ में क्षिप्रा के जल से ही स्नान करेंगे संत-महंत और श्रद्धालुः मुख्यमंत्री डॉ.यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सिंहस्थ-2028 एवं आने वाले सिंहस्थों में संत-महंत और श्रद्धालु क्षिप्रा के जल से ही स्नान करेंगे। इसके लिए कान्ह डायवर्शन क्लोज डक्ट परियोजना, सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी मध्यम परियोजना और हरियाखेड़ी परियोजना के कार्य पूर्ण होने पर ये परियोजनाएं एकीकृत रूप से कार्य करेंगी। इन परियोजनाओं से तीन लक्ष्यों को एक साथ प्राप्त किया जाएगा। इन परियोजनाओं से पावन नदी क्षिप्रा स्वच्छ एवं प्रवाहमान होगी और इससे जिले को पेयजल भी निरंतर उपलब्ध होता रहेगा। यह देश-प्रदेश की पहली ऐसी परियोजना हैं, इसके संबंध में केन्द्र सरकार को भी अवगत कराया जाएगा।मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार शाम को उज्जैन में सिंहस्थ-2028 की जल आपूर्ति की कार्ययोजना एवं उनकी प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने और सभी कार्य समय-सीमा में पूर्ण करवाने के निर्देश दिए। बैठक में क्षिप्रा को स्वच्छ, अविरल, प्रवाहमान बनाने एवं क्षिप्रा नदी से जिले को पेयजल उपलब्ध कराने की कार्ययोजना की विस्तृत चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह एकीकृत परियोजनाओं की कार्ययोजना वर्ष 2055 तक की जनसंख्या को दृष्टिगत रखते हुए बनाई गई है।

हृदय को स्वस्थ रखने के लिए जीवन को आनंद व मस्ती में जियें : राजनाथ सिंह

एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के सांसद व केन्द्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में कार्डियोलाजिक सोसायटी आफ इण्डिया की ओर से आयोजित कान्फ्रेन्स का उद्घाटन किया। इस अवसर पर राजनाथ सिंह ने कहा कि हृदय को स्वस्थ रखने के लिए जीवन को आनंद व मस्ती में जियें। उन्होंने कहा कि मनुष्य को मन बड़ा करके काम करना चाहिए। अटल जी की पंक्तियां बोलते हुए कहा कि छोटे मन से कोई बड़ा नहीं होता, टूटे मन से कोई खड़ा नहीं होता। इसलिए जितना मन बड़ा करेंगे उतना ही आप सुखी रहेंगे और परमानंद की अनुभूति होगी। व्यक्ति का जब मन बड़ा होता है तो ईश्वर भी साथ देते हैं। देशभर से आये हृदय रोग विशेषज्ञों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी लोग अपना दिल मजबूत रखें। दिल कभी टूट जाता है

कभी लग जाता है कभी भटकने लगता है। कभी कुछ चाहने लगता है। चिकित्सकों से कहा कि वह मरीजों को शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के बारे में भी बतायें। रक्षामंत्री ने कहा कि हृदय रोग के बढ़ते मामलों को नियंत्रित करने के लिए जागरूकता और शोध की जरूरत है। बढ़ते मामलों पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि भारत में हृदय रोगों का बोझ तेजी से बढ़ रहा है। लगभग तीन करोड़ लोग हृदय रोग से पीड़ित हैं। आयुष्मान भारत योजना का जिक्र करते हुए कहा कि इससे रोगियों के इलाज में सहूलियत हो रही है।

इस अवसर पर राजनाथ सिंह ने नव चयनित हृदय रोग विशेषज्ञों को सम्मानित किया। डा. आदित्य कपूर ने राजनाथ? सिंह का स्वागत किया। इससे पहले चौधरी चरण सिंह अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर उतरने के बाद उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ राजनाथ सिंह का स्वागत किया। कार्डियोलाजिक सोसायटी आफ इण्डिया हृदय रोग विशेषज्ञों की संस्था है। इस संस्था का लखनऊ में यह पहला वार्षिक सम्मेलन है।

काशी विद्यापीठः कैम्पस प्लेसमेंट में 14 विद्यार्थी व्यक्तिगत साक्षात्कार के लिए चयनित

एजेंसी

वाराणसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के विश्वविद्यालय कैम्पस प्लेसमेंट सेल द्वारा इनोवेशन कम्स, प्रयागराज के सहयोग से आयोजित दो दिवसीय कैम्पस साक्षात्कार के पहले दिन 14 विद्यार्थियों का व्यक्तिगत साक्षात्कार के लिए चयन किया गया। सेल की समन्वयक प्रो. शेफाली वर्मा ठकराल ने जानकारी दी कि चयनित विद्यार्थियों का व्यक्तिगत साक्षात्कार 07 दिसंबर को पूर्वाह्न 1030 बजे बौद्ध भवन स्थित प्लेसमेंट हॉल में आयोजित होगा। उन्होंने बताया कि पहले दिन कुल 37 विद्यार्थियों ने साक्षात्कार प्रक्रिया में भाग लिया। कार्यदायी संस्था ने प्रतिभागियों के साथ प्री-प्लेसमेंट टॉक का आयोजन किया, जिसमें करियर की संभावनाओं और तैयारी के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। विद्यार्थियों के रेज्यूमे का परीक्षण और समूह चर्चा (ग्रुप डिस्कशन) के बाद कंपनी ने 14 विद्यार्थियों को अगले चरण के लिए चयनित किया। इस

आयोजन का संचालन सेवायोजन कार्यालय के करियर काउंसलिंग कार्यक्रम प्रभारी मदन लाल ने किया। कैम्पस प्लेसमेंट सेल की इस पहल ने विद्यार्थियों को रोजगार के सुनहरे अवसर प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

महाराष्ट्र में शीत सत्र से पहले होगा मंत्री समूह का विस्तार, 12 दिसंबर तक होने की संभावना

एजेंसी

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि नागपुर में 16 दिसंबर से होने वाले विधानमंडल के शीत सत्र से पहले मंत्री समूह का विस्तार हो जाएगा और नए मंत्रियों को शपथ दिला दी जाएगी। उन्होंने कहा कि सहयोगी दलों के बीच मंत्री पद पर चर्चा की जा रही है, जिसे जल्द सुलझा लिया जाएगा। भाजपा के अंदरुनी सूत्रों ने बताया कि महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में गठित भाजपा नीत एनडीए गठबंधन सरकार के मंत्री समूह का विस्तार 12 दिसंबर तक होने की संभावना है। इनमें भाजपा को 21-22 मंत्री पद मिलने की उम्मीद है, जबकि शिवसेना शिंदे समूह को 11 से 12 मंत्री पद और राकांपा एपी को नौ से 10 मंत्री पद मिल सकते हैं। महाराष्ट्र में एक कैबिनेट में मुख्यमंत्री सहित अधिकतम 43 मंत्री हो सकते हैं। इसलिए भाजपा और सहयोगी दलों में मंत्री पद और महत्वपूर्ण विभागों को लेकर आपस में चर्चा की जा रही है। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि शपथ लेने वाले मंत्रियों की संख्या पर अंतिम फैसला एक या दो दिन में लिया जाएगा। महाराष्ट्र विधानसभा

का तीन दिवसीय विशेष सत्र सात दिसंबर से मुंबई में होगा, जिसमें नव-निर्वाचित विधायक शपथ ग्रहण करेंगे और नए स्पीकर का चुनाव होगा।शनिवार से शुरू होने वाले विधानसभा के तीन दिवसीय विशेष सत्र में प्रोटेम स्पीकर के रूप में आज भाजपा विधायक कालिदास कोलंबकर को राज्यपाल ने शपथ दिलाई है। कालीदास कोलंबकर नए विधायकों को दो दिन में शपथ दिलाएंगे। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव 9 दिसंबर (सोमवार) को होगा। उसके बाद नई सरकार का विश्वास मत और दोनों सदनों के संयुक्त सत्र में राज्यपाल का संबोधन होगा। महाराष्ट्र विधानसभा का शीतकालीन सत्र 16 से 21 दिसंबर तक राज्य की उप राजधानी नागपुर में होगा। उससे पहले सरकार को इन सभी प्रक्रियाओं को पूरा करना आवश्यक है।

उप्र के कन्नौज में सड़क हादसा, आठ लोगों की मौत

एजेंसी

कन्नौज। उत्तर प्रदेश के कन्नौज जिले में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर डबल डेकर बस के खड़े वाटर टैंकर से टकरा जाने से आठ यात्रियों की मौत हो गई और 38 अन्य घायल हो गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सड़क हादसे पर दुख प्रकट करते हुए घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। मुख्यमंत्री ने घायलों के बेहतर इलाज के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित भी किया।

कन्नौज के पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने हादसे में आठ लोगों की मौत होने की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि यात्रियों को लेकर लखनऊ से दिल्ली जा रही डबल डेकर बस दोपहर को लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर सकरवा और सौरिख थाना के बीच माइल स्टोन-141 के पास खड़े वाटर टैंकर से टकराकर पलट गयी। हादसे में आठ लोगों की मौत हो गयी। उन्होंने बताया कि रास्ते में एक वाटर टैंकर खड़ा था जो प्लांट में पानी डाल रहा था। बस खड़े टैंकर से टकरा गया। घायलों को बेहतर इलाज मुहैया कराया जा रहा है। वहीं दूसरी बस मंगवाकर अन्य यात्रियों को रवाना कर दिया गया।

घटना के बारे में मृतकों के परिवार वालों को जानकारी दे दी गयी है। मृतकों की पहचान लखनऊ के गोमतीनगर निवासी गिरीश यादव, लखनऊ के बंगला बिहार निवासी धर्मेंद्र वर्षनी, अम्बेडकर नगर निवासी पूरन पटेल, दिल्ली निवासी अकाल, कन्नौज निवासी ऋषि यादव, रोहित यादव, चालक प्रेम और राहुल के रूप में हुई है। इनमें से कुछ लोगों के बारे में पुलिस को अभी कुछ जानकारी नहीं मिल सकी है। पुलिस के मुताबिक एक यात्री ने बताया कि वह लखनऊ से बैठा था। पूरी बस खचाखच भरी हुई थी। कन्नौज के पास पहुंचते ही अचानक बस कैसे टकरा गई, कुछ समझ में नहीं आया। लोगों को बहुत चोटें आई हैं। स्थानीय लोगों की मदद से हम लोग बाहर निकल पाए। लखनऊ के आलमबाग निवासी एक यात्री ने बताया कि बस में कम से कम 100 लोग सवार थे। राज्य के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने बताया कि जिस वक्त उनका काफिला गुजर रहा था, उसी दौरान यह हादसा हुआ। यह देख कर वे रुक गये। उनकी सूचना पर फौरन पुलिस अधीक्षक समेत अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिसकर्मियों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

विजय दिवस पर कोलकाता में नहीं आएंगे मुक्तियोद्धा, परंपरा टूटने के आसार

एजेंसी

कोलकाता। इस साल कोलकाता में भारतीय सेना द्वारा आयोजित विजय दिवस समारोह में बांग्लादेश के मुक्तियोद्धा और वहां के सैन्य अधिकारी शामिल नहीं होंगे। जबकि बांग्लादेश के मुक्तियोद्धा और वहां के सैन्य अधिकारी शामिल होने की परंपरा 1971 के भारत-पाक युद्ध में बांग्लादेश की स्वतंत्रता के बाद से चली आ रही है। भारतीय सेना के पूर्वी कमान की ओर से हर साल विजय दिवस पर 3-4 दिन तक कार्यक्रम आयोजित होते हैं। इसमें मुक्तियोद्धा, उनके परिवार, बांग्लादेशी सांसद और सैन्य अधिकारी भाग लेते थे। यह परंपरा बांग्लादेश की सत्ता में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के दौरान भी जारी रही।

इस बार पूर्वी कमान द्वारा जारी कार्यक्रम सूची में बांग्लादेशी प्रतिनिधिमंडल के दौरे का जिक्र नहीं

है। जब पत्रकारों ने इस पर सवाल किया तो मेजर जनरल मोहित सेठ, जनरल स्टाफ (एमजीजीएस), ने कहा, हम आपको जानकारी देंगे। मेजर जनरल सेठ ने बताया कि 1971 के युद्ध में भारतीय सेना ने मुक्ति वाहिनी को अपने अभियानों में शामिल किया। उन्होंने कहा, युद्ध से पहले पाकिस्तान ने ऑपरेशन सर्चलाइट के तहत बंगाली राष्ट्रवादियों पर अत्याचार किए। इसमें हजारों लोग मारे गए और लाखों को पलायन करना पड़ा। इनमें से कई शरणार्थी पश्चिम बंगाल पहुंचे।उन्होंने यह भी बताया कि भारतीय सेना ने बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान को पश्चिम पाकिस्तान की जेल से रिहा कराया था। राजनीतिक अस्थिरता बनी वजह-राजनीतिक और सैन्य विश्लेषकों का मानना है कि बांग्लादेश में हाल की हिंसा और अस्थिरता के चलते मुक्तियोद्धा सार्वजनिक रूप से सामने आने से बच रहे हैं।

इस साल पांच अगस्त को प्रधानमंत्री शेख हसीना को पद छोड़ने के बाद देश छोड़कर जाना पड़ा था। अगर मुक्तियोद्धा कोलकाता में विजय दिवस कार्यक्रम में शामिल होते हैं, तो उनकी पहचान उजागर हो सकती है। इससे उनके खिलाफ हिंसा का खतरा बढ़ जाएगा। इस कारण मुक्तियोद्धाओं की भागीदारी परंपरा इस बार टूट सकती है।

महुआ मोइत्रा के खिलाफ मुखर हुए तृणमूल के छह विधायक, ममता को पत्र लिख कर की शिकायत

एजेंसी

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा पर गंभीर आरोप लगाते हुए तृणमूल के छह विधायकों ने पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी से शिकायत की है। शिकायत करने वालों में महुआ के संसदीय क्षेत्र के पांच विधायकों और उनके पूर्व विधानसभा क्षेत्र करीमपुर के विधायक शामिल हैं। ममता को लिखे पत्र में करीमपुर के विधायक बिमलेंदु सिंहराय, चापड़ा के रुकबानुर रहमान, नकाशीपाड़ा के कल्लोल खां, पलाशीपाड़ा के माणिक भट्टाचार्य, कृष्णनगर दक्षिण के उज्ज्वल विश्वास और कलिगंज के नसीरुद्दीन अहमद ने हस्ताक्षर किए हैं। इन विधायकों का दावा है कि महुआ उन्हें नजरअंदाज कर ब्लॉक अध्यक्षों और बूथ अध्यक्षों के तबादले कर रही हैं। इसके साथ ही विपक्षी गुटों को बढ़ावा देने और अल्पसंख्यक क्षेत्रों में विवादास्पद लोगों के साथ गतिविधियों में शामिल होने जैसे मुद्दे शामिल हैं। शिकायत के अनुसार, महुआ पर यह भी आरोप है कि वह वर्तमान विधायकों को दरकिनार कर 2026 के विधानसभा चुनावों के लिए नए उम्मीदवारों को बढ़ावा देने की योजना बना रही हैं। इसके अलावा, पार्टी के कार्यक्रमों में उनकी गैरमौजूदगी और विधायकों के खिलाफ कार्रवाई को बढ़ावा देने का भी उल्लेख किया गया है। हालांकि इस बाबत ममता और महुआ की ओर से अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है।

अमृतसर में सहकार भारती का राष्ट्रीय अधिवेशन शुरू

एजेंसी

अमृतसर। सहकार भारती के आठवें राष्ट्रीय अधिवेशन का शुभ आरंभ गुरु की नगरी अमृतसर में राष्ट्रीय अध्यक्ष दीनानाथ ठाकुर व राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. उदय जोशी द्वारा सहकारिता ध्वजारोहण के साथ शुरू हो गया। प्रथम सत्र में मुख्य अतिथि गुजरात विधानसभा के अध्यक्ष शंकरभाई चौधरी उपस्थित रहे। इस अवसर पर दीनानाथ ठाकुर ने शंकरभाई चौधरी को श्रद्धेय लक्ष्मण राव इनामदार पुरस्कार से सम्मानित किया। सहकारिता को समर्पित सहकार भारती के राष्ट्रीय अधिवेशन में देशभर से 2500 से अधिक प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। सत्र को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष दीनानाथ ठाकुर ने कहा कि यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि पहली बार अमृतसर की पवित्र भूमि, जो सेवा की भूमि है,

वहां सहकार भारती का राष्ट्रीय अधिवेशन हो रहा है। सेवा की भावना को लेकर जागृत मन से एवं और अधिक ऊर्जा से अपने क्षेत्र में कार्यकर्ताओं को सहकारिता से उद्धार के लिए कार्य करना है। उन्होंने कहा कि 2021 में जब सहकारिता मंत्रालय की स्थापना हुई तो देश में सहकारिता के प्रति एक नई चेतना का निर्माण हुआ। इसके बाद सहकारिता क्षेत्र को नई प्रतिष्ठा मिली है और इस बात के लिए हम सभी को गौरवान्वित होना चाहिए कि इसके लिए सबसे अधिक योगदान सहकार भारती का रहा है। तीन दिवसीय मुख्य अतिथि गुजरात विधानसभा के अध्यक्ष शंकरभाई चौधरी ने कहा कि उनके लिए यह सौभाग्य का दिन है कि एक ऐसी संस्था जो समय अनुकूल, देशानुकूल है, उसने मेरे काम का सम्मान किया है। सहकार भारती का सम्मान यह स्मरण दिलाता है कि मुझको आगे और श्रेष्ठ कार्य करना है। आप सभी को विश्वास दिलाता हूं कि बनास डेरी आगे और भी अधिक लोक कल्याण का कार्य करेगी।

राष्ट्रीय महामंत्री उदय जोशी ने तीन वर्षों का महामंत्री प्रतिवेदन व्यक्त करते हुए कहा कि आज छह दिसम्बर का दिन बहुत विशेष है। यह संयोग है कि पंजाब की पुण्यभूमि, जिसकी स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका रही है और आज इसी धरती के महापुरुष पूजनीय गुरुतेगबहादुर जी का शहीदी दिन है तथा संविधान के निर्माता डॉ.अंबेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस है।

इस अवसर पर सहकार भारती की विशेष प्रदर्शनी का उद्घाटन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राष्ट्रीय सह-प्रचार प्रमुख प्रदीप जोशी ने किया। आयोजन में समाज सेवी एवं भारत के पूर्व राजदूत तरनजीत सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे।

तगड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच संपन्न हुई जुमे की नमाज, चप्पे-चप्पे अलर्ट रही पुलिस

एजेंसी

वाराणसी। शहर के ज्ञानवापी समेत कई मस्जिदों में जुमे की नमाज शांति पूर्वक संपन्न हुई। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था काफी पुख्ता रही। पुलिस के ओर से सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए थे।

बाबरी विध्वंस की बरसी और जुमे की नमाज को लेकर कमिश्नरेट पुलिस अलर्ट मोड पर रही। पुलिस के जवानों ने मस्जिदों के बाहर मोर्चा संभाला। पुलिस के ओर से चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा व्यवस्था तगड़ी रही। ड्रोन से पुलिस संवेदनशील क्षेत्रों में नजर रखी हुई है। तगड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच संपन्न हुई जुमे की नमाज, चप्पे-चप्पे अलर्ट रही पुलिस

पुलिस के ओर से श्री काशी विश्वनाथ धाम समेत आसपास के इलाके में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

किए गए थे। केंद्रीय सुरक्षा बलों ने भी ज्ञानवापी के आसपास मोर्चा संभाला रहा। वाराणसी के ज्ञानवापी, नई सड़क स्थित लंगड़ा हाफिज मस्जिद, नदेसर मस्जिद समेत प्रमुख कई मस्जिदों में शांतिपूर्वक तरीके से जुमे की नमाज पढ़ी गई।

भारतीय सैन्य अकादमी के दीक्षांत समारोह में 44 कैड्टस को मिली स्नातक उपाधि

एजेंसी

देहरादून। आर्मी कैडेट कॉलेज (एसीसी) विंग के 124वें कोर्स के विज्ञान और मानविकी स्ट्रीम के 44 कैड्टस को नई दिल्लीके जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की ओर से स्नातक डिग्री प्रदान की गईं। भारतीय सैन्य अकादमी के चेतवोड हॉल में आयोजित दीक्षांत समारोह में भारतीय सैन्य अकादमी एसएम कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल संदीप जैन ने कैड्स को बधाई दी और सेना अधिकारियों के रूप में उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर भारतीय सैन्य अकादमी एसएम लेफ्टिनेंट जनरल संदीप जैन ने सेना अधिकारियों के लिए आवश्यक गुणों पर बल दिया, जिनमें चरित्र, आत्म-अनुशासन, साहस और पेशेवर क्षमता शामिल हैं। उन्होंने कैडेटों को उनके कठोर प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने पर बधाई दी।

समारोह में चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ (सीओएएस) गोल्ड, सिल्वर और कांस्य मेडल भी कैडेट को प्रदान किए गए। विंग कैडेट कैप्टन कमलजीत सिंह गोल्ड मेडल, कैडेट एडजुटेंट लवजीत सिंह को सिल्वर मेडल और कैडेट शिवम उज्ज्वल को कांस्य मेडल दिया गया। इसके अलावा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कैडेट्स को सेवा, विज्ञान और मानविकी स्ट्रीम में प्रथम स्थान पर रहने के लिए रजत पदक से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के समापन पर बोगरा कंपनी को चैंपियन कंपनी का दर्जा देते हुए कमांडेंट बैनर से सम्मानित किया गया, जो खेल, शारीरिक प्रशिक्षण, शैक्षिक और सेवा प्रशिक्षण में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए दिया जाता है। इस अवसर पर लेफ्टिनेंट जनरल जैन ने ब्रिगेडियर पीयूष खुराना और उनके समर्पित टीम के प्रयासों की भी सराहना की, जिन्होंने इन कैडेटों को भविष्य के सेना अधिकारियों के रूप में तैयार किया।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में 5 हार्डकोर नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

एजेंसी

बीजापुर/रायपुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में नियद नेल्ला नार योजना से प्रभावित होकर 5 हार्डकोर नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है।इन सभी पर 11 लाख रुपये का इनाम घोषित था। बीजापुर पुलिस के अनुसार आज नक्सलियों के भेदभाव पूर्ण नीति और विचारधारा से परेशान होकर मुख्य धारा में जुड़ने और नियद नेल्ला नार योजना से प्रभावित होकर यहां 11 लाख रुपये के इनामी 5 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। इन नक्सलियों ने बीजापुर पुलिस अधीक्षक डॉ.जितेन्द्र यादव, सीआरपीएफ 202 कमांडेंट अमित कुमार, उप पुलिस अधीक्षक सुदीप सरकार व अन्य सीआरपीएफ व पुलिस के अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण किया है। समर्पण किये सभी नक्सली पुलिस पार्टी पर फायरिंग, लूट, हत्या, आगजनी जैसे बड़ी घटनाओं में शामिल रहे हैं आत्मसमर्पण करने णाले नक्सलियों में 8 लाख रुपये के इनामी (पीजीएलए) कंपनी नम्बर के 2 सदस्य, 2 लाख रुपये के इनामी गंगालूर एरिया कमेटी पार्टी सदस्य और एक लाख का इनामी जनताना सरकार अध्यक्ष शामिल है।

1. संतू कोड़मे-वर्ष 2013 में जीआरडी सदस्य. के पद पर संगठन में भर्ती हुआ। वर्ष 2015 में गंगालूर एरिया कमेटी अंतर्गत पीएलजीए सदस्य के पद पर कार्य किया। वर्ष 2018 से अब तक पश्चिम बस्तर डिवीजन में कंपनी नम्बर 02 के सदस्य के पद पर कार्य किया।

2. पायकू पूनेम -वर्ष 2017 में ग्राम पुसनार के बाल संगम सदस्य के पद पर संगठन में भर्ती हुआ। वर्ष 2019 में पीएलजीए सदस्य के पद पर संगठन में कार्य किया। वर्ष 2023 में गंगालूर एरिया कमेटी पार्टी सदस्य के पद पर कार्य किया।

3. गुडडू हपका-वर्ष 2007 में ग्राम पदेड़ा के बाल संगम सदस्य के पद पर संगठन में भर्ती हुआ। वर्ष 2015 में सीएनएम सदस्य के पद पर कार्य किया। वर्ष 2018 में सीएनएम अध्यक्ष के पद पर कार्य किया। वर्ष 2024 से अब तक पदेड़ा आरपीसी जनताना सरकार अध्यक्ष के पद पर कार्यरत था।

4. सोमारू माड़वी पिता गडडा निवासी पोनड़वाया, थाना कुटरू जिला बीजापुर-

वर्ष 2023 दिसम्बर में नेशलन पार्क एरिया कमेटी अन्तर्गत पीएलजीए सदस्य के रूप में संगठन में शामिल हुआ था।

अनेक गुणों की खान है नीम

सदियों से नीम को कई बिमारियों के इलाज के लिए प्रयोग में लाया जाता है। जब कोई डॉक्टर नहीं होता था तो वैद्य नीम के इस्तेमाल से कई प्रकार के उपयोगी दवाओं का निजात करते थे। इतना ही नहीं नीम वर्तमान युग में कैंसर जैसी जानलेवा बिमारी के निदान में महत्वपूर्ण स्थान रखता है, इसका खुलासा वैज्ञानिकों ने शोध द्वारा किया है। शोध में नीम की पत्तियों में एक विशेष कंपाउंड पाया, जो कैंसर सेल्स के साथ शरीर प्रतिरोधक क्षमता की लड़ाई को सहयोग देने में सक्षम है। कई मायनों में नीम का सेवन शरीर के लिए लाभकारी है।

एक जर्नल में प्रकाशित शोध में वैज्ञानिकों ने उन्नत चरण के सर्वाइकल कैंसर से पीड़ित 17 मरीजों की कैंसर सेल्स लेकर उस पर किए प्रयोग के नतीजे का खुलासा किया है। इस अध्ययन से उन्हें नीम की पली द्वारा कैंसर के विकास को रोकने के तरीके का पता चल गया।त्वचा रोगों के लिए जैविक दवा बेंगलूर जैव प्रौद्योगिकी कंपनी बायोकॉन ने पुराने त्वचा रोग के इलाज के लिए जैविक दवा पेश की है। इस दवा का शोध, विकास और विनिर्माण देश में किया गया है। कंपनी ने कहा है कि वह इस दवा को वैश्विक स्तर पर पहुंचाने के लिये वैश्विक सहयोगी को अंतिम रूप देने के लिये बातचीत कर रही है। बेंगलूर स्थित मेडिसिन कंपनी की चेयरपर्सन तथा प्रबंध निदेशक कहना है कि अलजुमाब नाम की दवा लंबे समय से चली आ रही त्वचा रोगों के इलाज के लिये है। यह अब देश में वाणिज्यिक रूप से उपलब्ध है। इसकी कीमत बाजार में उपलब्ध ऐसी ही दवाओं के मुकाबले कम से कम 50 प्रतिशत कम है। उन्होंने कहा कि हम इस दवा को दुनिया के अन्य देशों में पहुंचाना चाहते हैं और इस दिशा में प्रयास कर रहे हैं। इस संबंध में कई कंपनियों के साथ बातचीत जारी है। किरण ने यह भी कहा कि यह बड़ी सफलता है और इसका व्यापक वैश्विक प्रभाव पड़ सकता है।बायोकॉन के अनुमान के अनुसार त्वचा रोग से संबद्ध दवाओं का बाजार 2016 तक 8 अरब डॉलर पहुंच जाने का अनुमान है। कंपनी ने 2006 में अलजुमाब पर काम करना भी शुरू किया था।

योग द्वारा दूर हो सकता है पीठ का दर्द

कई लोग ऐसे होते हैं जिन्हें कोई ना कोई बीमारी परेशान करती ही रहती है। चाहे व कितना भी इलाज क्यों ना करा लें।थक हारकर ऐसे लोगों को साधू-संतों का सहारा ले पड़ जाता है।इस प्रकार की समस्या भोग रहे लोगों के लिए योग काफी सही और सफलत साधन बन कर उभरा है।आइए जानते हैं इस बारे कुछ उपयोगी टिप्स।

प्राचीन भारतीय पद्धति योग को लेकर किए गए एक नए अध्यन से पता चला है सप्ता में एक बार योग आपको पीठ के निचले हिस्से के दर्द से राहत दिला सकता है।अमेरि के एक विश्वविद्यालय द्वारा किए गए शोध में अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि सप्ताह में ए बार योग करने से पीठ के दर्द से उसी तरह राहत मिल सकती है और दर्दनाशक दवाअ पर निर्भरता कम हो सकती है।पूर्व के अध्ययनों में कहा गया था कि योग पीठ के निच भाग में उठने वाले तेज दर्द के इलाज के लिए लाभकारी हो सकता लेकिन कुछ अध्ययनों में कहा गया है कि यह कुछ खास आबा के लिए यह उपयोगी है।इस अध्ययन के लेखक द्वारा कहा ग है कि पीठ के निचले भाग में दर्द अक्सर कम आय वाले मरीजों व होता है क्योंकि उनके पास इलाज के लिए न तो पर्याप्त रकम होती और न ही योग, मालिश या एक्यूपंक्चर जैसे इलाज तक उनकी पर्या पहुंच होती हैं। उनके अनुसार, अगर ऐसे मरीज सप्ताह में एक ब योग करें तो उन्हें समुचित लाभ हो सकता है। साथ ही दैनिक कामका करने की उनकी क्षमता में भी सुधार हो सकता है।

हमेशा जवां दिखने के लिए जरूरी है पूरी नींद

आप अगर हमेशा युवा दिखना हैं तो आपको पूरी नींद लेनी होगी। अन्यथा आपकी त्वचा समय से पहले बूढ़ी होने लगेगी और आप उम्रदराज नजर आने लगेंगे। यह दावा अमेरिका के युनिवर्सिटी हॉस्पीटल्स केस मेडिकल सेंटर के फिजिशियन और वैज्ञानिकों द्वारा किए गए एक शोध में किया गया है। उन्होंने पाया कि नींद त्वचा के कामकाज तथा उसकी उम्र को भी प्रभावित करती है। इसके अनुसार कम नींद लेने वालों की त्वचा समय से पूर्व बूढ़ी होने लगती है और उनमें अल्ट्रावायलट विकिरणों सहित पर्यावरण के अन्य नकारात्मक प्रभावों से जल्द मुक्त होने की क्षमता भी नहीं रहती।यह शोध युनिवर्सिटी हॉस्पीटल्स केस मेडिकल सेंटर में त्वचा अध्ययन केंद्र के निदेशक व मुख्य शोधकर्ता एल्मा बैरन के नेतृत्व में हुआ।

बैरन ने अपने आंकड़े हाल ही में स्कॉटलैंड के एडिनबर्ग में हुए इंटनेशनल इंवेस्टिगेटिव डर्मेटोलॉजी मीटिग में इफेक्ट्स ऑफ स्लीप क्वालिटी ऑन स्किन एजिग एंड फंक्शन शीर्षक से पे किए। बैरन केस वेस्टर्न रिजर्व युनिवर्सि स्कूल ऑफ मेडिसिन के त्वचा रोग विभा में एसोसिएट प्रोफेसर भी हैं। उन्होंने का कि हमारे शोध में पहली बार दिखाया ग है कि कम नींद लेने से त्वचा प नकारात्मक असर पड़ सकता है। शो से, कम सोने वाली महिलाओं की त्व के समय से पहले कांतिहीन होने और धू के संपर्क में आने के बाद उस पर पड़ वाले असर से निपटने की क्षमता में क का पता चलता है।

गंजेपन से जुड़ी बातें हैं आपका भ्रम

अक्सर लोग अपने बालों के झड़ने से परेशान रहते हैं। कई बार तो यह समस्या उन्हें गंजा तक बना देती है। देखा जाए तो आज के इस परिवेश में बालों का गिरना और गंजापन सामान्य सा दिखता है। लेकिन जितना यह सामान्य दिखता है उतना ही यह चिंता का विषय भी है।

कई बार गंजेपन से जुड़ी हम ऐसी धारणाएं मन में पाल लेते हैं जो महज हमारा भ्रम ही है। जबकि उनका वास्तविक आधार कुछ है ही नहीं। ऐसे में अगर आप गंजेपन को रोकने की कोशिश में जुटे हैं तो इन मिथ पर जरूर गौर करें और इनकी असलियत पहचानें।

टोपी पहनने से बाल झड़ते हैं

कई बार लोगों का मानना होता है कि टोपी अधिक पहनने से बालों को भरपूर पोषण नहीं मिलता है और बाल झड़ने लगते हैं। सच यह है कि बालों तक पोषक तत्व रक्त से पहुंचते हैं और इसका बाहरी हवा से कोई संबंध नहीं है।

अधिक शैंपू यानी अधिक हेयरफॉल

शैंपू करते वक्त ढेर सारे बाल गिरें तो इसका मतलब यह कतई नहीं कि शैंपू से गंजापन हो सकता है। कई बार आपके टूटे और कमजोर बालों को सिर से निकालने का काम भी शैंपू करता है। शैंपू का काम सिर्फ बाल साफ करना है, इसका बालों की लंबाई व घने होने से कोई संबंध नहीं है।

हेयरस्प्रे या जेल से बाल झड़ते हैं

इस बात का कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है कि हेयर स्प्रे या जेल से बाल झड़ेंगे। अगर आप अच्छी क्वालिटी का हेयरजेल या स्प्रे इस्तेमाल करेंगे तो इससे बालों को कोई नुकसान नहीं है क्योंकि जेल बालों की जड़ों में नहीं लगाते बल्कि बालों पर लगाते हैं। इससे न तो बालों की लंबाई पर फर्क पड़ता है और न ही बाल झड़ते हैं।

मां से ही मिलता है गंजापन

गंजापन अनुवाशिक हो सकता है लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि यह सिर्फ मां की तरफ से होगा। आपके पिता की ओर के रिश्तेदारों से ही आप में इसके जीन्स आ सकते हैं।

बाल कटवाने से घने होते हैं

बार-बार बाल कटवाने या सिर मुडवाने से बाल घने नहीं होते बल्कि यह सिर्फ हमारा भ्रम है। छोटे बाल मोटे या घने इसलिए लगते हैं क्योंकि ये सिर का घुमाव चौड़ा लगता है जिससे बालों का घनत्व अधिक दिखता है।

दिल की बिमारी से बचाते है ड्राई फ्रूट्स

भारत में श्रावण के महीने से त्यौहार शुरू हो जाता हैं। इन महीनों में कई प्रकार के पर्व आते हैं। जिसमें लजीज और मनभावक पकवान खाने को मिलते है।जिसमें ड्राई फ्रूट्स की भूमिका अहम होती है।वैसे तो ड्राई फ्रूट्स का सेवन सेहत के लिए काफी फायदेमंद

होता है।कमजोरी होने पर इनका सेवन करना अच्छा हो सकता है। ऐसा डाइटीशियन्स का कहना है। उनके अनुसार मेवो को सुपर फूड्स कहा जाए तो गलत न होगा। मेवे महत्वपूर्ण पोषक तत्व ओमेगा-3 फैटी एसिड के प्रमुख स्रोत हैं और ये रक्त में कोलेस्ट्राल को नियंतित रखते हैं। इन्हें नाश्ते के रूप में भी लिया जा सकता है।इससे एक अलग जायका मिलेगा। साथ ही सेहत भी सही रहेगी। कई अध्ययनों से यह पता चला है कि कि अनप्रोसेस्ड नट्स का सप्ताह में तीन-चार बार सेवन करने से हृदय रोग होने का खतरा 25 फीसदी कम हो जाता है। यही नहीं यदि आप लंबे अर्से से कमजोरी व थकान की शिकायत से ग्रस्त हैं तो आपके लिए नट्स का सेवन लाभप्रद रहेगा। डाइटीशियन्स के अनुसार नट्स में ऐसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर को ही नहीं, बल्कि मस्तिष्क को भी तरोताजा रखते हैं। इनके सेवन से आपका मिजाज खुशनुमा बनता है। इनमें एंटी ऑक्सीडेंट व कई विटामिन्स पाए जाते हैं, जो बढ़ती उम्र में भी आपको चुस्त-दुरुस्त रखते हैं।मेवों में प्रोटीन भी पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। प्रोटीन विभिन्न अंगों, मांसपेशियों, एंटीबॉडीज, हार्मोंस और विभिन्न एंजाइमों के निर्माण में सहायक होता है। इसमे में पर्याप्त मात्रा में जिंक भी पाया जाता है।

आईएसएल : ईस्ट बंगाल के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करना चाहेगी चेन्नइयन एफसी

एजेंसी

चेन्नई। चेन्नइयन एफसी और ईस्ट बंगाल एफसी शनिवार शाम चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले में भिड़ेंगी, तो दोनों टीमों का लक्ष्य जीत से अपने अभियान को मजबूती देना होगा। ईस्ट बंगाल एफसी आठ मैचों में एक जीत, एक ड्रा और छह हार से चार अंक लेकर 13 टीमों की तालिका में सबसे निचले स्थान पर बैठी है। हालांकि ईस्ट बंगाल ने अपने पिछले मैच में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड को 1-0 हराकर इस सीजन में जीत का स्वाद चखा थी। वहीं, चेन्नइयन एफसी 10 मैचों में तीन जीत, तीन ड्रा और चार हार से 12 अंक लेकर तालिका में नौवें स्थान पर है। वो लगातार दो हार का सिलसिला खत्म करके जीत की पटरी पर लौटना चाहेंगी। चेन्नइयन ने कोलकाता की क्लबों के खिलाफ अपने पिछले दो आईएसएल मैच 0-1 के समान स्कोरलाइन से गंवाए हैं, जब वे 26 सितंबर, 2024 को मोहम्मडन एससी से और फिर 30 नवंबर, 2024 को मोहन बागान सुपर जायंट से हारे थे। हालांकि, चेन्नइयन इस सीजन में 26.3त्न खेल समय तक बढ़त पर रही है, जो ईस्ट बंगाल एफसी के 10.5त्न से काफी अधिक है। चेन्नइयन अपने पिछले दो मैचों में गोलरहित रहे हैं, जो दिसंबर 2023-फरवरी 2024 के बीच उनके पिछले खराब प्रदर्शन को दोहराता है, जब वे लगातार तीन मुकाबलों में गोल नहीं कर पाए थे।

अंडर-19 एशिया कपः श्रीलंका को हराकर भारत फाइनल में, बांग्लादेश से होगी खिताबी भिड़ंत

शारजाह। भारत ने अंडर-19 एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। भारत ने खेले गए दूसरे सेमीफाइनल में श्रीलंका को 7 विकेट से हराया। भारत की तरफ से वैभव सूर्यवंशी ने बेहतरीन अर्धशतक लगाते हुए 67 रनों की शानदार पारी खेली। फाइनल में भारत का सामना बांग्लादेश से होगा, जिसने पहले सेमीफाइनल में पाकिस्तान को सात विकेट से हराया।श्रीलंका ने मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 46.2 ओवर में 173 रन बनाए थे। 174 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को वैभव सूर्यवंशी और आयुष महात्रे ने तेज और अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए केवल 8.2 ओवर में 91 रन जोड़ दिये। इस दौरान वैभव ने केवल 24 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। हालांकि 91 के ही कुल स्कोर पर विहास थेवमिका ने महात्रे को आउट कर श्रीलंका को पहली सफलता दिलाई। महात्रे ने 28 गेंदों पर 7 चौकों की बदौलत 34 रन बनाए। इसके बाद वैभव और आंद्रे सिद्धार्थ टीम का स्कोर 14वें ओवर में 132 रन तक पहुंचाया। इसी ओवर में 148 के कुल स्कोर पर प्रवीण मनीषा ने वैभव को बोल्ड कर भारत को दूसरा झटका दिया। वैभव ने 36 गेंदों पर 6 चौके और 5 छक्कों की बदौलत 67 रन बनाए।

हेड के शतकीय प्रहार से आस्ट्रेलिया को मिली 157 रन की लीड

एडिलेड। ट्रैविस हेड (140) के शतकीय प्रहार की मदद से आस्ट्रेलिया ने एडिलेड टेस्ट के दूसरे दिन शनिवार को अपनी पहली पारी में 337 रन बना कर भारत के खिलाफ 157 रन की महत्वपूर्ण लीड हासिल कर ली। अपने होम ग्राउंड पर ट्रैविस हेड का बल्ला आज भारतीय गेंदबाजों के सिर चढ़ कर बोली। अपने 31वें जन्मदिन से महज 21 दिन दूर हेड के आक्रामक अंदाज के मेजबान ही नहीं बल्कि भारतीय दर्शक भी कायल हो गये। एक छोर को अंगद के पांव की तरह क्रीज को पकड़े हेड ने लगभग 100 के स्ट्राईक रेट से बेखौफ बल्लेबाजी का मुजाहिरा किया और अपने करियर का सांतवा शतक पूरा किया। मो सिराज की गेंद पर क्लीन बोल्ड आउट होने से पहले उन्होने 17 चौके और चार गगनचुंबी छक्के लगाये।भारत ने अपनी पहली पारी में 180 रन बनाये थे और इस लिहाज से मेजबान टीम को एक बडी लीड मिल चुकी है। आस्ट्रेलिया की पहली पारी में जसप्रीत बुमराह और सिराज दोनों ने चार-चार विकेट लिए जबकि नीतिश कुमार रेड्डी और रविचंद्रन अश्विन को एक एक विकेट मिला।भारतीय बल्लेबाजों के लिये आज के खेल का अंतिम सत्र बेहद चुनौतीपूर्ण होगा। दूधिया रोशनी में गुलाबी गेंद के सामने भारतीय बल्लेबाजों को बहुत संभलकर बल्लेबाजी करनी होगी। इसके लिये उन्हे कल ऑस्ट्रेलिया से प्रेरणा लेनी होगी और यदि उसी तरह से अगर भारतीय बल्लेबाज भी ऐसा कर जाते हैं तो भारत इस मैच में वापसी कर सकता है।

हरियाणा स्टीलर्स ने पटना पाइरेट्स को हराया

पुणे। हरियाणा स्टीलर्स ने एक बेहद नाटकीय मैच में तीन बार के चैंपियन पटना पाइरेटस को हराकर प्लेआफ की ओर एक बड़ा कदम बढ़ा लिया है। बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बैडमिंटन हॉल में खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 96वें मैच में हरियाणा ने पटना को 42-36 के अंतर से हराया। इस जीत के साथ हरियाणा ने शीर्ष पर अपनी स्थिति बेहद मजबूत कर ली है। 16 मैचों में 13वीं जीत हासिल करने वाली हरियाणा के लिए शिवम पटारे ने 11, मोहम्मदरेजा शादलू ने 9 और संजय ने 5 अंक लिए जबकि 16 मैचों में छठी हार झेलने वाली पटना के लिए देवांक ने 13 अंक लिए। देवांक को हालांकि रेफरी से बहस करने पर पीला कार्ड मिला। इसी तरह का कोच हरियाणा के कोच मनप्रीत सिंह को भी मिला। बहरहाल, हरियाणा ने अच्छी शुरुआत करते हुए सात मिनट में ही पटना को आलआउट की ओर धकेल दिया था लेकिन पटना ने सुपर टैकल के साथ स्कोर 7-7 कर दिया।

महिला जूनियर एशिया कप : भारतीय हॉकी टीम अपना खिताब बचाने को तैयार

एजेंसी

मस्कट। भारतीय जूनियर महिला टीम मस्कट, ओमान में महिला जूनियर एशिया कप में प्रतिस्पर्धा करने के लिए पूरी तरह तैयार है, क्योंकि उनका लक्ष्य पिछले साल के अपने खिताब का बचाव करना है। 7 से 15 दिसंबर 2024 तक होने वाला यह टूर्नामेंट एफआईएच जूनियर विश्व कप 2025 के लिए क्वालीफाइंग इवेंट के रूप में भी काम करेगा, जो चिली में आयोजित किया जाएगा। भारत का नेतृत्व कोच तुषार खांडकर, कप्तान ज्योति सिंह और उपकप्तान साक्षी राणा करेंगे। टीम में दीपिका, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, सुनेलिता टोप्पो और मुमताज खान जैसे खिलाड़ी भी शामिल हैं, जो पिछले साल की खिताबी जीत के बाद से सीनियर टीम के लिए खेल चुके हैं और टूर्नामेंट के दौरान बाकी खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करेंगे। पिछले साल भारत ने फाइनल में दक्षिण कोरिया

को 2-1 से हराकर पहली बार खिताब जीता था। भारत को पूल ए में रखा गया है और उसका मुकाबला चीन, मलेशिया, थाईलैंड और बांग्लादेश से होगा। पूल बी में दक्षिण कोरिया, जापान, चीनी ताइपे, हांगकांग और श्रीलंका शामिल होंगे। प्रत्येक टीम अपने पूल में प्रत्येक प्रतिद्वंद्वी से एक बार भिड़ेगी और प्रत्येक पूल से शीर्ष दो टीमें न केवल सेमीफाइनल में जगह पक्की करेंगी, बल्कि अगले साल एफआईएच जूनियर विश्व कप में भी जगह बनाएंगी। प्रत्येक पूल की तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीम जूनियर विश्व कप के लिए अंतिम स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा करेगी।कप्तान ज्योति सिंह ने कहा, हम मैदान पर उतरने और टूर्नामेंट की जोरदार शुरुआत करने के लिए उत्साहित हैं। खिताब बचाना चुनौतीपूर्ण होने वाला है लेकिन मुझे यकीन है कि टीम अपना सब कुछ देगी और हमारे देश को गौरवान्वित करेगी। यह टूर्नामेंट इसलिए भी बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि जूनियर विश्व कप के लिए क्वालीफिकेशन दांव पर है इसलिए हम फिर से खिताब घर लाने के लिए दोगुना प्रतिबद्ध हैं। उप कप्तान साक्षी राणा ने कहा, टीम ने टूर्नामेंट के लिए कड़ी मेहनत की है और अब प्रदर्शन करने का समय है। हमारे पास बहुत प्रतिभा और जुनून वाली एक अनुभवी टीम है। हमें विश्वास है कि हम अपना खिताब बचा सकते हैं।

रोहन बोपन्ना ने टीपीएल में प्रतिस्पर्धा करने को लेकर कहा- यह एक रोमांचक प्रारूप, खेलने में आ रहा मजा

एजेंसी

मुंबई। दिग्गज भारतीय टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना टेनिस प्रीमियर लीग (टीपीएल) सीजन 6 में मार्की खिलाड़ियों में से एक हैं। दो बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन बोपन्ना राजस्थान रेंजर्स का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, जो मिक्स्ड डबल्स और पुरुष डबल्स श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। मुंबई के क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया (सीसीआई) में तीन दिनों के टेनिस एक्शन के बाद, उनकी टीम 154 अंकों के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है और फाइनल के लिए क्वालीफिकेशन स्थान के लिए पूरी तरह से तैयार है। बोपन्ना का यह टेनिस प्रीमियर लीग में पहला सीजन है। उन्होंने आयोजकों की ओर से जारी एक बयान में कहा, यह एक रोमांचक प्रारूप है और यह हर किसी को चौकन्ना रखता है क्योंकि हर अंक महत्वपूर्ण है। मुझे टीपीएल खेलने में बहुत मज़ा आ रहा है। उन्होंने लंबे समय के बाद मुंबई में खेलने को लेकर कहा, 2007 में मैंने आखिरी बार मुंबई में खेला था और मुझे यहां खेलना बहुत पसंद है। मैंने इसी खास कोर्ट पर दो एटीपी फाइनल खेले हैं। राजस्थान रेंजर्स में, बोपन्ना अपने पूर्व युगल साथी लिएंडर पेस के साथ फिर से जुड़ गए हैं, जो टीम के मेंटर हैं।

पेस के साथ फिर से काम करने के अवसर के बारे में पूछे जाने पर, बोपन्ना ने कहा, वह इतने लंबे समय से मेरे साथी रहे हैं। इस खेल को खेलते हुए मुझे 30 साल हो गए हैं, मैंने बहुत अनुभव प्राप्त किया है और वह अतिरिक्त अनुभव लेकर आए हैं। इसलिए, यह वास्तव में एक मजेदार टीम है। इस सीजन में टेनिस प्रीमियर लीग में कई प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी खेल रहे हैं और दो बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन उन्हें बड़े मंच पर देखकर बहुत खुश हैं। हैदराबाद स्ट्राइकर्स के 21 वर्षीय करण सिंह ने बोपन्ना का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है।

यश मुंबई ईगल्स शीर्ष पर पहुंची; हैदराबाद स्ट्राइकर्स दूसरे स्थान पर, शीर्ष चार के लिए लड़ाई तेज

एजेंसी

मुंबई। मुंबई के क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया में चल रहे टेनिस प्रीमियर लीग (टीपीएल) सीजन 6 में चेन्नई स्मैशर्स के खिलाफ क्लीन स्वीप करने के बाद यश मुंबई ईगल्स तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई। क्वालीफिकेशन स्पॉट के लिए लड़ाई तेज होने के साथ, बंगाल विजार्ड्स और गुजरात पैंथर्स के बीच पहले गेम में मुकाबला हुआ। दिन की शुरुआत एकातेरिना काज़ियोनोवा और कामिला राखीमोवा के बीच रोमांचक मैच से हुई, जिसमें महिला एकल वर्ग में कामिला राखीमोवा ने 13-12 से जीत हासिल की। ??सुमित नागल ने पुरुष एकल वर्ग में निकी पूनाचा को 16-9 के स्कोर से हराया। मिश्रित युगल वर्ग में, कामिला राखीमोवा और श्रीराम बालाजी की बंगाल विजार्ड्स जोड़ी ने एकातेरिना काज़ियोनोवा और सिद्धांत बंथिया के खिलाफ 15-10 से जीत हासिल की। पहले मैच में श्रीराम बालाजी और निकी पूनाचा ने सुमित नागल और सिद्धांत बंथिया के खिलाफ रोमांचक गेम में 13-12 के स्कोर से जीत हासिल की। हालांकि, गुजरात पैंथर्स ने 51-49 से जीत दर्ज करके मैच जीत लिया। चेन्नई स्मैशर्स और यश मुंबई

ईगल्स के बीच दिन का दूसरा मैच खेला गया। ज़ेनेप सोनमेज़ ने महिला एकल में अपनी प्रतिद्वंद्वी कोनी पेरिन को 16-9 से हराकर यश मुंबई ईगल्स को बढ़त दिलाई। करण सिंह ने ह्यूगो गैस्टन के खिलाफ़ अपना गेम भी 14-11 के स्कोर से जीता। मिश्रित युगल मुक़ाबला रोमांचक रहा जिसमें यश मुंबई ईगल्स ने ज़ेनेप सोनमेज़ और जीवन नेदुनचेझियान की बदौलत गेम जीत लिया, जिन्होंने कोनी पेरिन और रित्विक चौधरी बोलिपल्ली को 13-12 के स्कोर से हराया। करण सिंह और जीवन नेदुनचेझियान ने पुरुष युगल वर्ग में ह्यूगो गैस्टन और रित्विक चौधरी बोलिपल्ली को 15-10 के स्कोर से हराकर यश मुंबई ईगल्स को 58-42 के स्कोर से क्लीन स्वीप किया। तीसरे मैच में पंजाब पैट्रियट्स का मुकाबला राजस्थान रेंजर्स से दूसरे हाफ में हुआ। महिला एकल वर्ग में पंजाब पैट्रियट्स की एलिना अवनेस्यान ने राजस्थान रेंजर्स की क्रिस्टीना दीनू को 15-10 के स्कोर से हराया।

रियल मैड्रिड में एम्बाप्पे अब भी सुर्खियों में , अलाबा और विनिसियस चोट से वापसी के करीब

एजेंसी

मैड्रिड। रियल मैड्रिड के कोच कार्लो एंसेलोटी को शनिवार को गिरोना में होने वाले ला लीगा दौरे से पहले एक बार फिर किलियन एमबाप्पे के फॉर्म के बारे में सवालों का जवाब देना पड़ा। मैड्रिड स्पेन के उत्तर-पूर्व की यात्रा पर है, जहां उसे बुधवार रात एथलेटिक बिलबाओ के हाथों 2-1 से पराजय का सामना करना पड़ा था। ऐसा लग रहा था कि मैड्रिड पहुंचने के बाद से एमबाप्पे ने अपनी चिंताजनक फॉर्म को पीछे छोड़ दिया है, क्योंकि उन्होंने पिछले सप्ताहांत गेटाफे के खिलाफ गोल किया था, लेकिन बुधवार को संदेह फिर से उभर आया, जब एथलेटिक डिफेंस ने उन्हें नियंत्रित कर लिया और एक सप्ताह में उनकी दूसरी पेनल्टी भी घरेलू गोलकीपर जुलेन एगिररेज़ाबाला ने बचा ली। एंसेलोटी ने फ्रांसीसी खिलाड़ी के बारे में कहा, हमें हर चीज पर गौर करना होगा और उसे समझाना होगा कि मैदान पर कैसे सुधार करना है। मुझे लगता है कि उसने अपने खेल की तीव्रता के मामले में बहुत सुधार किया है। वह अच्छे स्तर पर है और हमें उसका

समर्थन करना होगा। एंसेलोटी ने कहा कि उनका मानना है कि मैड्रिड में एमबाप्पे की समस्या का एक हिस्सा निरंतरता है, और यह तब आएगा जब वह और उसके साथी उसकी विशेषताओं के अनुकूल होंगे जो व्यक्तिगत और अलग हैं, लेकिन यह धीरे-धीरे आएगा।

एंसेलोटी को हमलावर खिलाड़ी विनिसियस जूनियर और मिडफील्डर एडुआर्डो कैमाविंगा के चोटिल होने के कारण परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, साथ ही लंबे समय से अनुपस्थित रहने वाले दानी कार्वाजल, एडर मिलिटाओ और डेविड अलाबा के कारण भी, हालांकि उनके पास अच्छी खबर है, उन्होंने बताया कि विनिसियस अगले सप्ताह अटलांटा के महत्वपूर्ण चैम्पियंस लीग दौरे के लिए फिट हो जाएंगे, और अलाबा ने भी लंबे समय से घुटने की चोट के बाद टीम के साथ प्रशिक्षण शुरू कर दिया है। गिरोना को सप्ताह के मध्य में निराशा का सामना करना पड़ा था, जब उसे कोपा डेल रे से चौथे दर्जे के लोग्रोनस के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, मिशेल सांचेज की टीम ने ला लीगा में अपने पिछले चार मैचों में तीन जीत और एक ड्रॉ के साथ सुधार किया है।

इंटर मियामी के साथ रिकॉर्ड सीज़न के बाद एमएलएस के सबसे मूल्यवान खिलाड़ी चुने गए मेसी

एजेंसी

नई दिल्ली। इंटर मियामी के साथ एक बेहतरीन सीज़न के बाद लियोनेल मेसी को मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) का सबसे मूल्यवान खिलाड़ी चुना गया। मेसी को यह पुरस्कार उनके प्रदर्शन के बाद दिया गया, जिसकी बदौलत मियामी ने नियमित सत्र में 74 अंकों का रिकॉर्ड बनाया, जिससे क्लब को अपना पहला सपोर्टर्स शील्ड मिला।

एमवीपी समारोह में मेसी ने कहा, मैं यह पुरस्कार किसी और स्थिति में प्राप्त करना पसंद करता, जब मैं शनिवार को फाइनल खेल पाता। इस साल एमएलएस चैंपियन बनने का हमारा बड़ा सपना था। ऐसा नहीं हुआ, लेकिन अगले साल हम फिर से कोशिश करने के लिए और मजबूत होकर वापस आएंगे। 37 वर्षीय अर्जेंटीना के इस खिलाड़ी ने

लीग में सबसे ज़्यादा 36 गोल (20 गोल और 16 असिस्ट) करके नियमित सीज़न का समापन किया। यह पुरस्कार मेसी के लिए चोटों से भरे सीज़न में आया है, जिसमें उन्होंने इस साल सिर्फ़ 19 मैच खेले हैं। एमएलएस कमिश्नर डॉन गार्बर ने कहा,लियो, बधाई। हमारी पूरी लीग, हमारे पूरे देश और यहाँ और पूरी दुनिया में खेल से प्यार करने वाले हर व्यक्ति की ओर से, हम आपको अपनी लीग में पाकर सम्मानित महसूस कर रहे हैं। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का मेजर लीग सॉकर में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बनना हम सभी के लिए एक सपना है।मेसी और उनकी इंटर मियामी एमएलएस कप प्लेऑफ में जीत की लय को जारी नहीं रख सके और अटलांटा यूनाइटेड के खिलाफ पहले दौर में ही बाहर हो गए। मेसी एमवीपी पुरस्कार जीतने वाले 10वें दक्षिण अमेरिकी खिलाड़ी हैं और लुसियानो अकोस्टा, डिएगो वैलेरी, गिलर्मो बैरोस शेलोटो और क्रिश्चियन गोमेज़ के बाद अर्जेंटीना के पांचवें खिलाड़ी हैं।

ऑस्कर मारिटू के चीनी सुपर लीग क्लब युन्नान युकुन में शामिल होने की संभावना

एजेंसी

बीजिंग। ऑस्कर मारिटू का युन्नान युकुन में शामिल होना तय है, ऐसी खबरें हैं कि उन्होंने नव-प्रवर्तित चीनी सुपर लीग क्लब के साथ समझौता कर लिया है। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य का यह स्ट्राइकर बुधवार रात युक्सी, युन्नान प्रांत पहुंचा, जहां युकुन स्थित है, और वह को प्री-सीजन प्रशिक्षण के लिए टीम में शामिल होगा। इंटरनेट पर पोस्ट की गई एक तस्वीर में फारवर्ड मारिटू को युन्नान युकुन बैनर के नीचे प्रशंसकों के एक समूह के साथ देखा जा सकता है। स्थानीय मीडिया ने बताया कि मारिटू और युन्नान क्लब ने एक साल के विकल्प के साथ तीन साल के अनुबंध पर सहमति व्यक्त की है।

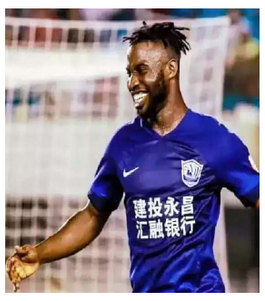

मारिटू ने अगस्त के मध्य में वेतन विवाद के कारण चीन की शीर्ष टीम कैंगझोउ माइटी लायंस को छोड़ दिया था।

पहले खो-खो विश्व कप के लिए काउंटडाउन शुरू!

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत 13 जनवरी से 19 जनवरी, 2025 तक होने वाले ऐतिहासिक खो-खो विश्व कप के पहले संस्करण की मेजबानी करने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस ऐतिहासिक आयोजन की तैयारी के लिए भारतीय खो-खो महासंघ (केकेएफआई), 10 दिसंबर, 2024 से 11 जनवरी, 2025 तक दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में एक गहन प्रशिक्षण शिविर आयोजित करेगा। खास बात यह है कि इस शिविर के लिए भारतीय खो-खो महासंघ को भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) और युवा मामले एवं खेल मंत्रालय का सहयोग प्राप्त होगा। इस शिविर में 60 पुरुष और 60 महिला खिलाड़ी अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगे। इस सबको 6 कोच और अन्य सहायक कर्मचारी और 6 फिजियोथेरेपिस्ट का सपोर्ट प्राप्त होगा। पूरे भारत से खिलाड़ी 9 दिसंबर को राष्ट्रीय राजधानी में एकत्रित होंगे और इस कठोर प्रशिक्षण चरण के दौरान उनके प्रदर्शन के

आधार पर विश्व कप के लिए अंतिम रूप से टीमों का चयन किया जाएगा। केकेएफआई का मानना है कि उत्कृष्टता से पोडियम तक परिवर्तन की कुंजी खिलाड़ियों के विकास के हर पहलू का ध्यान रखना है। यही कारण है कि, विश्व स्तरीय तैयारी सुनिश्चित करने के लिए महासंघ कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। वह इस टूर्नामेंट के लिए खिलाड़ियों को शीर्ष-स्तरीय सुविधाएँ, उच्च-तीव्रता वाले प्रशिक्षण सत्र और रिकवरी प्रोग्राम प्रदान कर रहा है। इसके अलावा इस प्रोग्राम में प्रत्येक खिलाड़ी की आवश्यकता को पूरा करने के लिए सावधानीपूर्वक नियोजित आहार बनाना और देश के सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन कराना शामिल है। ट्रेनिंग प्रोग्राम में खिलाड़ियों के परफॉरमेंस और स्वास्थ्य की कंडीशनिंग करने के लिए अत्याधुनिक स्पोर्ट्स साइंस तकनीकों को भी शामिल किया गया है। यह खिलाड़ियों को शरीर की संरचना, खंडीय मांसपेशियों, आंत की चर्बी और हाइड्रेशन के स्तर पर सटीक डेटा प्रदान करता है। यह जानकारी कोचों को प्रत्येक एथलीट के लिए ट्रेनिंग प्रोग्राम और डाइट प्लांस तैयार करने में सक्षम बनाएगी। इसके अतिरिक्त, सेलुलर स्वास्थ्य और रिकवरी मॉनिटरिंग के लिए संपूर्ण शरीर चरण कोण विश्लेषण का उपयोग किया जाएगा, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि खिलाड़ी शीर्ष फिटनेस पर बने रहें। शिविर में चोट के जोखिम को कम करने के लिए पॉस्चर और फ्लेक्सिबिलिटी के विश्लेषण के साथ-साथ डिटेल्ड मसल बैलेंस एनालिसिस के लिए बीआईए का भी उपयोग किया जाएगा।

सैंडर स्कॉटहेम ने जीता अंतरराष्ट्रीय फेयर प्ले पुरस्कार

एजेंसी

नई दिल्ली।नॉर्वे के डेकाथलीट सैंडर स्कॉटहेम ने विश्व एथलेटिक्स पुरस्कार 2024 में अंतरराष्ट्रीय फेयर प्ले का पुरस्कार जीता। प्रशंसकों से प्राप्त नामांकन के बाद, अंतरराष्ट्रीय फेयर प्ले समिति (सीआईएफपी) और विश्व एथलेटिक्स के सदस्यों ने 2024 में एथलेटिक्स में पांच फेयर प्ले क्षणों की एक सूची पर निर्णय लेने के लिए एक निर्णायक मंडल का गठन किया, जिसके बाद स्कॉटहेम को विजेता घोषित किया गया।

स्कॉटहेम के लिए निष्पक्ष खेल का क्षण पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों में आया, जहाँ पोल वॉल्ट पदक की दौड़ से बाहर होने के बावजूद विश्व इनडोर और यूरोपीय रजत पदक विजेता स्कॉटहेम ने प्रतिस्पर्धा जारी रखने का फैसला किया। इस प्रक्रिया में स्कॉटहेम ने अपने हमवतन मार्कस रूथ का समर्थन किया, और अंतिम अनुशासन - 1500 मीटर में अपने साथी की मदद की।रूथ ने 8796 अंकों के राष्ट्रीय रिकॉर्ड स्कोर के साथ नॉर्वे के लिए स्वर्ण पदक जीता, और 48 अंकों से ओलंपिक खिताब जीता। विश्व एथलेटिक्स के हवाले से स्कॉटहेम ने कहा, मैं यह पुरस्कार पाकर गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ। ओलंपिक मेरे लिए बहुत ही रोचक अनुभव था, क्योंकि मैंने

बहुत अच्छी प्रतियोगिता की थी और फिर मैं पोल वॉल्ट में नो-हाइट हो गया और इसने मेरे पदक जीतने की संभावनाओं को बर्बाद कर दिया। उसी समय, मार्कस ने बहुत अच्छी पोल वॉल्ट प्रतियोगिता की जिसने उन्हें जीतने के लिए एक उत्कृष्ट स्थिति में ला दिया। स्कॉटहेम के इस वर्ष में 8635 का डेकाथलॉन पीबी हासिल किया था, जिसने उन्हें रोम में यूरोपीय रजत दिलाया और उनके 6407 के हेप्टाथलॉन राष्ट्रीय रिकॉर्ड ने विश्व इनडोर पदक दिलाया।

विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन कोए ने कहाः मुझे इस बात पर बहुत गर्व है कि हमारा खेल एथलीटों के बीच निष्पक्ष खेल, ईमानदारी और सौहार्द के क्षणों के मामले में एक उदाहरण बना हुआ है। हम इसे सभी अलग-अलग एथलेटिक्स विषयों में देख रहे हैं - ट्रैक, फ़ील्ड और रोड पर। जिस तरह से सैंडर ने वापसी की, वह एक महान एथलीट की पहचान है। चरित्र की असली परीक्षा मुश्किल समय में होती है, यह तब नहीं होता जब सब कुछ ठीक चल रहा हो, इसलिए मैं सैंडर को उनकी खेल भावना और लचीलेपन के लिए बधाई देता हूँ - वे इस पुरस्कार के योग्य हैं।

पलिया बना चैंपियन, लखीमपुर को उपविजेता का खिताब

एजेंसी

लखीमपुर खीरी। जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम लालपुर में चल रही जनपदीय खेलकूद प्रतियोगिताओं का सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ समापन हो गया। बच्चों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में खूब दम दिखाया। प्रतियोगिताओं में पलिया ब्लॉक ने चैंपियनशिप जीती। लखीमपुर ब्लॉक को उपविजेता का खिताब मिला। बेहजम तीसरे स्थान पर रहा। मुख्य अतिथि डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने विजेता टीमों को शील्ड प्रदान किया। विजेताओं को मेडल और पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इससे पहले विशेष प्रदर्शन की विजेता टीमों ने मुख्य अतिथि के सम्मुख अपनी प्रस्तुतियां दीं। लखीमपुर देहात की बच्चों ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। स्वागत गीत पीएस सलेमपुर के बच्चों ने प्रस्तुत किया। लखीमपुर रिसोर्स सेंटर के विशेष आवश्यकता वाले बच्चों ने प्रेरक गीत पर विशेष प्रस्तुति दी। पीएम श्री विद्यालय सकेथू के बच्चों ने देशभक्ति गाने पर सुन्दर प्रस्तुति दी। दो दिनों तक चलने वाली इस खेलकूद प्रतियोगिता में जनपद के सभी ब्लॉकों के बच्चों ने भाग लिया। डीएम ने हरी-झंडी दिखाकर बालिकाओं की दौड़ प्रतियोगिता की शुरुआत की। इस दौरान छात्राओं का मनोबल भी बढ़ाया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली बालिकाओं को मेडल पहनकर सम्मानित भी किया। जनपदीय खेलकूद प्रतियोगिता के समापन समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कहा कि खेल बच्चों के विकास के लिए काफी जरूरी है। खेल से बच्चों के विकास में भी काफी मदद मिलती है। उन्होंने परिषदीय स्कूलों के बच्चों की खेल प्रतिभाग और उस प्रतिभा

निखारने वाले शिक्षकों की सराहना की। उन्नाव में आयोजित मंडलीय प्रतियोगिता में खीरी जिले के बच्चे पहला स्थान अर्जित करें, ऐसी मेरी शुभकामना है। उन्होंने घोषणा की कि अगले वर्ष बच्चों के साथ-साथ शिक्षकों की भी स्पेशल प्रतियोगिताएं आयोजित कराए जाएं, जिससे शिक्षकों के अंदर की प्रतिभा भी निखर कर सामने आए। बीएसए प्रवीण कुमार तिवारी ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने खेल प्रतियोगिताओं के सफल संचालन के लिए बच्चों व शिक्षकों को बधाई दी। समापन समारोह में सहायक वित्त एवं लेखाधिकारी गिरिजा शंकर पाण्डेय, बीईओ हृदय शंकर, राकेश कुमार, देवेश राय, भगवान राव, अखिलानंद राय, रमन सिंह, शशांक सिंह, नागेंद्र चौधरी, फूलचंद शत्रुघ्न सरोज, आशीष पाण्डेय, ब्रजराज सिंह, नागेंद्र चौधरी, सुभाष चंद के साथ समस्त जिला समन्वयक, जिला व्यायाम शिक्षक विवेक गुप्ता, एसआरजी, एआरपी, समेत समस्त संगठनों के पदाधिकारी व शिक्षक उपस्थित रहे।

ये नौनिहाल बने व्यक्तिगत चैंपियन

बालक प्राथमिक में अभिराम लखीमपुर, बालक उच्च प्राथमिक में अनमोल पसगवां, अंश पाल लखीमपुर, बालिका प्राथमिक में अदिति पलिया, उच्च प्राथमिक बालिका में रागनी पलिया व्यक्तिगत चैंपियन रही।

तीन साल तक असली पहचान छुपाए रखी, फिर

माधुरी दीक्षित

के सामने ऐसे खुला जावेद जाफरी की सौतेली बहन का राज

मल्टी टैलेंटेड एक्टर और मशहूर कॉमेडियन जगदीप के बेटे जावेद जाफरी का आज जन्मदिन है. जावेद को इंडस्ट्री में उनके काम के लिए जाना जाता है, लेकिन बहुत कम लोग इस बारे में जानते हैं कि जावेद की एक सौतेली बहन भी हैं और वो भी इसी इंडस्ट्री का ही एक हिस्सा है. हम बात कर रहे हैं एक्ट्रेस मुस्कान जाफरी की. मुस्कान का शो Mismatched Season 3 जल्द ही नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होने वाला है. ऐसे में आइए आपको बताते हैं जावेद जाफरी की उस खूबसूरत बहन से जुड़ा एक हैरान करने वाला किस्सा.मुस्कान से जुड़ा एक किस्सा एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित ने शेयर किया था. दरअसल, माधुरी ने मुस्कान के साथ नेटफ्लिक्स सीरीज 'द फेम गेम' में काम किया था. इस सीरीज में मुस्कान ने माधुरी की बेटी का किरदार निभाया था और उनकी एक्टिंग की काफी तारीफ भी हुई थी. माधुरी ने शो के दौरान दिए गए एक इंटरव्यू में ये बताया था कि उन्हें काफी वक्त तक ये बात पता नहीं थी कि मुस्कान, जावेद जाफरी की बहन हैं.

माधुरी ने बताया किस्सा

माधुरी ने हिंदुस्तान टाइम्स को दिए इंटरव्यू में बताया था कि कैसे मुस्कान ने उन्हें कभी नहीं बताया कि वो कॉमेडियन जगदीप की बेटी और जावेद की सौतेली बहन हैं. द फेम गेम की शूटिंग के महीनों बाद माधुरी दीक्षित को इसका पता चला और वो हैरान रह गईं कि मुस्कान ने इसे सीक्रेट क्यों रखा ? वो कहती हैं कि जब मुझे पता चला तो हम सीरीज के आधे रास्ते में थे. जब माधुरी ने मुस्कान ने उन्हें इस बारे में ना बताने वाली बात के बारे में पूछा तो मुस्कान ने कहा कि वो अपने नाम और काम से पहचान चाहती हैं.

पिता ने की थी तीन शादियां

दरअसल, दिवंगत कॉमेडियन जगदीप ने तीन शादियां की थीं. इन शादियों से उनके कुल छह बच्चे हैं. उनकी पहली शादी नसीम बेगम से हुई थी. इस शादी से उनके तीन बच्चे- हुसैन, शकीरा और सुरैया हैं. इसके बाद उनकी दूसरी शादी सुघ्र बेगम से हुई. सुघ्र और जगदीप के दो बेटे- जावेद और नावेद जाफरी हैं. वहीं, जगदीप की तीसरी पत्नी का नाम नाजिमा है.

ईशा सिंह

को खटकी विवियन डीसेना-अविनाश मिश्रा की दोस्ती! सताने लगा गेम में पीछे रहने का डर?

बिग बॉस 18 में एक बार फिर से इस हफ्ते सलमान खान शो से गायब नजर आएंगे. सलमान खान अपनी वर्क कमीटमेंट्स के चलते बिग बॉस 18 के वीकेंड का वार की शूटिंग नहीं कर पाए हैं. इस हफ्ते उनकी जगह फराह खान शो होस्ट करती हुई नजर आएंगी. सलमान की जगह इस बार फराह सभी की क्लास लगाती हुई दिखाई देंगी.

हालांकि इन सब बातों के बीच एक बात ईशा और अविनाश से भी जुड़ी हुई है, जो काफी चर्चा में है.हाल ही की एपिसोड में ईशा सिंह अपने क्लोज फ्रेंड अविनाश मिश्रा से अपनी दिल की बात करती हुई नजर आ रही हैं. ईशा कहती हैं कि अविनाश और विवियन उन्हें साइडलाइन कर रहे हैं. ऐसे में वो खुद को पीछे महसूस करती हैं. हालांकि अविनाश उन्हें समझाने की कोशिश करते हैं, लेकिन अब दर्शकों को लगने लगा है कि ईशा को विवियन और अविनाश का बॉन्ड कहीं न कहीं खटक रहा है. यूजर्स की मानें तो ईशा को इस बात की चिंता है कि वो विवियन और अविनाश की फर्स्ट प्रायोरिटी हैं या नहीं.

ईशा ने अविनाश को बताई अपनी चिंता

मेकर्स के शेयर किए गए प्रोमो में देखा जा सकता है कि ईशा गार्डन में अविनाश से कहती हैं कि अगर ये ईशा है और ये विवियन है और ये श्रुतिका है, तो मैं विवियन की तरफ ज्यादा वजन रखुंगी (यानी विवियन उनकी पहली पसंद होंगे).

फिर आगे वो अपनी बात समझाते हुए अविनाश से कहती हैं कि अगर वो अकेली हैं और सामने अविनाश हैं ट्रॉफी के लिए, तो वो ऐसे उन्हें झटकेंगी नहीं.

हालांकि अविनाश की तरफ इशारा करते हुए ईशा कहती हैं कि तेरा मुझे लगता है कि तू ऐसे झटक देगा कि भाड़ में जा. इसपर अविनाश कहते हैं कि तुझे नहीं पता न हम लोग क्या बात करते हैं. ईशा कहती हैं कि तुम लोग मुझे शामिल नहीं करते हो. जवाब में अविनाश कहते हैं कि हां क्योंकि वहां तेरी जरूरत नहीं होती है. इस पर एक्ट्रेस कहती हैं कि उन्हें भी कई बार फील होता है कि वो दोनों ज्यादा बॉन्ड बना रहे हैं और वो पीछे रह जाती हैं.

जब सरोज खान ने रेखा को सबके सामने लगाई फटकार, सेट पर ही रो पड़ी थीं एक्ट्रेस

कई बार फिल्मी दुनिया में एक्टर एक्ट्रेस के ऐसे-ऐसे किस्से सुनने को मिलते हैं, जो हमें हैरान कर जाते हैं. क्योंकि पर्दे के पीछे की दुनिया एकदम अलग है और पर्दे के सामने अलग दुनिया दिखाई देती है. इसलिए हमें सामने की चीजें तो दिख जाती हैं, लेकिन पीछे का सुनने में नहीं आता. लेकिन कई बार पर्दे के पीछे के उन किस्से कहानियों का जिक्र होता है तो बात खुलकर आती है. मनोरंजन की दुनिया में एक ऐसा किस्सा सरोज खान और रेखा से जुड़ा हुआ है. चलिए आपको बताते हैं.रेखा जितनी बेहतरीन अदाकारा हैं, उतनी ही बेहतरीन डांसर भी हैं. आज भी जब वह स्टेज पर ठुमके लगा देती हैं तो बड़ी से बड़ी डांसर फेल नजर आती हैं. लोग रेखा को हमेशा की तरह अभी भी खूब पसंद करते हैं. लेकिन क्या आपको मालूम है कि एक फिल्म के सेट पर रेखा और मशहूर कोरियोग्राफर सरोज खान के बीच बहस हो गई थी. सरोज खान ने रेखा को ऐसा डांटा था कि वह रोने लगी थीं.

सरोज खान और रेखा में हुआ था झगड़ा ?

सरोज खान भले ही अब इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उनकी कोरियोग्राफी के लोग कायल हैं. उन्होंने बड़ी-बड़ी सेलिब्रिटी को नचाया है. रेखा की फिल्म शेषनाग के गानों के लिए फिल्म के कोरियोग्राफर के.आर. रेड्डी ने सरोज खान को ही चुना था. लेकिन फिल्म के सेट पर कुछ ऐसा हुआ कि बात फिल्म इंडस्ट्री में फैल गई कि सरोज खान और रेखा में झगड़ा हुआ. बाद में सरोज खान ने इसे इंटरव्यू में क्लियर भी किया था.

क्यों रोने लगीं थीं रेखा ?

लहरें से बातचीत में सरोज खान ने बताया था कि उनका और रेखा का कोई विवाद नहीं था. इसे बढ़ा-चढ़ाकर बताया गया था. सरोज खान ने रेखा से कहा था, रेखा जी लगता है आपको मुझसे कोई परेशानी है या फिर एलर्जी है. क्योंकि जब मैं आपको रिहर्सल के लिए बुलाती हूं तब आप आती नहीं हैं. और फिर सेट पर आने के बाद कहती हैं कि मैं ठीक नहीं हूं. या तो आप कोरियोग्राफर बदल लो या फिर डायरेक्टर से बोल दो कि आपको मेरे साथ काम नहीं करना है.इसी इंटरव्यू के वक्त सरोज खान ने कहा था कि जब उन्होंने रेखा को ये बात बोली तो उनकी आंखों में आंसू आ गए. तब सरोज जी ने उनको समझाया, जिसके बाद रेखा शूटिंग पर वापस लौट गईं.

म्यूजिक, फन, कॉमेडी और डांस... सलमान खान के दबंग टूर का जोरदार प्रोमो आया

बीते कई दिनों से सलमान खान दबंग टूर को लेकर सुर्खियों में हैं. इस टूर की वजह से वो इस हफ्ते 'बिग बॉस- वीकेंड का वार' भी होस्ट नहीं कर रहे हैं. टूर से पहले उन्होंने एक प्रोमो वीडियो शेयर किया है और बताया है कि इस टूर में क्या कुछ होने वाला है.सलमान ने बताया कि इस इवेंट में म्यूजिक होगा, फन होगा, कॉमेडी होगी और डांस भी. ये सब नॉन-स्टॉप चार घंटे तक चलने वाला है. उन्होंने जो प्रोमो वीडियो शेयर किया है उसमें इस इवेंट में सलमान के साथ शामिल हो रहे सितारों के वीडियो क्लिप्स दिखाए गए हैं. सभी परफॉर्म करते नजर आ रहे हैं.

कब है सलमान खान का इवेंट ?

सलमान के साथ सोनाक्षी सिन्हा, जैकलीन फर्नांडिस, दिशा

पाटनी, तमन्ना भाटिया, प्रभु देवा, मनीष पॉल, सुनील ग्रोवर और आस्था गिल भी इस इवेंट का हिस्सा हैं. सभी सलमान के साथ दुबई में परफॉर्म करने वाले हैं. प्रोमो शेयर करते हुए सलमान ने लिखा, दुबई, क्या आप तैयार हो दबंग एक्सपीरियंस के लिए. इस टूर का पहला इवेंट 7 दिसंबर को स्टूडियो दुबई हार्बर मरीना में होने वाला है.

भारत के साथ-साथ दुबई में भी सलमान खान की काफी अच्छी फैन फॉलोइंग है. वहां भी उन्हें लोग काफी प्यार करते हैं. वो पहले भी दुबई में दबंग टूर के नाम से ही इवेंट कर चुके हैं और उनके इवेंट को फैन्स का खूब प्यार मिला था.

सलमान की जगह 'बिग बॉस' में कौन ?

अब जब सलमान 'दबंग टूर' में बिजी हैं तो ऐसे में सबसे बड़ा सवाल ये है कि उनकी गैरमौजूदगी में 'बिग बॉस' का जिम्मा कौन संभालेगा. जवाब है- फराह खान. इस बार फराह वीकेंड का वार में नजर आएंगी.बहरहाल, सलमान पिछले कुछ समय से एक फिल्म पर भी काम कर रहे हैं, जिसका नाम है 'सिकंदर'. अगले साल ईद के मौके पर ये फिल्म रिलीज होने वाली है. साजिद नाडियाडवाला इस फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे हैं और ए.आर. मुरुगदास इस फिल्म के डायरेक्टर हैं.